नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 09

सोमवार, 31 मार्च से 06 अप्रैल 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

दिल्ली में कई स्कूलों की मान्यता हो सकती है रद्द 03

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलफ एक्शन शुरू 08

आईपीएल 2025 में बुमराह की वापसी 10

सेहत के लिए वरदान है एक कटोरी अनार 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अवंतिका दसानी ने झेले ढेरों रिजेक्शन 12

वक्फ संशोधन विधेयक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

कांग्रेस मोहम्मद जावेद और असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष व सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर वक्फ (संशोधन) विधेयक- 2025 की वैधता को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत में दाखिल याचिकाओं में कहा गया है कि यह विधेयक न सिर्फ संवैधानिक प्रावधानों के खिलाफ है बल्कि मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव करता है।

बिहार के किशनगंज से लोकसभा सांसद जावेद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष ओवैसी की ओर से दाखिल याचिकाओं में कहा गया है कि इस विधेयक में वक्फ संपत्तियों और उनके प्रबंधन पर मनमाने प्रतिबंध लगाने के प्रावधान किये गये हैं, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता कमजोर होगी। अधिवक्ता अनस तनवीर और लजफीर अहमद के जरिए दाखिल याचिकाओं में कहा गया है कि वक्त संशोधन विधेयक 2025 में मुस्लिम समुदाय से भेदभाव किया गया है क्योंकि इसमें ऐसे कई प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों में मौजूद नहीं हैं। याचिकाकर्ता जावेद इस विधेयक को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य भी रहे हैं। उन्होंने याचिका में आरोप लगाया है कि विधेयक में प्रावधान है कि कोई व्यक्ति अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने के आधार पर ही वक्फ कर सकेगा।

लोकसभा ने 2 अप्रैल को विधेयक को मंजूरी दे दी गई। लोकसभा में 288 सदस्यों ने विधेयक का समर्थन और 232 ने विरोध में मतदान किया था। इसी तरह राज्यसभा ने 3 अप्रैल को 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में जबकि 95 ने विरोध में मतदान किया, जिसके बाद इसे पारित कर दिया गया।

शीर्ष अदालत में दाखिल याचिकाओं में कहा गया है कि इस तरह की सीमाएं इस्लामी कानून, परंपरा के अनुसार निराधार हैं और संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धर्म को मानने और उसका पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती हैं। इसमें कहा गया कि इन प्रतिबंधों से उन लोगों के खिलाफ भेदभाव होगा, जिन्होंने कुछ समय पहले इस्लाम धर्म अपनाया हो और अपनी संपत्ति धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित करना चाहते हों। लिहाजा इससे संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन होता है। अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव के निषेध से संबंधित है। याचिकाओं में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना में संशोधन करके वक्फ प्रशासनिक निकायों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना अनिवार्य कर दिया गया है। याचिका के अनुसार यह विभिन्न राज्य अधिनियमों के तहत विशेष रूप से हिंदुओं द्वारा प्रबंधित किए जा रहे हिंदू धार्मिक बंदोबस्तों के विपरीत धार्मिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेप है। शीर्ष अदालत में दाखिल याचिकाओं कहा गया है अन्य धार्मिक संस्थाओं पर समान शर्तें लागू किए बिना चुनिंदा तरीके से हस्तक्षेप किया गया है और यह अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है। शीर्ष अदालत को याचिकाओं के जरिए बताया गया है कि वक्फ प्रशासन में राज्य प्राधिकारियों की बढ़ी हुई भूमिका अपने संस्थानों के प्रबंधन के मुस्लिम समुदाय के अधिकार पर अतिक्रमण है।

इतना ही नहीं, याचिकाओं में कहा गया है कि विधेयक में वक्फ संपत्तियों की प्रकृति निर्धारित करने की शक्ति जैसे प्रमुख प्रशासनिक कार्य वक्फ बोर्ड से लेकर जिला कलेक्टर को सौंप दिए गए हैं। शीर्ष अदालत को यह भी बताया गया है कि वक्फ अधिनियम में किए गए ये संशोधन अनुच्छेद 300ए के तहत संरक्षित संपत्ति अधिकारों को कमजोर करते हैं। साथ ही कहा गया है कि वक्फ संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाए जाने से धार्मिक उद्देश्यों के लिए संपत्ति समर्पित करने की व्यक्तियों की क्षमता सीमित हो जाएगी। याचिकाओं में कहा गया है कि सरकारी अधिकारियों को नियंत्रण सौंपने से वक्फ प्रबंधन की स्वायत्तता कमजोर होगी जोकि अनुच्छेद 26डी के प्रावधानों का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि प्रस्तावित कानून के जरिए वक्फ न्यायाधिकरणों की संरचना और शक्तियों में परिवर्तन करके विवादों के समाधान की प्रक्रिया में भी बदलाव होगा। याचिका में दावा किया गया है कि इस बदलाव से विशेष न्यायाधिकरणों के जरिये कानूनी सहायता लेने की इच्छा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जबकि अन्य धार्मिक संस्थाओं को उनके संबंधित बंदोबस्ती कानूनों के तहत मजबूत सुरक्षा प्रदान की गई है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिकाओं में कहा गया विधेयक में ह्यवक्फ-बाय-यूजर की अवधारणा को छोड़ दिया गया है।

ओवैसी ने फाड़ दी थी कॉपी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन औवेसी ने भी सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ याचिका दाखिल की है। अपनी याचिका में उन्होंने तर्क दिया कि विधेयक के प्रविधान मुसलमानों और मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन करते हैं। बता दें कि असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर हमला बोला और संशोधन के विरोध में विधेयक की प्रति को फाड़ दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ विधेयक के माध्यम से मुसलमानों के साथ अन्याय किया जाएगा।

मुस्लिमों के साथ भेदभाव का आरोप

याचिका में कहा गया है कि विधेयक मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव करता है क्योंकि इसमें ऐसे प्रतिबंध लगाए गए हैं जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों के प्रशासन में मौजूद नहीं हैं। बता दें कि राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 95 ने विरोध में वोट किया था।

इसे 3 अप्रैल की सुबह लोकसभा में पारित किया गया, जिसमें 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया और 232 ने इसका विरोध किया। बीजू जनता दल, जो पहले बिल के विरोध में था, उसने बाद में अपना स्टैंड बदल दिया और अपने सांसदों को विवेक के आधार पर फैसला लेने को कह दिया था।

वक्फ विधेयक संसद से पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय की खोज में अहम क्षण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों से वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक पारित होने की आज सराहना की और कहा कि यह सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की हमारी सामूहिक खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, संसद के दोनों सदनों से वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की हमारी सामूहिक खोज में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इससे विशेष रूप से उन लोगों को सहायता मिलेगी जो लंबे समय से हाशिये पर रहने के साथ उन्हें आवाज और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है। श्री मोदी ने लिखा, संसदीय और समिति चचाओं में भाग लेने वाले सभी सांसदों का आभार, जिन्होंने अपने दृष्टिकोण व्यक्त किए और इन कानूनों को मजबूत बनाने में योगदान दिया। संसदीय समिति को अपने बहुमूल्य सुझाव भेजने वाले अनगिनत लोगों का भी विशेष आभार। एक बार फिर, व्यापक बहस और संवाद के महत्व की पुष्टि हुई है। प्रधानमंत्री ने लिखा, दशकों से वक्फ व्यवस्था पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी का पर्याय रही है।

दिल्ली में लागू हुई आयुष्मान भारत योजना

आयुष्मान भारत लागू करने वाला 35 वां राज्य बनी दिल्ली

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को दिल्ली में लागू करने के लिए शनिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने दिल्ली सरकार के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना को लागू करने वाली दिल्ली 35 वां राज्य बन गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में यहां इस आशय के समझौते पर हस्ताक्षर किए गये।

इस अवसर पर केंद्रीय कॉर्पोरेट मामले तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं परिवहन और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार

सिंह भी उपस्थित थे। दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, प्रवीण खंडेलवाल, कमलजीत सहरावत, मनोज कुमार तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी तथा योगेंद्र चंदोलिया भी उपस्थित रहे। हाल में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में आयुष्मान भारत में दिल्ली राज्य को शामिल करना एक प्रमुख मुद्दा था।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि इस योजना के तहत दिल्ली में लगभग 6.54 लाख परिवार लाभान्वित होंगे। योजना के लिए कार्ड वितरण 10 अप्रैल से शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार प्रत्येक परिवार को प्रत्येक वर्ष पांच लाख रुपये का लाभ अतिरिक्त रूप से देगी।

समझौते पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एल.एस. चांगसन और दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में सचिव डॉ. एस.बी. दीपक कुमार के बीच हस्ताक्षर किए गए।

श्री नड्डा ने कहा कि 50 करोड़ लोगों को इस योजना के अंतर्गत लाया गया है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं सहित 36 लाख फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को इस योजना और प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना के अंतर्गत लाया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगभग 4.5 लाख परिवारों के छह लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को पांच लाख रुपए का अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवा लाभ मिलता है।

सबसे पहले किसके बनेंगे आयुष्मान कार्ड

केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना गरीब व जरूरतमंद लोगों को बेहतर इलाज देने के लिए है। दिल्ली में भी इस योजना का लाभ इन्हीं लोगों को मिलेगा। जानकारी के मुताबिक जिन लोगों के पास अंत्योदय अन्न योजना (अअ) कार्ड है, उन्हीं के कार्ड पहले बनाए जाएंगे। इसके बाद बीपीएल कार्डधारकों के नंबर आएंगे। माना जा रहा है कि शुरूआत में एक लाख अंत्योदय कार्डधारकों को इस योजना का लाभ होने वाला है।

भारत और श्रीलंका ने रक्षा सहयोग पर सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए

कोलंबो/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायका के बीच कोलंबो में शनिवार को द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने रक्षा सहयोग पर अपने पहले सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने के साथ ही त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ त्रिपक्षीय समझौते पर भी हस्ताक्षर किये हैं।

डेली मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के रक्षा सचिव संपत थुयाकोंथा ने कहा कि सहमति पत्र के तहत की जाने वाली कोई भी सहयोग गतिविधि अंतरराष्ट्रीय सवोत्तम प्रथाओं के अनुसार होगी और श्रीलंका अथवा भारत के घरेलू कानूनों और राष्ट्रीय नीतियों के साथ संघर्ष नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि श्रीलंका और भारत के बीच दशकों से सौहार्दपूर्ण रक्षा संबंध हैं तथा दोनों देश रक्षा वार्ता, संयुक्त सैन्य और नौसैनिक अभ्यास, प्रशिक्षण और कार्यशालाओं में हिस्सा लेते हैं। भारत हर साल श्रीलंका के लगभग 750 सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। उन्होंने जोर दिया कि भारत-श्रीलंका रक्षा साझेदारी श्रीलंका के लिए अमूल्य संपत्ति रही है और आगे भी रहेगी।

उन्होंने कहा कि 2023 में आयोजित रक्षा वार्ता के दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग पर रक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की थी ताकि रक्षा साझेदारी और जुड़ाव को और अधिक कुशलतापूर्वक और संरचित तरीके से जारी रखा जा सके। इस एमओयू की सावधानीपूर्वक जांच और समीक्षा की गयी। एमओयू पर हस्ताक्षर से पहले मंत्रिपरिषद की मंजूरी विधिवत प्राप्त की गयी थी।

उन्होंने कहा, समझौता ज्ञापन के तहत सहयोग गतिविधियों को अंजाम देते समय पक्षकार अपने राष्ट्रीय और सैन्य कानूनों और विनियमों तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रासंगिक सिद्धांतों और उद्देश्यों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसमें राज्यों की संप्रभु समानता, क्षेत्रीय अखंडता तथा पक्षों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना शामिल है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से रक्षा संबंधों के लिए ठोस आधार प्रदान किया गया है जिसके माध्यम से तीनों सेनाओं के अधिकारियों का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, सेनाओं के बीच स्टाफ वार्ता, सूचना का आदान-प्रदान, रक्षा उद्योग में सहयोग, तथा प्रासंगिक बौद्धिक संपदा अधिकारों को सुनिश्चित करने के उपायों के साथ रक्षा प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के क्षेत्र में पेशेवर तरीके से सहयोग किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन पांच वर्षों के लिए लागू रहेगा जिसमें पक्षों को तीन महीने की अग्रिम सूचना के साथ समझौते को समाप्त करने और उसके बाद तीन वर्षों तक जारी रखने का अधिकार सुरक्षित रहेगा बशर्ते कि प्रगति की समीक्षा की जाए और यदि ऐसा करना हो तो इसी तरह की पूर्व सूचना के साथ इसे समाप्त किया जाये।

अमेरिका से व्यापार समझौते पर बने टास्क फोर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, पश्चिम एशिया, चीन, जापान, लैटिन अमेरिकी देश तथा अफ्रीकी संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौतता (एफटीए) पर नये सिरे से विचार करने तथा अमेरिका के साथ इस मुद्दे पर बातचीत करते रहने और इसके लिए टास्क फोर्स बनाने का सुझाव दिया है, जिसमें सभी क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हों।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दो दिन पहले अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की, जिससे पूरी दुनिया के व्यापार को चोट पहुंची है और इस फैसले से सात दशक पुरानी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था एक झटके में चौपट हो गई है। दशकों से दुनिया में निवेश

के लिए सहमति बनी और टैरिफ तथा व्यापार पर आम सहमति के बाद विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई थी। इस व्यवस्था के बाद अब पहली बार किसी बड़े देश ने रेसिप्रोकल टैरिफ शब्द का इस्तेमाल किया है जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहला फैसला है, जिससे पूरी दुनिया में अनिश्चितता का माहौल बना और इससे अमीर तथा गरीब देश सीधे प्रभावित हो रहे हैं। इसकी वजह है कि आज दुनिया के सभी देश अपनी आर्थिक और सामाजिक प्रगति के अलग अलग पयदान पर खड़े हैं। कुछ अमीर हैं, कुछ विकासशील अर्थव्यवस्था में हैं, कुछ बहुत गरीब हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत पर भी रेसिप्रोकल टैरिफ का प्रभाव होगा, इस पर देश की क्या रणनीति है, इसकी कोई जानकारी नहीं है लेकिन इसको लेकर भारत की जो भी प्रतिक्रिया हो, उसमें राष्ट्रहित ही सबसे ऊपर रहे। अमेरिका के साथ भारत के कई बड़े समझौते हैं और बड़े ट्रेडिंग पार्टनर भी हैं। संकेत हैं कि सरकार द्विपक्षीय ट्रेड के लिए कुछ टर्म्स और रिफ्रेंस तैयार किए जा रहे हैं। वो क्या हैं और उसके मापदंड क्या हैं, इस पर देश को विश्वास में लेना चाहिए। बिना बताए ऐसे कोई निर्णय न हों, जिसकी कीमत लंबे समय तक देश चुकाता रहे। बेहतर होता कि संसद में सरकार इस पर बयान देती और चर्चा की जाती। अब विपक्ष के नेताओं से बैठक कर सरकार बताए कि उनकी इस पर क्या रणनीति है। इस पर जो समझौता हो, वो संतुलित और सम्मानजनक होना चाहिए। कोई भी समझौता सर्विस सेक्टर को शामिल किए बिना मंजूर नहीं होना चाहिए।

सरकार कुछ घोषणाएं पहले ही कर चुकी है लेकिन ये सब बातचीत पर आधारित रहनी चाहिए और दो तरफा होना चाहिए। उन्होंने कहा , श्री ट्रंप को व्यापार समझौतों का पूरा अधिकार नहीं मिला है। वे केवल टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन कोई रियायत नहीं दे सकते इसलिए सरकार से आग्रह है कि इस मुद्दे पर व्यापारी, उद्योगकर्मी, किसान, डेयरी, पोल्ट्री, टेक्सटाइल सहित सभी संबंधित पक्षों से बात करनी चाहिए। इस पर टास्क फोर्स का गठन हो, जो अमेरिका से बातचीत का मसौदा तैयार करे और मॉनिटरिंग करे कि हमारा व्यापार किस दिशा में जा रहा है।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

संक्षिप्त समाचार

अफेयर के शक में सरेआम सड़क पर पत्नी को चाकुओं से गोदकर मार डाला

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अफेयर के शक में सरेआम सड़क पर ही पत्नी की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने पत्नी को चाकू से गोद डाला। घटना शुक्रवार की है। बागेपल्ली का रहने वाला कृष्णप्पा उर्फ कृष्णा को आसपास के लोगों ने पकड़ लिया और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक रात के करीब 8 बजे शारदा काम करके घर वापस लौट रही थी। कृष्णप्पा ने पहले ही उसकी हत्या का प्लान बना रखा था। वह दो नए चाकू खरीदकर लाया था और घर से थोड़ी दूर सड़क किनारे शारदा के लौटने का इंतजार कर रहा था। इसके बाद उनसे चाकू से गर्दन पर वार करना शुरू कर दिया। शारदा ने भागने की कोशिश लेकिन कृष्णप्पा ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। आसपास मौजूद लोगों ने दौड़कर कृष्णप्पा को पकड़ा। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बताया गया कि कृष्णप्पा दिहाड़ी मजदूरी करता था। कृष्णप्पा की शादी को 17 साल हो गए थे और उनके दो बच्चे हैं। एक की उम्र 15 साल और दूसरे की 12 साल है। पुलिस ने बताया कि कृष्णप्पा को शारदा पर शक रहता था। उसे लगता था कि शारदा का किसी के साथ अफेयर चल रहा है। चार साल से वे दोनों अलग ही रहते थे। उनका बेटा कृष्णप्पा के साथ बागेपल्ली में रहता था। वहीं बेटी अपनी मां शारदा के साथ रहती थी। मामले के जानकार लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही दोनों की बहस हुई थी। कृष्णप्पा को शक था कि शारदा जहां काम करती है वहीं किसी के साथ अफेयर है। इसको लेकर कई बार उनके बीच बहस और मारपीट हुई थी। इसके बाद ही शारदा अलग रहने लगी थी।

भुवनेश्वर-पुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस दुर्घटना, एक की मौत, 15 से अधिक घायल

भुवनेश्वर, एजेंसी। भुवनेश्वर-पुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें बांग्लादेशी तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस सीआईएफए के पास पलट गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को तुरंत भुवनेश्वर के कैपिटल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, बस में 65 से अधिक बांग्लादेशी तीर्थयात्री सवार थे, जो पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जा रहे थे। ये तीर्थयात्री बांग्लादेश के चटगांव जिले से आए थे और धार्मिक यात्रा पर थे। उनकी योजना पुरी के बाद वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर जाने की थी। समूह दो बसों में यात्रा कर रहा था, जिसमें कुल 125 लोग शामिल थे। इससे पहले वे अयोध्या और द्वारका के दर्शन कर चुके थे। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसा तब हुआ जब दूसरी बस का चालक कथित तौर पर गाड़ी चलाते समय सो गया। अनियंत्रित बस सड़क से हटकर साइफन के पास खाई में जा गिरी। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कई लोग वाहन के अंदर फंस गए।

किरीट सोमैया ने 72 मस्जिदों पर अवैध लाउडस्पीकर को लेकर दर्ज कराई शिकायत

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मुंबई के गोवंडी इलाके में 72 मस्जिदों पर अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सोमैया ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए कहा कि इन लाउडस्पीकरों को बिना किसी वैधानिक अनुमति के लगाया गया है, जो नियमों का उल्लंघन है। उनकी शिकायत के बाद पुलिस अगले 72 घंटों में कार्रवाई शुरू करेगी। किरीट सोमैया ने शनिवार को शिवाजी नगर-गोवंडी क्षेत्र का दौरा करने के बाद यह कदम उठाया। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। गोवंडी में 72 मस्जिदों पर अनाधिकृत लाउडस्पीकर लगाए गए हैं, जो बिना पुलिस की मंजूरी के हैं। मैंने अधिकारियों से इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यह समस्या केवल गोवंडी तक सीमित नहीं है, बल्कि मुंबई के कई अन्य इलाकों में भी ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। सोमैया ने इससे पहले भी कई बार इस तरह की शिकायतें दर्ज की हैं और प्रशासन से सख्त कदम उठाने की अपील की है। पिछले कई महीनों से किरीट सोमैया इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हैं।
और मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में मस्जिदों पर अवैध लाउडस्पीकरों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे आसपास के निवासियों को भी परेशानी होती है।

नक्सली भाई कैसे हो सकते हैं? भूपेश बघेल ने गृह मंत्री अमित शाह से क्यों कहा- माफी मांगिए

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि आज मैं मां दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेकर आया हूं कि अगले चैत्र नवरात्रि तक यहां से लाल आतंक समाप्त हो जाए और हमारा बस्तर खुशहाल हो जाए। पीटीआई-भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री शाह ने आगे कहा कि %वह जमाना चला गया जब यहां पर गोलियां चलती थी बम धमाके होते थे। मैं उन सभी नक्सली भाइयों से अनुरोध करता हूं, जिनके हाथ में हथियार हैं और जिनके पास नहीं भी हैं, वे हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हों। आप हमारे अपने लोग हैं। कोई भी नक्सली मारा जाता है किसी को आनंद नहीं होता है।% अब केंद्रीय गृह मंत्री के इस बयान को लेकर कांग्रेस के कद्दावर नेता भूपेश बघेल ने उन पर हमला बोला है।

भूपेश बघेल ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा- माननीय गृहमंत्री जी! जिन्होंने हथियार उठा रखे हैं, वो %नक्सली% भाई कैसे हो सकते हैं? अनगिनत लोगों का खून बहाने वाले, हमारे जवानों को शहीद करने वाले कायरों को आपके द्वारा %भाई% कहना हमारे वीर जवानों का, छत्तीसगढ़ के लोगों का और देश का अपमान है। %नक्सली% और %भाई% दोनों एक साथ नहीं हो सकते। जब तक लोकतंत्र, संविधान में आस्था नहीं है, हाथों में हथियार हैं, वो सिर्फ नक्सली हैं। सरेंडर करने से पहले कोई भी %नक्सली% भाई नहीं हो सकता है। आपको अपने इस बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

भूपेश बघेल ने एक अन्य पोस्ट में एक वीडियो पोस्ट कर केंद्रीय गृह मंत्री के एक और बयान को लेकर हमला बोला। इस वीडियो में केंद्रीय गृह मंत्री यह कहते नजर आ रहे हैं कि मैं पहले भी यहां सभाएं करने आया हूं। मुख्यमंत्री कहते थे कि आप मत जाइए। आज धड़ल्ले के साथ 50 हजार आदिवासी भाई बहनों के सामने रामनवमी और अष्टमी का उत्सव हम मना रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री के इस कथित बयान पर भी भूपेश बघेल ने हमला बोला। उन्होंने एक्स पर अपने एक अन्य पोस्ट में कहा- आदरणीय गृहमंत्री जी, यह आप किस मुख्यमंत्री की बात कर रहे हैं? ऐसे हवा में कुछ भी उछाल कर मत निकलिएगा, नाम बताना चाहिए।

भूपेश बघेल ने आगे कहा- यदि रमन सिंह जी आपसे ऐसा कहते थे तो इस बात को आप स्वीकार कर ही रहे हैं कि डेढ़ दशक में भाजपा सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद फला-फूला है। हमारी सरकार में ही नक्सलवाद पर हमला शुरू हुआ था क्योंकि कांग्रेस सरकार के समय तो आपके बस्तर दौरे हो रहे थे। हमारी सरकार ने आपसे कभी जाने के लिए तो मना ही नहीं किया। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दंतेवाड़ा में राज्य सरकार की ओर से आयोजित 'बस्तर पंडुम' महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित किया। इससे पहले अमित शाह दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे और वहां पूजा-पाठ की।

मनमाना रवैया, गाजियाबाद में दाखिले के एवज में 20 हजार तक का बिल थमा रहे स्कूल

गाजियाबाद एजेंसी। आरटीई दाखिलों की एवज में जिले के निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावक परेशान हैं। आरोप है कि स्कूल दाखिले के बदले पांच हजार से लेकर 20 हजार तक की फीस मांग रहे हैं। भुगतान नहीं करने पर दाखिले से इनकार तक करने की बात कह रहे हैं। अभिभावक को स्कूल से ही कॉपी-किताब और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। वहीं कई स्कूल बैंक स्टेटमेंट मांगने के साथ घरों का सर्वे भी करा रहे हैं। जिले में इस बार सत्र 205-26 के लिए चार चरणों में कुल 6306 बच्चों को चयन हुआ है। दिसंबर से प्रक्रिया शुरू करने का मकसद बच्चों को सत्र से पहले दाखिला दिलाना था, लेकिन पहले चरण से ही स्कूल कभी सीट नहीं होने तो कभी नए सत्र में स्कूल खुलने पर दाखिला देने की बात कहकर अभिभावकों को परेशान करते आ रहे हैं। अब सत्र शुरू हुआ तो स्कूलों ने दाखिले के बदले फीस की मांग करनी शुरू कर दी है।

अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल बच्चों के दाखिले के बदले पांच हजार से लेकर 20 हजार रुपये तक की मांग कर रहे हैं, जिसमें फीस, यूनिफॉर्म, कोर्स और तरह-तरह का चार्ज जोड़ा हुआ है। स्थानीय निवासी कुलदीप कुमार ने बताया कि उनके बेटे का मोदीनगर के एक स्कूल में नर्सरी के लिए चयन हुआ है। किताब, यूनिफॉर्म और एग्जाम फीस के नाम पर 15 हजार रुपये की पर्ची दी है। शिक्षा विभाग में भी इसकी शिकायत की है। स्थानीय निवासी अंशुल का कहना है कि उनकी बेटी का चयन विजय नगर के एक स्कूल में हुआ है। अब वह दूसरी कक्षा में आई है। पिछले साल भी पांच हजार रुपये जमा किए थे। अब अलग-अलग चार्ज जोड़कर 21 हजार का बिल थमा दिया है।

24 मार्च को हुए चौथे चरण के ड्रॉ में 544 बच्चों का चयन किया गया है। 27 मार्च तक इन्हें ऑफर लेटर मिलने थे, लेकिन ड्रॉ के 12 दिन बीतने के बाद भी बच्चों को ऑफर लेटर नहीं मिल सके हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का कहना है कि अगले सप्ताह से बच्चों को ऑफर लेटर का वितरण शुरू हो जाएगा। चारों चरणों में कुल 6306 बच्चे चयनित हुए हैं, इनमें से 100 का भी दाखिला नहीं हुआ है।

गुरुग्राम में खुलेंगी 25 अटल कैंटीन

गरीबों को कम रेट पर मिलेगा पौष्टिक खाना

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्राम जिले के औद्योगिक क्षेत्र में 25 नई अटल श्रमिक कैंटीन शुरू की जाएगी। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) की ओर से सभी औद्योगिक क्षेत्रों में सब्सिडी वाली खाद्य कैंटीन स्थापित की जाएंगी।

इन कैंटीनों का बुनियादी ढांचा सीएसआर से विकसित किया जाएगा। जिसके लिए एचएसआईआईडीसी की ओर से जमीन की तलाश शुरू कर दी गई है। इससे औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों को सस्ती दरों पर पौष्टिक भोजन मिल सके। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के अनुसार उद्योग विहार के छह फेज, मानेसर, सेक्टर-18, सेक्टर-37 में अपने सभी इंडस्ट्रियल एस्टेटों में कैंटीन स्थापित करने के लिए जमीन चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया गया है।सरकार की ओर से प्रस्ताव दिया गया कि इन कैंटीनों के लिए बुनियादी ढांचे को कंपनियों की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के माध्यम से विकसित किया जाए। कई बड़ी कंपनियों ने इस पहल में योगदान देने में रुचि दिखाई है। जिले में विभिन्न स्थानों पर सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीन संचालित हो रहे हैं। इनमें श्रम विभाग की ओर से छह मोबाइल कैंटीन पिछले साल शुरू किए गए थे। इन कैंटीनों का प्रबंधन महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों द्वारा किया जाता है, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है। अब जो कैंटीन शुरू किया जाएगा। उसमें भी महिला समूहों की भागीदारी अधिक रहेगी। जिले के उद्योग संगठन काफी समय से कैंटीन खोलने की मांग करते आ रहे हैं। गुड़गांव उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार देर से ही सही कदम श्रमिकों के लिए उठाया गया है। प्रवीण ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है कि सुबह से लेकर शाम तक खाने के लिए श्रमिकों को परेशान होना पड़ता है, क्योंकि रेहड़ी पर खाना महंगा होने के कारण श्रमिक खाने में परहेज करते हैं। उद्योग क्षेत्रफल के हिसाब से कैंटीनों की संख्या कम है। इसकी संख्या बढ़ाया जाए। अब अगर ये कैंटीन शुरू होती है तो इससे औद्योगिक क्षेत्रों में न सिर्फ मजदूरों और कारीगरों को बल्कि गरीब लोगों को भी सस्ता खाना उपलब्ध होगा। एचएसआईआईडीसी के डीजीएम अरुण गर्ग का कहना है कि इन नई अटल श्रमिक कैंटीनों को खोलने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन की तलाश की जाएगी। जमीन मिलने के बाद कैंटीनों का बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए कंपनियों से बातचीत होगी। उम्मीद है की स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इन नई कैंटीन को औद्योगिक क्षेत्रों में शुरू किया जा सकता है। जिले में अंत्योदय आहार योजना के तहत 31 कैंटीन खोलने की परियोजना का विस्तार करते हुए अभी छह कैंटीन का संचालन किया जा रहा है। इसमें राजीव चौक, सेक्टर-5, वजीराबाद, सेक्टर-9ए ईएसआई अस्पताल और उद्योग विहार एरिया में शामिल है।

न्यूनतम किराया अब 5 से बढ़कर 10 रुपये

शिमला, एजेंसी।
आर्थिक संकट से जूझ रही हिमाचल प्रदेश सरकार ने आम जनता पर एक और बोझ डालते हुए सूबे की बसों का न्यूनतम किराया बढ़ा दिया है। अब बसों में न्यूनतम किराया 5 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया गया है। यह निर्णय शनिवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया है। कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि पिछले लंबे समय से बस किराया बढ़ाने की मांग बस ऑपरेटर कर रहे थे। हालांकि एक बात की राहत है। इस बार केवल न्यूनतम किराया ही बढ़ाया गया है, बाकी किराया दरें यथावत रहेंगी। मंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों से बस किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। यात्रियों से न्यूनतम 5 रुपये किराया लिया जा रहा था, जिसे अब बढ़ाकर 10 रुपये किया गया है। इस फैसले से छोटे रास्तों पर सफर करने वाले यात्रियों पर सीधा असर पड़ेगा, जो पहले 5 रुपये में यात्रा कर लेते थे। सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार के इस निर्णय से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कम दूरी तय के लिए सफर करने वाले दैनिक बस यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। यह बढ़ा हुआ न्यूनतम किराया आगामी दिनों में लागू कर दिया जाएगा, जिसकी अधिसूचना परिवहन विभाग द्वारा जल्द ही जारी की जाएगी। अब चार किलोमीटर तक की दूरी तय करने वाले यात्रियों को पांच रुपये की बजाय दस रुपये चुकाने होंगे। यह बदलाव खासकर उन लोगों की जेब पर सीधा असर डालेगा, जो रोजाना कम दूरी का सफर तय करते हैं, जैसे स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र, कामकाजी लोग और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग। यह निर्णय निजी बस ऑपरेटरों के दबाव और सरकारी बस सेवा एचआरटीसी (हिमाचल पथ परिवहन निगम) की खराब आर्थिक स्थिति के चलते लिया गया है। निजी बस ऑपरेटर लंबे समय से न्यूनतम बस किराया पांच रुपये से बढ़ाकर 15 रुपये करने की मांग कर रहे थे। उनका तर्क है कि हिमाचल प्रदेश में जहां एक ओर सामान्य किराया देश में सबसे ज्यादा है।

वहीं न्यूनतम किराया देश में सबसे कम है, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार ने फिलहाल किराया दोगुना कर इसे 10 रुपये किया है।

अंतरिम सरकार से स्पष्ट चुनावी रोडमैप की मांग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) राष्ट्रीय चुनाव के लिए स्पष्ट रोडमैप प्रदान करने में अंतरिम सरकार की नाकामी को उजागर करने के लिए सहयोगियों के साथ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने पर विचार कर रही है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने शनिवार को बताया कि पार्टी ढाका में बड़े पैमाने पर सार्वजनिक रैली आयोजित करेगी और अंतरिम सरकार को चुनाव की तारीख की घोषणा करने के लिए समय सीमा तय करेगी। रैलियों का सिलसिला मई तक जारी रहेगा।

25 मार्च को राष्ट्र के नाम टेलीविजन संबोधन में यूनुस ने कहा कि चुनाव दिसंबर 2025 और जून 2026 के बीच होंगे। उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति आयोग सभी राजनीतिक दलों से सुधारों पर सक्रिय रूप से राय एकत्र कर रहा है। बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अंतरिम सरकार का कार्यकाल बढ़ाने और चुनाव में देरी करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर दिसंबर तक चुनाव नहीं हुए तो लोगों में अस्थिरता और तीव्र आक्रोश पैदा हो सकता है।

बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने यूनुस के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, मैं बहुत निराश हूं कि मुख्य सलाहकार ने 25 मार्च को अपने भाषण में स्पष्ट चुनाव रोडमैप का उल्लेख नहीं किया। मेरा मानना ??है कि चुनाव रोडमैप का अभाव सरकार की राजनीतिक अनुभवहीनता को दर्शाता है।

फरवरी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पिछले कुछ समय से हम इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि सरकार के कुछ अधिकारी लोगों के अधिकारों की बहाली के बारे में विरोधाभासी टिप्पणियां कर रहे हैं।

निष्ठापूर्व कर्तव्य का पालन करने वालों को मिलेगा समर्थन, लारवाही बरतने पर होगी सख्त कार्रवाई: रेखा

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदेश सरकार के सभी विभागों को जन शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदायी और प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिया है और कहा है कि जो अधिकारी अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे, उन्हें सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा, लेकिन जो अधिकारी लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्रीमती गुप्ता ने शुक्रवार को जन कल्याणकारी योजनाओं, बजटीय आवंटन, बुनियादी ढांचे के विकास और शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और जल आपूर्ति जैसे मुद्दे पर शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में दिल्ली सरकार के सभी विभागों के प्रमुख शामिल हुए। इस दौरान श्रीमती गुप्ता ने सभी विभागों को अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही उन्होंने एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हुए अधिकारियों को कार्य चार्ट तैयार करने और मुख्य सचिव को नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा उन्होंने सभी विभागों को जन शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदायी और प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे, उन्हें सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा, लेकिन जो अधिकारी लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और परिणामोन्मुखी प्रशासनिक प्रणाली को सुदृढ़ करना था।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बेहतर सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी और कहा, केवल योजनाओं की घोषणा करना पर्याप्त नहीं है - प्रभावी कार्यान्वयन और जनता को लाभ पहुंचाना भी उतना ही आवश्यक है।

यहां आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, दवा की उपलब्धता, जल समस्या, जलभराव, प्रदूषण, बुनियादी ढांचे के विकास, शासन और शिकायत निवारण सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने सभी विभागों को अगले 100 दिन, छह महीने और 09 महीने के लिए अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। इन योजनाओं को विस्तृत कार्य चार्ट में संरचित किया जाना चाहिए, जिसमें समीक्षा के लिए मुख्य सचिव को लगातार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया वास्तविक समय की निगरानी और त्वरित निर्णय लेने को सुनिश्चित करेगी।

विज्ञप्ति में बताया गया कि श्रीमती गुप्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि जन शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक प्रभावी और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए। विभागों को महत्वपूर्ण नागरिक मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया, जिसमें जल आपूर्ति की कमी, जल निकासी और जलभराव, प्रदूषण नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अस्पतालों में नैदानिक उपकरणों या दवाओं की कोई कमी न हो। भ्रष्टाचार पर सरकार शून्य सहिष्णुता की नीति को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता या ईमानदारी पर किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, काम की गुणवत्ता और कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमारी सरकार नागरिकों को बेहतर सेवाएं, पारदर्शी शासन और समय पर विकास कार्य प्रदान करने के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा, अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने हर वादे को पूरा करें। अगर सभी विभाग मिलकर काम करें तो दिल्ली को एक आदर्श शहर में बदला जा सकता है।

बिहार में बेगूसराय में युवा साथियों से मिलूंगा : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि वह सोमवार को बिहार के बेगूसराय में युवाओं से मिलेंगे और पलायन तथा बेरोजगारी के विरुद्ध उनके संघर्ष में शामिल होंगे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया है कि वे बेगूसराय में हो रही इस आंदोलन में सफेद टी-शर्ट पहनकर शामिल हों और सरकार पर पलायन रोकने और उन्हें नौकरी देने की अपनी मांगों के लिए दबाव बनाएं। श्री गांधी ने कहा,"बिहार के युवा साथियों, मैं सात अप्रैल को बेगूसराय आ रहा हूं, पलायन रोको, नौकरी दो यात्रा में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने। लक्ष्य है कि पूरी दुनिया को बिहार के युवाओं की भावना दिखे, उनका संघर्ष दिखे, उनका कष्ट दिखे। उन्होंने कहा," आप भी सफेद टी शर्ट पहन कर आइए, सवाल पूछिए, आवाज उठाइए -सरकार पर आपके अधिकारों के लिए दबाव बनाने के लिए उसे हटाने के लिए। यहां रजिस्टर कर सफेद टी-शर्ट आंदोलन से जुड़िए। आइए, हम मिलकर बिहार को अवसरों वाला राज्य बनाएं।"

बंगाल में रामनवमी की शोभायात्रा पर मुस्लिमों ने बरसाए फूल

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा में मुसलमानों ने रामनवमी पर श्रद्धालुओं का स्वागत मिठाई से किया और उन पर फूल बरसाए। शहर की सड़कों पर रविवार को 'जय श्री राम' के नारों की गूंज के साथ एकजुटता की भी भावना दिखी। रामनवमी पर श्रद्धालुओं ने शहर में मार्च किया, जबकि मुस्लिम समुदाय के सदस्य अपने हिंदू पड़ोसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे और श्रद्धालुओं के बीच मिठाइयां और पानी की बोतलें बांट रहे थे। समारोह में शामिल एक स्थानीय दुकानदार मोहम्मद अली ने कहा, "भारत इसी का प्रतीक है – विविधता में एकता और सांप्रदायिक सद्भाव।" उन्होंने कहा, "हम हमेशा शांति से साथ-साथ रहते आए हैं और आज हम एक परिवार के रूप में जश्न मना रहे हैं।"
विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) द्वारा आयोजित वार्षिक रामनवमी शोभायात्रा में भगवा वस्त्र धारण किए हजारों लोग शामिल हुए। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने झंडे लहराये और भगवान राम के जन्म का जश्न मनाया।

संक्षिप्त समाचार

रेप का झूठा बयान देना पड़ा महंगा, तीस हजारी कोर्ट ने दिया महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ बलात्कार के मामले में झूठी गवाही देने के आरोप में एक महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपी को भी बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी की प्रतिष्ठा बनाने में पूरी जिंदगी लग जाती है, लेकिन उसे बर्बाद करने के लिए कुछ झूठ ही काफी होते हैं। आरोपी को बरी करते हुए अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि अभियोक्ता ने इस अदालत के समक्ष झूठा बयान दिया और बलात्कार/धमकी की झूठी कहानी गढ़ी। दरअसल, उज्जैन की रहने वाली महिला ने आरोप लगाया था कि उसे आरोपी ने घूमने के लिए दिल्ली बुलाया था और नवंबर 2019 में नबी करीम इलाके के एक होटल में उसके साथ बलात्कार किया गया। एडिशनल सेशन जज अनुज अग्रवाल ने महिला द्वारा दिए गए झूठे बयान को देखते हुए आरोपी को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि हालांकि, यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर अभियोक्ता की गवाही विश्वसनीय और भरोसेमंद पाई जाती है, तो उसे किसी स्वतंत्र पुष्टि की जरूरत नहीं होती है, लेकिन इस मामले में पीड़िता की गवाही उन कारणों से उत्कृष्ट गुणवत्ता की नहीं है, जिनकी चर्चा पहले ही की जा चुकी है। एएसजे अग्रवाल ने 4 अप्रैल के फैसले में कहा, बल्कि, रिकॉर्ड से यह स्पष्ट है कि अभियोक्ता ने इस अदालत के समक्ष झूठी गवाही दी और बलात्कार/धमकी की झूठी कहानी गढ़ी।

गुजरात के सूरत में ऐसा क्या है खास, जिसे समझने वहां गए एनडीएमसी के उपाध्यक्ष; दिल्ली में भी करेंगे लागू

नईदिल्ली, एजेंसी। एनडीएमसी (नई दिल्ली नगर पालिका परिषद) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल शनिवार को गुजरात के सूरत शहर के दौरे पर थे, जहां उन्होंने रेन वाटर हार्वेस्टिंग (बारिश का पानी जमीन में उतारने), बाढ़ प्रबंधन और स्मार्ट तरीके से शहरीकरण के मॉडल का अध्ययन किया। जिससे सीख लेकर अब वे उसे दिल्ली में भी लागू करेंगे। इस दौरे के बारे में एनडीएमसी ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए जानकारी दी, और कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण के तहत सूरत शहर की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना और एनडीएमसी को स्थिरता और स्मार्ट शासन का मॉडल बनाना है। कुलजीत चहल के साथ एनडीएमसी के चीफ इंजीनियर (मुख्य अभियंता) एचपी सिंह और ओएसडी (राजस्व प्रबंधन) सी.अरविंद भी सूरत पहुंचे थे। यात्रा की शुरुआत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ बैठक से हुई, इस दौरान चहल ने उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में 272 मौजूदा रैन वाटर हार्वेस्टिंग गड्ढों के पुनर्विकास और 101 नए गड्ढों के निर्माण के एनडीएमसी की कोशिशों के बारे में बताया। उन्होंने जलभराव को कम करने और ग्राउंडवाटर रिचार्ज (भूजल पुनर्भरण) में सुधार के लिए परिषद की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। इस दौरे का एक मुख्य आकर्षण सूरत के एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र का दौरा था, जो 2016 से चालू है। चहल ने जल आपूर्ति, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया सहित 30 से ज्यादा नागरिक सेवाओं को एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के रूप में एकीकृत करने के लिए आइसीसीसी की तारीफ भी की। उन्होंने दिल्ली में आपदा की तैयारी और सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए इसी तरह की तर्ज पर एनडीएमसी के आइसीसीसी को अपग्रेड करने का सुझाव दिया। एनडीएमसी की टीम ने बामरोली में टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट, ग्राउंडवाटर रिचार्ज सिस्टम और बाढ़ सुरक्षा संरचनाओं जैसे अभिनव बुनियादी ढांचों का भी दौरा किया। चहल ने बंजर भूमि को ग्रीन जोन्स (हरित क्षेत्रों) में बदलने और उपचारित जल के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने में सूरत की सफलता पर प्रकाश डाला। चहल ने जोर देकर कहा कि एनडीएमसी सूरत की सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ एक दीर्घकालिक दृष्टि विकसित करेगी, इस दौरान एनडीएमसी को जल और ऊर्जा उपयोग में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

दिल्ली में कई स्कूलों की मान्यता हो सकती है रद्द, लोगों में भारी आक्रोश

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी के खिलाफ विभिन्न स्थानों से अभिभावकों ने कई शिकायतें शिक्षा निदेशालय में की हैं। पूर्वी दिल्ली, मध्य दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली जैसे स्थानों से कई अभिभावकों ने शिकायत की है। साथ ही, कुछ अभिभावक संघ ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी इस मामले में मुलाकात कर निजी स्कूलों के खिलाफ फीस बढ़ोतरी को लेकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

अब दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने लोगों की शिकायतों को देखते शनिवार को देर रात को इस मामले में फैसला लेते हुए कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके मद्देनजर सभी जिला अधिकारियों को शिकायत को लेकर उच्च स्तरीय जांच कर स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। इसके तहत जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि स्कूलों में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ प्रत्येक शिकायत की वह निगरानी करेंगे और उसके बारे में पूरी जांच पड़ताल करेंगे। इस संबंध में दोषी पाए जाने वाले सभी स्कूलों की मान्यता रद्द करने का भी फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों के अकाउंट का ऑडिट भी किया जाएगा, जिससे यह देखा जाएगा कि किस प्राइवेट स्कूल ने हर साल किस आधार पर बिना निदेशालय की अनुमति के अपने निजी स्कूल की फीस में बढ़ोतरी की है। जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वह रिपोर्ट भी इसमें प्रस्तुत करेंगे। इस बीच शनिवार को रोहिणी सेक्टर-4 स्थित एक निजी स्कूल के बाहर कई अभिभावकों ने स्कूल की फीस बढ़ाने के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिभावकों ने स्कूल के खिलाफ नारेबाजी की। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने बिना किसी पूर्व सूचना के फीस बढ़ाने की सूचना जारी कर दी। इस संबंध में निदेशालय से किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई। निजी स्कूल की यह व्यवस्था व फैसला बिल्कुल भी उचित नहीं है। शनिवार को सुबह से लेकर दोपहर तक काफी संख्या में अभिभावक स्कूल के प्रवेश द्वार के बहार जुटे रहे। इस दौरान स्कूल के आसपास के क्षेत्र में सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। दिल्ली के मॉडल टाउन के एक निजी स्कूल की फीस बढ़ाने को लेकर शनिवार को स्कूल के अभिभावक संघ ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री से अभिभावक संघ को स्कूल के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन मिला। अभिभावक संघ के प्रतिनिधि नितिन गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में निजी स्कूल लगातार फीस बढ़ा रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए और कोई नीति लाने की मुख्यमंत्री से मांग की। नितिन गुप्ता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस पर जल्द ही राज्य सरकार फैसला करेगी। मॉडल टाउन के निजी स्कूल ने बिना शिक्षा निदेशालय की अनुमति के दो शैक्षणिक सत्र में 45 फीसदी से अधिक स्कूल फीस बढ़ा दी है। बीते वर्ष बढ़ाई गई फीस के संबंध में निदेशालय की जांच समिति की रिपोर्ट में भी यह तथ्य सामने आया था कि स्कूल ने बिना निदेशालय की अनुमति के फीस बढ़ाई।

दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस के बाहर गोलीबारी

कार में लगा दी आग, बाइक से आए थे हमलावर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस के बाहर गोलीबारी की घटना सामने आई है। बाइक से आए हमलावरों ने वहां खड़ी प्रॉपर्टी डीलर की कार में आग लगा दी। प्रॉपर्टी डीलर घटना के समय ऑफिस में नहीं थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर के बाहर कुछ बाइक सवार हमलावरों ने गोलीबारी की और उसकी कार में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, हमलावर कथित तौर पर प्रॉपर्टी डीलर संजय तोष को धमकाने की कोशिश कर रहे थे ताकि 30 लाख रुपए वसूले जा सकें। उन्होंने बताया कि मयूर विहार के त्रिलोकपुरी इलाके में जब यह घटना हुई तब तोष अपने घर पर थे।

पुलिस के अनुसार, एक प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद जैद ने बताया कि तीन दोपहिया वाहनों पर सवार होकर सात से आठ लोग मौके पर पहुंचे। उनमें से तीन लोग कार के सामने रुके, पत्थरों से उसकी खिड़कियां तोड़ दीं और पेट्रोल डालकर उसमें आग लगा दी। अधिकारी ने कहा कि जब जैद ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उस पर दो गोलियां चलाई गईं। इसके अलावा हवा में और भी गोलियां चलाई गईं। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया कि दोपहर 3ः45 बजे एक पीसीआर कॉल मिली थी। इसमें बताया गया था कि एक कार में आग लगा दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि एक सफेद रंग की कार में आग लगा दी गई है और उसके शीशे तोड़ दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से छह खाली कारतूस, पत्थर, पेट्रोल से भरी बोतल और माचिस बरामद की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक नोट भी बरामद किया है, जिसमें तोष का नाम और फोटो है। इसमें लिखा है, संजय तोष, या तो मेरे 30 लाख रुपए लौटा दो या जुए का धंधा बंद कर दो।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का आम आदमी वाला कदम

जिसे देखकर खुश हो जाएंगे आप

नईदिल्ली, एजेंसी।
जाम और पलूशन से जूझ रही दिल्ली में वीवीआईपी मूवमेंट और नेताओं के लंबे काफिले अक्सर जनता की समस्याओं में इजाफा करते हैं। ऐसे में शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक ऐसी पहल की, जिसे देखकर हर दिल्लीवाला खुश हो जाएगा। दरअसल, सीएम रेखा गुप्ता और उनके मंत्री कार पूलिंग करते नजर आए। यहां तक कि गाड़ी भी खुद मंत्री ने ही चलाई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य सदस्यों को केंद्र सरकार के साथ आयुष्मान भारत योजना के लिए एमओयू साइन करने जाना था। चूंकि एक ही जगह से सभी को निकलना था और एक ही जगह पहुंचना था, इसलिए मुख्यमंत्री ने सभी के लिए अलग-अलग काफिले की बजाय एक ही साथ निकलने का फैसला किया। ऐसा करके सीएम रेखा गुप्ता ने कम से कम तीन वीवीआईपी काफिले को रोक लिया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसका एक वीडियो भी एक्स पर साझा किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, आज मैं और मेरी कैबिनेट के साथी, एक साथ, एक ही गाड़ी में, आयुष्मान भारत योजना के दिल्ली में क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार के साथ महत्वपूर्ण समझौते के लिए गए। ये एक सुखद अनुभव रहा! कार पूलिंग करके एक तरफ जहां रेखा गुप्ता ने वीवीआईपी कल्चर को कुछ कम किया बल्कि जनता को भी एक गंतव्य के लिए एक ही गाड़ी इस्तेमाल करने का संदेश दिया। सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने सीएम के कदम की तारीफ की।

वीडियो में दिख रहा है कि कार पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा चला रहे हैं। उनके साथ आगे की सीट पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बैठी नजर आईं। वहीं, पीछे की सीटों पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और कानून मंत्री कपिल मिश्रा थे। चारों एक ही कार में बैठकर नई दिल्ली के आकाशवाणी स्थित रंग भवन पहुंचे जहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में राज्य और केंद्र सरकार के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इसके साथ ही दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने पर मुहर लग गई है।

कार पूलिंग से दिल्ली को हो सकता है बड़ा फायदाः दरअसल, मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने आम लोगों की तरह कार पूलिंग करके एक बड़ा संदेश दिया है। अक्सर एक्सपर्ट दिल्ली को जाम और पलूशन से छुटकारा दिलाने के लिए कार पूलिंग पर जोर देते हैं। दिल्ली-एनसीआर में कार की संख्या बहुत अधिक है और अक्सर एक कार में एक ही व्यक्ति सवारी करता दिखता है। यदि कार पूलिंग का सहारा लिया जाए तो दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक कम हो जाएगा, जिससे प्रदूषण में भी कमी आएगी।

दिल्ली में लू का अलर्ट, दो दिन बहुत बुरा हाल करने वाली है गर्मी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में मौसम का मिजाज और ज्यादा गरम होने वाला है। अगले कुछ दिनों में तापमान और तेजी से बढ़ने वाला है। मौसम विभाग ने दो दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राजधानी में लू चलने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार और मंगलवार को दिल्ली में लू चल सकती है। इन दो दिनों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। दोनों ही दिन अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री रह सकता है तो मंगलवार को 21 से 23 डिग्री रह सकता है। पहले विभाग ने शनिवार से लू की स्थिति बनने की आशंका जाहिर की थी लेकिन तेज हवाओं से फिलहाल यह स्थिति टल गई। शनिवार को 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर पश्चिमी हवाएं चलती रहीं। इससे तापमान में बहुत ज्यादा इजाफा नहीं हुआ। साथ ही प्रदूषण से भी राहत रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 163 रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिल्ली में झुग्गियों के स्थान पर 26000 फ्लैट बनाएगा डीडीए

नईदिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली की 19 झुग्गी क्लस्टर में रहने वाले नागरिकों को पक्के मकान की सुविधा प्रदान करने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने काम शुरू कर दिया है। अगले पांच महीने में पांच झुग्गी क्लस्टर में लगभग 10 हजार फ्लैटों का निर्माण कार्य डीडीए शुरू कर रहा है। इन फ्लैटों के निर्माण कार्य शुरू होने के बाद एक से डेढ़ वर्ष में झुग्गी निवासियों को पक्के मकान सौंपने की डीडीए ने तैयारी की है। इस संबंध में कार्य प्रणाली को मूल रूप देने के लिए एक निजी एजेंसी को प्राधिकरण ने जिम्मेदारी सौंपी है। इसे लेकर डीडीए अधिकारियों की एजेंसी के साथ बैठकों का दौर भी जारी है। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि जहां झुग्गी वहीं मकान योजना के तहत दिल्ली की कुल 19 झुग्गी क्लस्टर में 26 हजार से अधिक फ्लैटों का निर्माण करेंगे। यह सभी दो कमरों के ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट होंगे। इससे दो लाख लोगों को पक्के मकान मिलेंगे। इसमें लोगों को विभिन्न सुविधाएं देने के लिए बुनियादी ढांचे का आंकलन भी किया है। 26 हजार फ्लैटों का निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में पूरा करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि झुग्गी बस्तियों में निर्मित होने वाले प्रत्येक फ्लैट में दो कमरे, एक रसोईघर, एक बाथरूम, एक शौचालय और एक बालकनी शामिल है। कई टावर बनाएं जाएंगे, जिसमें लोगों के लिए एक खुला मनोरंजन स्थान भी विकसित करेंगे। फ्लैटों के परिसर एक संपूर्ण सोसाइटी के ढांचे में तैयार होगा। इसमें सामुदायिक हॉल, दुकानें, आंगनवाड़ी कक्षाएं, डॉक्टर क्लिनिक और बच्चों के डेकेयर सेंटर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

एमएनसी वाली पत्नी और बेरोजगार पति; नोएडा में तानों से तंग आकर काट दिया गला

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-15 में पत्नी का गला काटकर और हथौड़े से कूचकर हत्या करने वाले नूरउल्ला ने अब नया दावा किया है। उसने पुलिस पूछताछ में बताया कि पत्नी के तानों से तंग आकर उसने ऐसा कदम उठाया। इसके अलावा उसे अपनी पत्नी पर शक भी था। नोएडा फेज-1 पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया। वहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पूछताछ में आरोपी पति नूरउल्ला हैदर ने बताया कि वह बीते 10 साल से बेरोजगार है। पत्नी आसमां मल्टीनेशनल कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर थी। आसमां हमेशा उससे दुर्व्यवहार करती थी। वह अक्सर उस पर ताने मारती थी। पत्नी की बेइज्जती उसे अंदर से खोखला किए जा रही थी। उनके बीच शुक्रवार को जब लड़ाई हुई तो आरोपी ने सोचा कि रोज-रोज की कलह से अच्छा है कि पत्नी को मार कर खत्म कर दिया जाए। तीन मंजिला मकान की पहली मंजिल पर जब आसमां सो रही थी, तभी नूरउल्ला वहां पहुंचा और किचन से चाकू उठाकर पत्नी की गर्दन काट दी। आरोपी ने खून निकलने पर कमरे में रखी हथौड़ी से पत्नी के माथे और सिर पर कई वार किए। वह पत्नी पर तब तक वार करता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। पत्नी को मारने के बाद आरोपी सेक्टर-20 थाने पहुंचा और पुलिसकर्मियों से कहा कि उसे गिरफ्तार कर लिया जाए, क्योंकि उसने अपने पत्नी की हत्या कर दी है।

मुगलों को याद करने के दिन बीते, अब दिल्ली के लाल किले में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

नईदिल्ली, एजेंसी।
भारत में अब मुगल बादशाहों बाबर, अकबर और औरंगजेब के दिन अब बीत चुके हैं। अब भगवान राम, विक्रमादित्य और छत्रपति शिवाजी की शौर्य गाथा को याद करने का युग आ रहा है। यह बदलाव भारत के इतिहास को सही रूप देने का प्रयास है। फिल्मों में भी भगवान राम से लेकर मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज तक महान राजाओं को दिखाया जा रहा है। इसी क्रम में एक अन्य महान सम्राट विक्रमादित्य की विरासत अब एक नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से जल्द हमारे सामने आने वाली है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बताया कि राजधानी दिल्ली के लाल किले में 12 से 14 अप्रैल तक महान सम्राट विक्रमादित्य के व्यक्तित्व एवं शौर्य को उजागर करने वाले तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य आयोजित किया जाएगा। सीएम ने कहा कि इसका मकसद अतीत के गौरवशाली इतिहास को जन सामान्य के सामने लाना और 2 हजार वर्ष पहले सम्राट विक्रमादित्य द्वारा सुशासन के सिद्धांतों पर स्थापित शासन संचालन व्यवस्था और उनकी कीर्ति से रूबरू कराना है। सीएम यादव ने शनिवार को दिल्ली में संवाददाताओं से बात करते हुए बताया कि उज्जयिनी के सार्वभौम सम्राट विक्रमादित्य युग परिवर्तन और नवजागरण की महत्वपूर्ण धुरी रहे हैं। उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम सम्वत् हमारी एक अत्यंत मूल्यवान धरोहर है। उन्होंने कहा कि विक्रम सम्वत् हिंदू समाज का महज एक पर्व या नव वर्ष भर नहीं है। विक्रम सम्वत् तथा सम्राट विक्रमादित्य भारत के गौरव को, मनोबल को और राष्ट्र की चेतना को जागृत करने का एक सर्वोत्तम अवसर है। इसी क्रम में सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, न्याय प्रियता, दानशीलता, पराक्रम आदि को उजागर करने वाला तीन दिवसीय विक्रमोत्सव राजधानी में आयोजित कया जा रहा है। विक्रमादित्य शोध पीठ, मध्य प्रदेश सरकार की ओर आयेजित विक्रमोत्सव के दौरान नाटक, प्रदर्शनी और अन्य कार्यक्रमों के जरिये सम्राट विक्रमादित्य का जीवनवृत्त परिलक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि करीब 2100 वर्ष पहले विक्रमादित्य का काल शौर्य, न्याय, साहित्य, धर्म कला, संस्कृति, ज्ञान, विज्ञान, उद्योग, व्यापार, आदि के बल और प्रताप की चमक से विश्व को चमत्कृत करने का समय था। यह वह समय था जब दुनिया के कई भागों में भारत की संस्कृति और धर्म की सुगंधि विस्तारित थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के विराट व्यक्तित्व को सबके सामने लाने के लिए महानाट्य की कल्पना की गई है। उन्होंने कहा कि जब इसका मंचन दिल्ली में 12, 13 और 14 अप्रैल को लाल किले पर होगा तो इसमें हाथी, घो?ों, पालकी के साथ 250 से ज्यादा कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे। महानाट्य में शामिल कलाकार निजी जीवन में अलग-अलग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स हैं। महानाट्य में वीर रस समेत सभी रस देखने को मिलेंगे। महानाट्य का मंचन गौरवशाली इतिहास को विश्व के सामने लाने का मध्यप्रदेश सरकार का एक अभिनव प्रयास है। इस कालजयी रचना को सबके सामने रखने में दिल्ली सरकार का भी सहयोग मिल रहा है। इससे पहले हैदराबाद में भी विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विरासत से विकास ओर' नारे से प्रेरणा लेकर ऐसे ही आयोजन अन्य राज्यों की राजधानी में भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. यादव ने व्याख्यान माला में उपस्थित सभी श्रोताओं को आगामी 12 से 14 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित होने वाले सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन के लिए आमंत्रित किया।

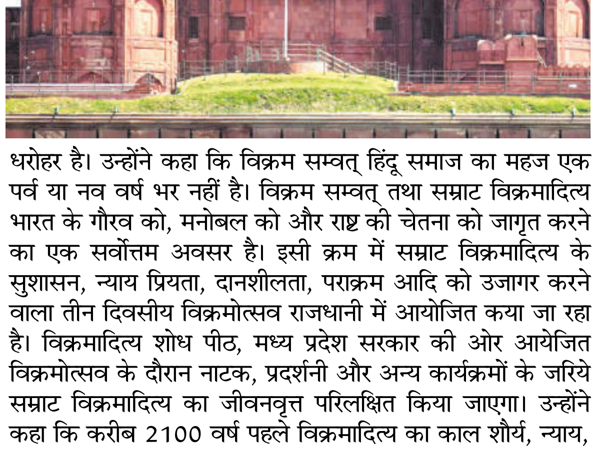

पति को भाभी संग; ग्रेटर नोएडा में महिला व 2 बच्चों की सुसाइड स्टोरी में आया अवैध संबंध वाला मोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पुराना हैबतपुर में शुक्रवार को महिला द्वारा अपने दो बच्चों के साथ खुदकुशी करने के मामले में नया मोड़ आ गया है। महिला के भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन अपने पति और जेठानी की प्रताड़ना से तंग आ चुकी थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के भाई ने देवर-भाभी के बीच अवैध संबंध होने का आरोप लगाया है। मूलरूप से लखनऊ के रहने वाले दिलीप कुमार ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन आरती की शादी वर्ष 2012 में रायबरेली के रहने वाले राजकुमार के साथ की थी। राजकुमार पिछले काफी दिन से अपने भाई राजा राम और भाभी सावित्री के साथ पुराना हैबतपुर स्थित जगदंबा एंक्लेव कॉलोनी में रहता है। आरोप है कि आरती ने उन्हें बताया था कि उसके पति राजकुमार के अपनी भाभी सावित्री से अवैध संबंध हैं। इस बात की जानकारी होने पर मायके पक्ष के लोगों ने दोनों को काफी समझाया, लेकिन वह अपनी हरकत से बाज नहीं आए। दिलीप कुमार ने बताया कि गुरुवार को आरती ने अपने पति को उसकी भाभी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। आरती ने इसका विरोध किया तो इस बात को लेकर दोनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। आरती ने दोनों की प्रताड़ना से तंग आकर अपनी बेटी सोहनी और बेटे रोहन के साथ फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मृतका के भाई की शिकायत पर आरोपी पति और जेठानी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी राजकुमार और सावित्री को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेशः रामनवमी के ऐतिहासिक शोभायात्रा में उमड़ा जन सैलाब हो जाएंगे आप भी हैरान

आनंद कुमार (यूपी)

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में रामनवमी पर्व के अवसर पर रविवार को दोपहर बाद तहसील मुख्यालय सहित हर गली, हर मोड़ व सड़कों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बजरंगी झंडा एवं भगवा वेषधारी श्रद्धालुओं से पूरा सोनभद्र जनपद पटा रहा। जनपद केदुद्धी तहसील मुख्यालय पर युद्ध कलाओं के प्रदर्शन व मां काली, मां दुर्गा एवं श्रीरामलला के प्रतिमाओं के साथ निकली शोभा यात्रा के दौरान यहां के आवो हवा में जय बजरंगी-जय हनुमान व हरि बोल के गगनभेदी नारे गूंजते रहे. जय बजरंग केंद्रीय अखाड़ा समिति के तत्वाधान में तहसील मुख्यालय के रामनगर, वार्ड नंबर दो, कलकली बहरा, श्री पंचदेव मंदिर, मल्देवा, धनौरा, खजुरी, जाबर, डुमरडीहा, टेढ़ा, निमियाडीह, अमवार, दिघुल, पिपराही, रजखड़, बीडर, दुम्हान, महुली आदि गांवों से करीब चालीस से अधिक अखाड़ों के हजारों कलाबाज विशाल बजरंगी झंडे के साथ दुद्धी के रामलीला मैदान में एकत्र हुए.यहां से हिंदू आस्था का जनसैलाब जेबीएस की अगुवाई में लाठी, डंडा, समेत अन्य प्राचीन युद्ध के अस्त्र शस्त्रों के साथ जब सड़क पर उतरा तो लोग इस नजारे को देखने के लिए शोभा यात्रा मार्ग के दोनों ओर भारी संख्या में लोग खड़े होकर इसमें शामिल लोगो का अभिनन्दन करते नजर आये। शोभायात्रा में सबसे पहले बाइक सवार युवा शक्ति के लोग आगे

चल रहे थे।

उसके पीछे दुगार्वाहिनी का रेला चल रहा था। रानी लक्ष्मी बाई समेत अन्य वीरांगना का रूपधरी स्कूटी सवार दुर्गा वाहिनी की करीब सैकड़ों से अधिक किशोरियां सिर पर पगड़ी और भगवा वेश में आकर्षण की केंद्र बनी रहीं. जेबीएस की सचल नियंत्रक यान पर सवार नियंत्रक ध्वनी विस्तारक यंत्र के माध्यम से लोगों को नियंत्रित करते हुए समूचे तहसील मुख्यालय पर आस्था के संगम में चार चाँद लगा रहे थे। बजरंगी झंडे के साथ विभिन्न अखाड़ों के लोगो के साथ भव्य रथ पर सवार मां काली, मां दुर्गा व पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी की प्रतिमाएं चल रही थी। वहीं नगर के पंचदेव दुर्गा पूजा समिति, विकास क्लब दुर्गा पूजा समिति, मां काली दुर्गा पूजा समिति समेत अन्य धार्मिक संस्थाओं के लोग शोभा यात्रा में शामिल लोगों पर पुष्प वर्षा करने की जिम्मेदारी निभा रहे थे. कस्बे के विभिन्न सड़को से होते हुए पत्ता गोदाम तक गई। वापस लोगों का हुजूम मुख्य समारोह स्थल श्री संकट मोचन मंदिर चौक पहुंचा और अखाड़ा का रूप लेकर युध्द कलाओं के प्रदर्शन में जुट गया. यहां क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ों से आये सैकड़ो कलाकारों ने अदभुत युध्द कलाओं का प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया।इस दौरान पूरे नगर में शोभायात्रा रुट पर जगह जगह युवा शक्ति अग्रहरि समाज,जायसवाल समाज,केशरी समाज समेत कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा हलवा,खीर,जूस आदि जलपान की व्यवस्था की गई थी.जुलूस का नेतृत्व जेबीएस अध्यक्ष पंकज जायसवाल,सचिव दीपक शाह एवं उनकी पूरी टीम करती रही। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन,जेबीएस संरक्षक रामलोचन तिवारी,कन्हैया अग्रहरि, श्रवण सिंह गोंड़ , सुरेन्द्र गुप्ता,रामलीला कमेटी अध्यक्ष जितेन्द्र श्रीवास्तव, नंदलाल एड,रामेश्वर राय, दिनेश अग्रहरि, राजकुमार अग्रहरि, राकेश श्रीवास्तव, कमल कानू,दिलीप पांडेय, सुमित सोनी, संजू तिवारी, रामपाल जौहरी, सुरेंद्र अग्रहरि, आलोक अग्रहरि, सुनील जायसवाल, डॉ विनय, चेतन श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता, पीयूष अग्रहरि, चंदन समेत सैकड़ो गणमान्य कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे रहे। ऐतिहासिक रामनवमी जुलूस के मद्देनजर जनपद सहित दुद्धि नगर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे. एएसपी त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, एसडीएम निखिल यादव, सीओ प्रदीप सिंह चन्देल,कोतवाल मनोज कुमार सिंह, कस्बा चौकी इंचार्ज , विंढमगंज, म्योरपुर, बीजपुर, बभनी, हाथीनाला के थानाध्यक्ष सहित भारी पुलिस व पीएसी फोर्स के साथ डटे रहे।

उत्तर प्रदेशः रामनवमी के दिन खेत में मिली हनुमान जी की मूर्ति बड़ी संख्या में लोग करने लगे पूजा पाठ

राजू

उत्तर प्रदेशः ग्रामीणों का कहना है कि रामनवमी के दिन खेत में हनुमान जी की मूर्ति मिलना शुभ संकेत है। लोगों ने मूर्ति वाले स्थल पर हनुमान मंदिर बनने की बात कही। बरेली जिले से एक मामला सामने आया है जहां खेत पर काम कर रहे किस ने जैसे ही फावड़ा चलाया, तो खेत के अंदर भगवान हनुमान जी की मूर्ति दिखाई दी। इसके बाद बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मिट्टी को हटाया तो खेत के अंदर से हनुमान जी की मूर्ति दिखाई दी। इसके बाद मौके पर ग्रामीण पूजा-पाठ करने लगे। ग्रामीणों का कहना है कि रामनवमी के दिन खेत में हनुमान जी की मूर्ति मिलना शुभ संकेत है। लोगों ने मूर्ति वाले स्थल पर हनुमान मंदिर बनने की बात कही। रूपापुर गांव निवासी गौतम सिंह अपने खेत पर काम कर रहे थे। जैसे ही उन्होंने खेत पर फावड़ा चलाया, तो अंदर से कठोर वस्तु की आवाज हुई। पहले तो किसान को लगा कि कोई पत्थर पर फावड़ा लगा होगा,

जिससे आवाज हुई, पर जब उसने मिट्टी को हटाया, तो उसने देखा कि खेत के अंदर कोई मूर्ति है। जब ग्रामीणों ने मिट्टी को हटाया, तो देखा कि खेत के अंदर एक बड़ी सी हनुमान जी की मूर्ति दिखाई दी। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और हनुमान की मूर्ति को बाहर निकालने लगे। कुछ ही देर बाद ग्रामीण वहां पूजा-अर्चना करने लगे। महिलाएं भजन करने लगीं, तो युवा कीर्तन करने लगे। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि खेत में हनुमान की मूर्ति मिलना एक शुभ संकेत है। आज रामनवमी है, और आज के दिन राम भक्त हनुमान की मूर्ति मिलना गांव के लिए शुभ संकेत है। लोगों ने कहा कि हनुमान मंदिर बनाया जाएगा। जैसे ही खेत में हनुमान की मूर्ति निकली, उसके बाद गांव सहित आसपास के लोग मूर्ति पर चढ़ावा चढ़ाने लगे और पूजा-पाठ करने लगे। पूरा गांव भक्ति भाव में हो गया। हर तरफ जय श्री राम और जय हनुमान के नारे लगने लगे। मंदिर बनाने के लिए लोग चढ़ावा भी देने लगे। ग्रामीणों ने कहा कि मूर्ति प्रकट होने वाली जगह पर मंदिर का निर्माण कराया जाएगा।

वक्फ धार्मिक मामला, सरकारी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं: दारुल उलूम

सहारनपुर, एजेंसी। संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पास होने पर इस्लामिक जगत में अहम स्थान रखने वाले मदरसा दारुल उलूम ने भी कड़ी प्रतिक्रया व्यक्त की है। देवबंद दारुल उलूम के मोहतमिम (कुलपति) मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी ने कहा है कि यह मुस्लिम समुदाय के साथ एक धोखा है। वक्फ वक्फ मुसलमानों का धार्मिक मामला है, जिसमें सरकारी हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जा सकता। देवबंद में शुक्रवार की देर रात को पत्रकारों से बात करते हुए मोहतमिम ने कहा कि इस तरह के मामलों को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

२ यह एक तरह से मुस्लिमों के साथ बड़ा धोखा है। इससे पहले जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने विधेयक पास होने पर धर्मनिरपेक्ष पार्टियों की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। यह विधेयक संविधान पर सीधा हमला है। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के दूसरे गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने भी विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। सरकार संख्या बल पर इसे पारित कराने में सफल रही है। वक्फ जायदादों को कब्जाने के लिए बनाए गए इस कानून पर कोर्ट रोक लगाएगा। उन्होंने अदालतों को अल्पसंख्यकों की आखिरी उम्मीद बताया।

उत्तर प्रदेशः दिल्ली हाईवे पर टाइल्स से भरा ट्रक ई-रिक्शा पलटने से एक व्यक्ति की हुई मौत, तीन लोग घायल

राजू

उत्तर प्रदेशः कस्बा फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में दिल्ली हाईवे रोड पर टाइल्स भरा ट्रक अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पर पलट गया, जिसके नीचे दबकर ई-रिक्शा सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर लगभग तीन बजे फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के गांव पट्टी के समीप दिल्ली हाईवे रोड पर टाइल्स से भरा ट्रक बरेली की तरफ जा रहा था तभी अचानक ई रिक्शा सामने आ गया जिसे बचाने की कोशिश में ट्रक अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा पर पलट गया। इससे ई-रिक्शा सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर घायल हो गए मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद हाईवे पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार चतुवेर्दी ने बताया कि नेशनल हाईवे रोड पर टाइल्स से भरा ट्रक, ई रिक्शा के ऊपर पलटने से चार व्यक्ति टाइल्स के नीचे दब गए थे थाना पुलिस और राहगीरों की मदद से टाइल्स हटवाकर चारों लोगों को बाहर निकाला। इनमें से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। तीन घायलों को गंभीर अवस्था में अस्पताल भिजवाया गया है। मृतक समेत घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया है। पुलिस ने ट्रक एवं चकनाचूर हुए ई रिक्शा और टाइल्स हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

उत्तर प्रदेशः जनपद मीरजापुर छानबे क्षेत्र में राम नवमी पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः जनपद मीरजापुर जनपद के छानबे क्षेत्र के बाबा बदेवरा नाथ मंदिर से श्री राम के जयंती अवसर पर रविवार को रामनवमी पर शोभा यात्रा शुभारंभ बाबा बदेवरा नाथ मंदिर से गाजे बाजे के साथ शुभारम्भ किया गया। शुभारंभ में पहुंची छानबे विधायक रिकी कोल अपना दल के मीरजापुर जिला अध्यक्ष राम लोटन बिंन्द ने शोभा यात्रा की अगुवाई की। इस दौरान सैकड़ों श्रदालुओं शोभायात्रा में बाइक तथा चार पहिया वाहन से जय श्री राम के जयकारा के साथ सामिल होकर जयकारा लगाते हुए विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल द्वारा शोभायात्रा समिति प्रखण्ड छानबे द्वारा निकाला गया जिसमें राजेन्द्र पाठक? ,छानबे विधायक रिंकी कोल, की अगुवाई में दोपहर तीन बजे से निकाला गया।

यह शोभायात्रा बाब बदेवरा नाथ मंदिर से प्रारम्भ होकर नरोईया,

जिगना, विहसडा, महोखर,कटरा से होते हुए धौरहरा, विजयपुर पुरानी बाजार से निकल कर राजा विजयपुर फाटक से मुख्य बाजार में आये इसमें जगह-जगह लोग जलपान की व्यवस्था रखी विजयपुर में सुनिल अग्रहरि तथा अशोक अग्रहरि के सौजन्य से शोभायात्रा में शामिल लोगों को जलपान कराया गया और राजन चौब के द्वारा भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, तथा हनुमान जी की पुजा आरती किया गया` वहाँ से शोभायात्रा निकल कर गाजीपुर में आया और गाजीपुर मे ग्राम प्रधान शिव लखन बिंद द्वारा भी जलपान कराया गया और भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान जी की पुजा तथा आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया` फिर गैपुरा चौराहे पर भी शिवजी दुबे, उधव दुबे, कमलेश दुबे आदि के जलपान कराया गया और आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया` फिर शोभायात्रा गैपुरा चौराहे से निकल कर गोडसर सरपति मे शिव मंदिर पर शोभायात्रा का समापन किया गया` इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे जिसमें संतोष पाठक मण्डल अध्यक्ष गैपुरा भाजपा, कमलेश दूबे, शिवजी दूबे, उधव दुबे, सीताराम प्रजापति, विके मिश्रा, पंकज पांडेय, तेज प्रताप सिंह, सुरेन्द्र सिंह, ओपी बिंन्द, संगमलाल पांडेय, हरसु प्रसाद दुबे, पुष्पेन्द्र सिंह, कल्यान जी, रोहित मिश्रा, विभु चौबे, शिवम अग्रहरि, राम लौटन? बिंन्द, आदि लोग शोभायात्रा में शामिल हुए` सुरक्षा के लिए जिगना थाना प्रभारी अभय सिंह गैपुरा चौकी इंचार्ज आनंद शंकर सिंह, विंध्यांचल थाना प्रभारी अमीत कुमार प्रजापति, सीओ लालगंज अमर बहादुर सिंह तथा भारी संख्या में पुलिस रही मौजूद।

उत्तर प्रदेशः रामनवमी के दिन उमड़ा भक्तो का मेला, जुलुस में दिखाई दी आदिवासी परम्परा

आनंद कुमार (यूपी)

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन रविवार को प्रातः से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का रेला दर्शन पूजन के लिए उमड़ पड़ा. लोगों ने दर्शन पूजन कर घर परिवार की सुख शांति के लिए पूजन अर्चन किया। जिले की कई क्षेत्र में आदिवासियों की आस्था गांवों से निकलकर बाजारों में पहुंची जईया जुलूस में शामिल भक्तों के कारनामें देख लोग हतप्रभ रह गये.देवी की सवारी वाले भक्तों द्वारा गल्फर एवं जिह्वा में लोहे की त्रिशूल आरपार कर किये जा रहे प्रदर्शन एवं लोहे के भारी भरकम जंजीरों से अपने ऊपर किये जा रहे लगातार प्रहार को देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गये। दुद्धी तहसील क्षेत्र के पड़ोसी गांव बीड़र,रजखड़,धनौरा, मल्देवा, जाबर, खजुरी आदि स्थानों से क्रम दर्जनों की संख्या में पहुंचने वाले जुलूस को देखने के लिए सड़कों पर लोगों की हुजूम इकट्ठी रही। नगर की ऐतिहासिक शक्ति पीठ मां काली मंदिर, शिव मंदिर, हनुमान जी मंदिर समेत विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन के दौरान देवी सवार युवक एवं युवतियों द्वारा अपने शरीर पर यातना के हैरतअंगेज प्रदर्शन किये जा रहे थे। जिसे देख लोग हतप्रभ रहे और दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ में शामिल श्रद्धालुओं द्वारा देवी सवार भक्तों के पैर छूकर आशीर्वाद लेने का क्रम जारी रहा।बतादें कि चैत्र नवरात्र में गांवों में नौ दिनों तक चलने वाले अनुष्ठान के अंतिम दिन नवमी को निकलने वाली जईया जुलूस का बड़ा ही महत्व होता है.इस अनुष्ठान में शामिल भक्त मां की अलौकिक शक्ति से प्रेरित होते हैं.अनुष्ठान स्थल पर पारम्परिक रूप से ग्रामीण बैगा मंत्रोच्चार के साथ एक ही झटके में देवी सवार श्रद्धालु के गाल और जिह्वा को भेदते हुए, लोहे की नुकीली त्रिशूल स्थापित कर देता है और पूणार्हुति पर मां का प्रसाद रूपी सिंदूर लगाकर सारे कष्टों का निवारण कर देते हैं. अनुष्ठान के बाद भक्तों के जिह्वा व गाल के घाव भी बिना दवा इलाज के ही सिंदूर से छू मंतर हो जाते हैं.आस्था के इस महासागर में ग्रामीण आदिवासी लोग पारंपरिक रूप से डुबकी लगाते रहते हैं।

यूपी से तीन साल में खत्म कर देंगे गरीबी, प्रदेश को बनाएंगे नंबर वन : सीएम योगी

महाराजगंज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर महाराजगंज पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रोहिन बैराज के लोकार्पण सहित 654 करोड़ रुपए की 629 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने संकल्प लिया कि अगले 3 साल में यूपी से गरीबी खत्म कर इसे देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हाल ही में देश की संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम पारित किया गया है, जिससे वक्फ के नाम पर जमीनों की लूट खसोट और अवैध कब्जे पर रोक लगेगी। अब कोई चौराहों की जमीनों पर कब्जा नहीं कर सकेगा। सरकारी संपत्ति का उपयोग विद्यालय, चिकित्सालय, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, बैराज और आवास निर्माण जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में होगा।

सीएम योगी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर नाजायज तरीके से

कब्जाई गई थी, जिससे गरीबों का कल्याण नहीं हो रहा था। अब इस मनमानेपन पर लगाम लगेगी।

मुख्यमंत्री ने वासंती नवरात्रि की अष्टमी के अवसर पर मां बनैलिया देवी को नमन करते हुए कहा कि उन्हें नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में रोहिन नदी पर बैराज के लोकार्पण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस बैराज से 16 हजार अन्नदाता किसानों और 54 सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा। यह बैराज मां बनैलिया देवी के नाम से जाना जाएगा। रोहिन नदी का पानी मीठा है और यह नेपाल से गोरखपुर तक बहती है। इस बैराज से किसानों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। 25 साल से इसकी मांग थी, लेकिन पहले की सरकारें अपने परिवार की जेब भरने और जमीन की लूट में व्यस्त थीं। अब यह बैराज बाढ़ से बचाव और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराएगा। इसके आसपास वाटर बॉडी, पर्यटन, नौकायन और रेस्टोरेंट बनने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

सीएम योगी ने बताया कि पिछले 8 साल में उत्तर प्रदेश ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। 2017 में यूपी देश में सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था, आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुसहर, वनटांगिया और थारू जैसी जनजातियों के गांवों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर और महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि यह विकास और विरासत का अनूठा समन्वय है।

उन्होंने सरयू नहर परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि 1972 में बनी परियोजना को पूरा होने में 49 साल लग गए, वो भी तब पूरा हुआ, जब भाजपा की सरकार आई। प्रदेश में फोरलेन सड़कों का जाल बिछ गया है। गोरखपुर-नौतनवा-सोनौली मार्ग और फरेंदा-नौतनवा मार्ग फोरलेन बन रहे हैं। गांवों के 3 मीटर के रास्ते अब 7 से 10 मीटर चौड़े हो रहे हैं। सिंचाई के क्षेत्र में अर्जुन सहायक, बाणसागर और सरयू नहर परियोजनाओं से लाखों हेक्टेयर भूमि को लाभ मिला है। पिछले 8 साल में प्रदेश में 23 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा और 14 लाख किसानों को मुफ्त ट्यूबवेल कनेक्शन दिए गए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय और हर विकासखंड में 'मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय' बनाए जा रहे हैं। पहले की सरकारों में 'एक जनपद, एक माफिया' का दौर था, अब 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' दिया जा रहा है। 2017 से पहले त्योहारों पर डर का माहौल रहता था, लेकिन अब दंगाइयों ने दंगा करना छोड़ दिया। एक ओर किसानों का विकास, नौजवानों को रोजगार, बेटी को सुरक्षा और स्वावलंबी बनाने का कार्य हो रहा है तो वहीं इंसेफेलाइटिस, डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां नियंत्रित हो गई हैं। मधवलिया में गोशाला और डेयरी उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। महाराजगंज में केंद्रीय विद्यालय और स्पोर्ट्स स्टेडियम का शुभारंभ भी जल्द होगा।

जम्मू कश्मीरः सोने की दुकान में डकैती मामले में भयावह मोड़, सबूतों को छिपाने के लिए लुटेरों की हत्या

राजेश कुमार (जेके)

जम्मू कश्मीरः ग्रेटर कैलाश में सोने की दुकान में डकैती की चल रही जांच के विस्तार के रूप में, जम्मू पुलिस ने एक चौंकाने वाला मोड़ उजागर किया है - अपराध को छिपाने के लिए एक युवक की निर्मम हत्या। 05/04/2025 को, अशोक कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री पूरन दास ने अपने बेटे हर्ष देव शर्मा (24 वर्ष) के बारे में पुलिस स्टेशन सतवारी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जो 2-3 दिन पहले घर से निकला था और परिवार के लगातार प्रयासों के बावजूद उसका पता नहीं चल पाया था। अशोक और हर्ष के भाई ने तकनीकी विश्लेषण के लिए हर्ष का संपर्क नंबर साझा किया। जांच के दौरान, सीडीआर और आईपीडीआर विश्लेषण से पता चला कि हर्ष देव और राहुल, तुषार, भारत भूषण (पीएस गंग्याल के केस एफआईआर नंबर 19/2025 में सभी आरोपी) के बीच एक अंतर-संचार था। भारत भूषण (22 वर्ष) पुत्र नैन सुख निवासी लोअर कनाल, बिश्नाह को हिरासत में लेकर लगातार पूछताछ की गई, जिसके दौरान उसने चौंकाने वाला कबूलनामा किया। उसने खुलासा किया कि हर्ष देव शर्मा, डकैती के मुख्य आरोपियों में से एक सुनील शर्मा का करीबी दोस्त था और डकैती के दिन, सुनील ने अनजाने में हर्ष को लूट की योजना के बारे में बता दिया था। इसके बाद 10 फरवरी को, पुलिस के संपर्क से बचने के लिए राहुल शर्मा ने जानबूझकर सुनील को कठुआ में नशा मुक्ति केंद्र भेज दिया, जिससे हर्ष का उससे सीधा संपर्क टूट गया। सुनील से संपर्क टूटने के बाद, हर्ष ने राहुल शर्मा से संपर्क करना शुरू कर दिया, डकैती में सुनील का हिस्सा मांगना और डकैती का पदार्फाश करने की धमकी देना। उसके लगातार दबाव ने साजिशकताओं में दहशत पैदा कर दी। इस डर से कि कहीं हर्ष पुलिस को खबर न कर दे और उनके भागने की योजना को विफल न कर दे, मुख्य आरोपी राहुल शर्मा (एडवोकेट) पुत्र शशि शर्मा निवासी लोअर कनाल, ग्रामीण बैंक, बिश्नाह, तुषार कुमार (22 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय सेवा राम निवासी लोअर कैनाल, बिश्नाह और भारत भूषण ने मिलकर हत्या की साजिश रची। राहुल का जन्मदिन मनाने के बहाने तीनों हर्ष को अपने साथ सुरिंसर-मानसर इलाके में ले गए, जहां उन्होंने हर्ष को शराब पिलाई। मौके का फायदा उठाकर सभी आरोपियों (राहुल, तुषार, भारत भूषण) ने हर्ष की हत्या कर दी और लौटते समय, सभी सबूत मिटाने के प्रयास में उसके शव को सुरिंदर इलाके से करीब 8 किलोमीटर दूर एक सुनसान जगह पर दफना दिया।

हर्ष की गुमशुदगी की रिपोर्ट को थाना सतवारी में धारा 103/301/3(5) बीएनएस के तहत एफआईआर नंबर 68 में बदल दिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने ईएमआईसी और फोरेंसिक टीम के साथ मिलकर कार्रवाई शुरू कर दी है। एसएसपी जम्मू के साथ साउथ जोन के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में मामले की बारीकी से निगरानी की जा रही है। यह चौंकाने वाला घटनाक्रम अपराध की गहराई और अपने हितों की रक्षा के लिए आरोपियों द्वारा की गई हरकतों को उजागर करता है। जम्मू पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस साजिश की हर परत उजागर हो और हर अपराधी को न्याय के कटघरे में लाया जाए।

मध्य प्रदेशः अम्बेडकर जी की 134 वी जयंती के पावन उपलक्ष्य में 10 दिवसीय भीम जयंती महोत्सव की विधिवत शुरूआत की गई

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः भारतीय बौद्धों की मातृ संस्था भारतीय बौद्ध महासभा और समता सैनिक दल जिला शाखा इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय संविधान निमार्ता महामानव बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की 134वीं जयंती के पावन उपलक्ष्य में 10 दिवसीय भीम जयंती महोत्सव की विधिवत शुरूआत की गई। जिला अध्यक्ष शुभम रायपुरे और मीडिया प्रभारी रोहित सरदार ने बताया कि 04 अप्रैल से 14 अप्रैल तक डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर जयंती महोत्सव को जयंती डॉ. आंबेडकर के विचारों के रूप में जिलेभर में धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाने की शुरूआत की गई। इन्होंने आगे बताया कि पहले दिन धम्म महिला उपासिका शिविर से महोत्सव की शुरूआत की गई, जिसमें केंद्रीय कार्यालय मुंबई से 4 केंद्रीय शिक्षिका आद. सुषमा ताई कस्बे, वैशाली ताई बोखारे, अविंदा ताई वाघमारे एवं छाया ताई गवई शहर के पंचशील नगर, जनसेवा नगर, बुद्ध नगर एवं ऋषि पैलेस सहित विभिन्न वार्डों में 10 दिनों तक अंबेडकरी मिशन और धम्म की जानकारी देंगे। महोत्सव के दूसरे दिन 84 हजार स्तूपों, चैत्यों और विहारों का निर्माण कर सनातन धम्म को अखंड भारत में राजकीय धम्म के रूप में स्थापित करने वाले महान चक्रवर्ती सम्राट अशोक की 2328वीं जयंती उत्सव में सैकड़ों बच्चों, युवाओं और युवतियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर मेमोरियल सोसायटी भीम जन्मभूमि स्मारक महू के अध्यक्ष पूजनीय भंते प्रज्ञाशील जी ने अपना आशीष दिया। मुख्य रूप से उपाध्यक्ष विशाल सूर्यभान इंगले, महासचिव संतोष सपकाड़, राहुल इंगले, वार्ड अध्यक्ष प्रवीण सुरड़कर, शुभम सपकाड़, रिटायर्ड शासकीय अधिकारी अशोक निवारे जी, पुरुषोत्तम जी, राजेश इंगले, आनंद शेगोकार, अमर चितावले, दीपक सुरड़कर, अनिकेत इंगले जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समरथ मोरे ने किया। इस अवसर पर प्रदेश शाखा, जिला शाखा एवं वार्ड शाखा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण एवं समता सैनिक दल के सैनिक भी उपस्थित रहे। भीम टाईगर ग्रुप, इंदौर ने उपस्थित सभी अनुयायियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की।

महाराष्ट्र : कोल्हापुर नगर निगम का बजट सपनो की मीनार हकीकत से दूर

उदयकुमार जयसिंह वडमकर

महाराष्ट्राः कोल्हापुर नगर निगम ने 2025-2026 के लिए 1334.76 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसमें 707.64 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य को रखा गया था। लेकिन पिछले अनुभवों को देखते हुए, नगर निगम की वसूली उम्मीदों पर खरा नहीं उतरी है। आवास, जल आपूर्ति, संपदा, और लाइसेंस विभागों की वसूली लक्ष्य को 80% भी हासिल नहीं किया जा सका, जिससे केवल 481 करोड़ रुपये ही एकत्र हुए। नगर निगम ने पिछले दो वर्षों से नए राजस्व स्त्रोतों को तलाशने के लिए पुनरीक्षण सर्वेक्षण शुरू किया था, लेकिन सर्वेक्षण की प्रक्रिया बहुत धीमी रही, जिसके कारण राजस्व में कोई बढ़ोतरी नहीं हो पाई। इसके अलावा जलदाय विभाग ने पानी की अत्यधिक पंपिंग के कारण भारी खर्च किया, जबकि जल रिसाव को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। वर्ष 2025 के बजट में कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल की गई थीं, जैसे रंकाला महोत्सव, नगर निगम भवन का निर्माण, प्राथमिक शिक्षा के ढांचे का विकास और सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण, लेकिन अधिकांश योजनाएं केवल कागज पर ही रह गईं। नगर निगम के पास इन योजनाओं को लागू करने के लिए जरूरी धन की कमी है। आम आदमी पार्टी ने इस बजट की आलोचना करते हुए इसे 'सपनों और कल्पनाओं की मीनार' कहा है, जो हकीकत से कोसों दूर है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि इस साल कुछ योजनाओं को लागू किया जाएगा, ताकि नगर निगम की कार्यशैली में सुधार हो सके।

राजस्थानः वूमेन पॉवर सोसायटी राजस्थान ने मानवता हित में मिसाल कायम की

योगिता मीरवाल

राजस्थानः वूमेन पॉवर सोसायटी राजस्थान ने मानवता हित में मिसाल कायम की" सियाराम रसोई फ्री भोजन कैम्प जो कि संपूर्ण राजस्थान में प्रतिवर्ष दस लाख लोगों को फ्री भोजन कैम्प द्वारा लाभान्वित करता है, वहीं, गरीब जरूरतमंद असहाय परिवारों के बच्चों को स्कूल स्टेशनरी, स्कूल ड्रेस, जूते चप्पल भी जगह-जगह पर वितरण कर मानवता सरोकार हेतु समर्पित भाव से समाज हित में जनजागृति हेतु अपनी मिसाल कायम करने में अग्रणी हैं। महिला एवं बाल विकास को समर्पित संस्था में कोई आर्थिक दृष्टि से मजबूत लोगों का सहयोग न होकर आत्मसमर्पित मानवतावादी महिला एवं पुरुष युवक, युवतियां ही जुड़कर एक-दूसरे का सहारा बनते हैं, जो सार्थक परिणाम देता है। वहीं पुण्य और खुशियां मिलती हैं, जिसका आयोजन उदयपुर में प्रदेश अध्यक्ष कन्या शिक्षा सहायता, रेखा शर्मा के नेतृत्व में, विमला राजपूत, दीपमाला सुथार (सक्रिय कार्यकर्ता) के सहयोग से अभी तक अपने सहयोग ऊर्जा द्वारा किया जा रहा है। एवं "ब्यावर के जवाजा ब्लॉक में हेमलता टॉक (प्रदेश संयोजिका) द्वारा श्रीमती कौशल्या देवी के साथ फ्री भोजन कैम्प की शुरूआत की गई, जो अपने आप में मानवता सरोकार का जज्बा दिखाती है, विमेंस में जागरुकता का भाव बढ़ाती है।" वूमेन पॉवर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया परिवार की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री राजकन्या के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजरानी की अनुशंसा से आयोजित किया गया, जिसका मानवीय सरोकार हर्षोल्लास से रामनवमी के शुभ अवसर पर सम्पन्न हुआ। इस पुण्य कार्य में आप सभी सामाजिक हस्तियों से निवेदन है कि खाने-पीने का सामान, पानी, आटा, दाल, मसाले, हरी सब्जियां, घी, तेल, सिलेंडर का खर्चा, जूते चप्पल, कपड़े, साड़ी, कंबल, चादर, शिक्षा सहायता, शिक्षण सामग्री आदि उन जरूरतमंद गरीब, असहाय परिवार के हितों में दान कर पुण्य प्राप्त करें! जिन्हें दान कर आपको भी खुशियां, आत्मा जागृति के साथ मानवता का भाव मिले। आत्मा में कहीं पुण्य की आवाज उठे... आपको दान सहयोग करने हेतु भाव जागे तो आप भी अधिक से अधिक दान/सहयोग कर अपनी इच्छानुसार सहयोग का हिस्सा बने, इस पुण्य कार्य में भागीदार कर सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करें। "ध्यान रखें जीवन अनमोल है।" जब हम इस धरा पर आए थे, तो खाली हाथ आए थे, और जाएंगे तब भी खाली हाथ ही जाना है। "तो फिर क्या सोचना, अच्छे मानवतावादी समाज हितेषी कार्य से शीघ्र जुड़ें! हढरत्र परिवार आपके लिए सदैव आभारी रहेगा, और ऐसे आयोजनों से आपको जोड़ते हुए, राष्ट्रीय सम्मान देते हुए प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। आपका छोटा सा सहयोग किसी की खुशी का जरिया बन सकता है! इस फ्री भोजन कैम्प कार्य (हढरत्र) में जुड़ने पर आपको बधाई स्वरूप सम्मान पत्र भी भेंट किया जाता है, और वर्ष में एक बार राष्ट्रीय कार्यक्रम में आमंत्रित कर राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित भी किया जाता है! हढरत्र का एक ही सपना प्रतिवर्ष दस लाख लोगों को फ्री भोजन कैम्प द्वारा लाभान्वित कर मानवता सरोकार हेतु सामाजिक समरसता की मिसाल कायम कर आमजन में (कन्या जन्म गौरव स्वाभिमान सम्मान), फ्री भोजन कैम्प, कन्या शिक्षा सहायता आदि कार्यों के हितों में जनजागृति हेतु आमजन को गौरवान्वित करने का हढरत्र अवसर प्रदान कर मानवता के हितों में अपना प्रयास कर रहा है।

राजस्थानः राज्य मंत्री ने कहा, धार्मिक स्थलों का विकास करने के साथ शिक्षा व संस्कृति की भी करें बात

मनोज कुमार चोर्डिया

राजस्थानः किसी भी समाज में जन्म लेकर उस समाज के विकास की परंपरा को साकार करने के लिए धार्मिक क्षेत्र के लोग, राजनीतिक क्षेत्र के लोग, सामाजिक क्षेत्र के लोग व सभी वर्गों को साथ लेकर उसके विकास की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प लेते हैं यह बात रविवार को एक दिवसीय दौरे पर नागौर आए गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शहर के श्रीराम कॉलोनी स्थित देवनारायण भगवान मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह देश संस्कृति और विरासत का देश है। यह देश संत महात्माओं की प्रेरणा से चलने वाला देश है। इस देश में वेद पुराणों से पदस्थापित व्यवस्थाएं हमारे धार्मिक ग्रंथो में संत महात्माओं की वाणी द्वारा चलती आ रही है। आज अनुकूल समय है कि देश की संस्कृति का संरक्षण हो, विरासत का भी संरक्षण हो और विरासत का संरक्षण हम सब मिलकर कर पाएंगे तो हमारी आने वाली पीढ़ियां उन संस्कारों को आत्मसात करके हमारे पूर्वजों का नाम रोशन करने के लिए संकल्पबद्ध होगी। उन्होंने मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देवनारायण भगवान ने हजारों वर्ष पूर्व राजस्थान की धरती से किसान उत्थान की बात की। निश्चित रूप से सामाजिक चेतना और सामाजिक विकास यह दोनों पहलू वर्तमान समय में हमें आगे रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास करने से हमें ऊर्जा मिलती है मार्गदर्शन मिलता है लेकिन साथ साथ शिक्षा के प्रचार प्रसार की भी बात करना जरूरी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि नागौर का समाज अग्रणी समाज है, सभी लोग अपने-अपने तरीके से संस्कृति को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के कारण हमारी संस्कृति पर विपरीत असर पड़ा है जिससे परिवार टूटने लगे हैं और परिवार टूटने से हमारी एकता खंडित होने लगी है। उन्होंने कहा कि भगवान देवनारायण मंदिर प्रांगण में सभी को भाईचारा स्थापित करने का संकल्प लेना चाहिए, अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को गले लगाकर आगे बढ़ने का काम करोगे तो निश्चित रूप से हमारे विचार देवनारायण भगवान की सोच को बल देने वाले होंगे। कार्यक्रम के बाद वार्ड पार्षद एडवोकेट गोविंद कड़वा सहित स्थानीय लोगों ने मुख्य सड़क से देवनारायण भगवान मंदिर तक सीसी ब्लॉक व अधूरे पड़े सीवरेज प्लान को पूर्ण करवाने की मांग की। जिस पर राज्य मंत्री ने भाजपा जिला अध्यक्ष रामधन पोटलिया को नगर परिषद के सहयोग से कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने के लिए कहा।

महाराष्ट्रः मालिक के भरोसे का घोटा गला, मालिक की ही तिजोरी पर हाथ साफ कर डाला

उदयकुमार जयसिंह वडमकर

महाराष्ट्राः कोल्हापूर के रुइकर कॉलोनी के रुक्मिणी नगर इलाके में स्थित गुरुनानक सोसायटी संबल कॉस्मेटिक्स गोदाम की तिजोरी से 9 लाख 80 हजार रुपये की चोरी की घटना का पदार्फाश महज 48 घंटे में किया गया। इस चोरी के मामले में संदिग्ध को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके के 27 उउळश कैमरों की जांच की, जिससे एक युवक का चेहरा पहचानने में मदद मिली। पुलिस ने पता लगाया कि आरोपी ने मास्क पहनकर एक दिन के लिए यात्री निवास में ठहरने के बाद कपड़े बदलकर दिल्ली के लिए ट्रेन पकड़ ली थी।

पुलिस की टीम में सहायक निरीक्षक चेतन मसुतगे, शुभम सपकाल, विशाल चौगुले, संदीप बेंद्रे, विजय इंगले, सचिन पाटिल, अमित नर्सरी शामिल थे। इन सभी ने दिल्ली रवाना होकर गाजियाबाद स्थित औद्योगिक वसाहत के एक कारखाने में छापेमारी की। वहां आरोपी से एक बैग बरामद किया, जिसमें 9 लाख 80 हजार रुपये नगद थे। आरोपी को गिरफ्तार कर कोल्हापूर वापस लाया गया और आगे की जांच जारी है। कोल्हापूर पुलिस ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे।

गुजरातः वडोदरा शहर में रामनवमी के पावन पर्व के अवसर पर भगवान श्रीराम की भव्य यात्रा का आयोजन किया गया

कहार सुरेशभाई

गुजरातः आज दिनांक 6 अप्रैल 2025 को गुजरात के वडोदरा शहर में रामनवमी के पावन पर्व के अवसर पर भगवान श्रीराम की भव्य यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा प्रतापनगर से शुरू होकर मांडवी और नए मंदिर होते हुए लाल कोर्ट इलाके में स्थित 300 वर्ष पुराने भगवान श्रीराम के मंदिर पर समाप्त हुई। इस पावन यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भगवान श्रीराम के जयकारों से समूचा वडोदरा शहर गूंज उठा। यात्रा में कई सत्ताधारी नेता और प्रशासन के अधिकारीगण, पुलिस बल एवं सेवा दल के सदस्य भी मौजूद रहे, जिससे आयोजन में अनुशासन और सुरक्षा की उचित व्यवस्था बनी रही। जैसे हर वर्ष रामनवमी के दिन इस यात्रा का भव्य आयोजन होता है, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी यह आयोजन बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

राजस्थानः हरियाढाणा कस्बे में रामनवमी को धूम धाम से मनाया गया

मांगी लाल

राजस्थानः पीपाड़ शहर, बिलाड़ा, बोरुंदा आदि में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव रामनवमी को धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जगह-जगह पर स्वागत द्वार बनाए गए। शोभायात्रा में साधु संतों के सानिध्य में शौर्य को प्रदर्शित करने वाली झांकियां सजा कर निकाली गई। श्रद्धालुओं ने भगवा वस्त्र धारण कर अपनी भागीदारी निभाई ।शोभायात्रा में राम दरबार समेत, अघोरी नृत्य ,शिव तांडव ,मसान धूणी व राजस्थान की प्रसिद्ध गैर नृत्य आदि विशेष आकर्षण के केंद्र रहे। सभी जगह रामनवमी बड़े ही उल्लास ,उत्साह, उमगं एंव धूमधाम से मनाई ग । विभिन्न संस्थाओं एवं कई समाजो व संगठनो की ओर से सनातन धर्म की संस्कृति, साहस, वीरता ,पराक्रम और शौर्य की झांकियां निकाली गई। शोभायात्रा एवं झांकियों को देखने केलिए श्रद्धालुओ एवं लोगों ने जय श्री राम ,जय श्री राम, जय सियाराम, जय सियाराम से हर्षनाद व जय घोष करते हुएआनंद की अनुभूती प्राप्त की। श्रद्धालुओं को जगह-जगह पर ठंडा जल व शरबत पिलाकर तथा पुष्प वर्षा कर स्वागत, सत्कार किया गया।

इस अवसर पर अमृतवाणी का पाठ, भक्ति ,शक्ति व हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ करने के बाद महा आरती का आयोजन रखा गया था।संतो द्वारा भगवान विष्णु के सातवें अवतार का रूप प्रभु श्री रामको बताया । श्री राम का आचरण, त्याग व तपस्या का प्रतीक है। श्री राम के चरित्र से सत्य, दया, करुणा, धर्म और मयार्दा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। इसीलिए राम को मयार्दापुरुषोत्तम के नाम से जाना जाता है।विषम परिस्थितियों में भी किस तरह मानव को अपने जीवन संचालित करना चाहिए ।यह समझने के लिए भगवान राम का चरित्र मार्गदर्शक है। इस अवसर पर पीपाड़ सिटी एवं बोरुंदा गांव में गणगौर एवं ईशर की भव्य यात्रा निकाली गई ।विभिन्न स्थलों पर स्थापित की गई गणगौर एवं ईशर की प्रतिमाओं की गाजे बाजो के साथ में भोलावणी के रूप में शोभायात्रा निकाली गई। पूजन व आरती के पश्चात शोभायात्रा पुनः अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गई।

संपादकीय

टैरिफ छीन लेगा नौकरियां

अमरीका के 'जैसे को तैसा टैरिफ' से भारत की जीडीपी को 0.7 फीसदी का नुकसान हो सकता है। बेशक यह बहुत कम आंकड़ा लगता है, लेकिन नुकसान 2.5-3 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। विशेषज्ञों के ही आकलन हैं कि यदि जीडीपी कम हुई, तो उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा, लिहाजा फैक्टरियां या तो कर्मचारियों की छंटनी करेंगी अथवा वेतन कम करेंगी। आकलन यहां तक हैं कि 7-8 लाख नौकरियां जा सकती हैं। ऐसा ही प्रभाव तमिलनाडु की कंपनियों पर पड़ सकता है, जहां कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स का व्यापार करती हैं। भारत के गुजरात से प्रमुख तौर पर 78, 000 करोड़ रुपए के रत्न-आभूषण, पत्थरों का कारोबार अमरीका के साथ किया जाता है। टैरिफ बढ? से वे ज्यादा महंगे उत्पाद हो जाएंगे। एक उदाहरण एप्पल आईफोन का है, जिसकी फैक्टरियां भारत और चीन में हैं। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया है।

पहले से ही चीन पर टैरिफ काफी ज्यादा है। अब नए टैरिफ के बाद भारत-चीन में निर्मित एप्पल फोन अमरीकी बाजार में महंगा हो जाएगा, तो जाहिर है कि महंगा फोन कोई क्यों खरीदेगा? नए हालात में भारत की मुद्रा 'रुपया' और अधिक कमजोर होगा तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम होगा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय भी स्वीकार कर रहा है कि यह टैरिफ हमारे लिए 'झटका' नहीं, बल्कि 'मिक्सबैग' है। यानी कुछ तो नुकसान के आसार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 60 देशों पर 'जैसे को तैसा टैरिफ' थोपा है, नतीजतन दुनिया के देशों में हडकंप मचा है, अर्थव्यवस्थाएं हिल गई हैं, गरीबी और महंगाई के बढने के आसार हैं, ज्यादातर देश इसे 'टैरिफ युद्ध' मान रहे हैं और इसे ट्रंप का 'व्यापारिक पागलपन' करार दे रहे हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि दुनिया में 122 लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान हो सकता है। बहरहाल भारत-अमरीका के बीच अनेक वस्तुओं और उपकरणों आदि का आयात-निर्यात होता है। प्रधानमंत्री मोदी की फरवरी अमरीकी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय कारोबार को 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़ रुपए) तक बढ़ाने के समझौते की घोषणा की थी। व्यापार-सौदा इसी के तहत किया जाना है। इसका प्रथम चरण सितंबर-अक्तूबर तक पूरा हो सकता है। उसमें टैरिफ का समाधान मिल सकता है। अच्छी बात यह है कि भारत के फार्मा, तांबा, तेल, सेमीकंडक्टर, गैस, कोयला, एलएनजी, इंसुलिन, विटामिन्स, कीमती धातुएं (सोना, चांदी, प्लेटिनम), प्रिटेंड सामग्री और जिंक आदि 50 प्रमुख उत्पादों को 'टैरिफ-मुक्त' रखा गया है।

वक़्फ़ विवाद : निगाहें कहीं हैं, निशाना कहीं?

> वक़्फ़ सम्पत्तियाँ केवल मुसलमानो से जुड़ी हुई ही नहीं हैं। बल्कि विभिन्न धर्मों में इसतरह की सम्पत्तियाँ मिलेंगी जिन्हें पूर्व में राजा महाराजाओं, जमींदारों, जागीरदारों, धनाढ्य लोगों द्वारा यहाँ तक कि जो साधारण लोग भी अपनी संपत्ति अपने कानूनी वारिसों को न देकर अपने धर्म से सम्बंधित धर्मस्थानों को दान में दे दिया करते थे। आज देश भर में विभिन्न धर्मों के धर्म स्थलों के पास इस तरह की बेहिसाब सम्पत्तियाँ हैं।

-तनवीर जाफरी-

पिछले दोनों लंबी बहस व विवादों के बाद आखिरकार वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित हो ही गया। चूँकि इस समय दोनों ही सदनों में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का बहुमत है इसलिये इस विधेयक के पारित होने की पूरी संभावना भी थी। हाँविपक्ष को कुछ उम्मीदें स्वयं को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले सत्ता के सहयोगी दलों के प्रमुख नेताओं नितीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू, जयंत चौधरी व चिराग पासवान से जरूर थीं कि शायद वे इस विधेयक के विरोध में खड़े हों परन्तु ऐसा नहीं हुआ। यहां तक कि इनके दलों के मुस्लिम सांसदों ने भी इस विधेयक का विरोध नहीं किया। बहरहाल अब कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी इण्डिया गठबंधन दलों द्वारा एक इस विधेयक के विरोध के आखिरी विकल्प के रूप में सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाने की खबर है जहां इस की संवैधानिकता को चुनौती दी जाएगी। गौर तलब है कि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 को असंवैधानिक और मुस्लिम विरोधी बताते हुये इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। जबकि सत्तारूढ़ राजग व भाजपा के नेता इस बिल को मुस्लिम हितैषी बता रहे हैं।

दरअसल एक अनुमान के अनुसार भारत में सेना और रेलवे के बाद सबसे ज्यादा अचल संपत्ति वक़्फ़ बोर्ड के अधीन है। इन्हें संचालित करने के लिये भारत में कुल 32 वक़्फ़ बोर्ड हैं और इन सभी वक़्फ़ बोर्ड का संचालन राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय वक़्फ़ काउंसिल और राज्य स्तर पर वक़्फ़ बोर्ड करते हैं। यह व्यवस्था भारत सरकार द्वारा वक़्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन व रखरखाव के लिए निर्धारित की गयी है। प्रत्येक वक़्फ़ संपत्ति के प्रबंधन के लिए एक मुतवल्ली नियुक्त किया जाता है। इसी मुतवल्ली के हाथों में वक़्फ़ संपत्ति का नियंत्रण होता है। वक़्फ़ संपत्ति से होने वाली कुल आय का एक निर्धारित प्रतिशत वक़्फ़ बोर्ड को, बोर्ड के रखरखाव के नाम पर दिया जाता है। यही वक़्फ़ बोर्ड वक़्फ़ संपत्ति संबंधित विवादों खासकर मुतवल्ली की नियुक्ति व अवैध कब्जा हटाने या किसी को किराये पर देने न देने जैसे मामलों में हस्तक्षेप करता है।

वक़्फ़ सम्पत्तियाँ केवल मुसलमानो से जुड़ी हुई ही नहीं हैं। बल्कि विभिन्न धर्मों में इसतरह की सम्पत्तियाँ मिलेंगी जिन्हें पूर्व में राजा महाराजाओं, जमींदारों, जागीरदारों, धनाढ्य लोगों द्वारा यहाँ तक कि जो साधारण लोग भी अपनी संपत्ति अपने कानूनी वारिसों को न देकर अपने धर्म से सम्बंधित धर्मस्थानों को दान में दे दिया करते थे। आज देश भर में विभिन्न धर्मों के धर्म स्थलों के पास इस तरह की बेहिसाब सम्पत्तियाँ हैं। इन संपत्तियों को कहीं महंत या गद्दी नशीन देख रहे हैं, कहीं प्रबंधन कमेटियां बनी हुई हैं तो कहीं इसके प्रबंधन के लिये न्यास (वक़्फ़) या ट्रस्ट बनाये गये हैं। मिसाल के तौर पर जगन्नाथपुरी ट्रस्ट, वैष्णो देवी ट्रस्ट, मनसा देवी ट्रस्ट की तरह हिन्दू धर्मस्थलों से जुड़े अनेक ट्रस्ट हैं। इसी तरह सिख धर्मस्थलों की देखभाल के लिये शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनाई गयी है। परन्तु इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रत्येक धर्मों में पाई जाने वाली इस तरह की सम्पत्तियों में या इससे होने वाली बेहिसाब आय में आम तौर पर लूट खसोट की खबरें भी आती रहती हैं। यही वजह है कि विभिन्न राज्यों में वक़्फ़ बोर्ड संपत्तियों के गबन और भ्रष्टाचार, वक़्फ़ जमीनों पर अवैध कब्जा, राजनीतिकरण और सांप्रदायिक दुरुपयोग, धार्मिक भेदभाव, पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव, कानूनी विवाद और निष्क्रियता जैसे आरोप भी लगते रहे हैं।

परन्तु यदि सत्ता से जुड़े गिने चुने मुसलमानों को छोड़ दें तो न केवल देश के आम मुसलमान बल्कि समूचा विपक्ष और अनेक कानूनविद व बुद्धिजीवी वक़्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 को मुस्लिम विरोधी, मुसलमानों द्वारा वक़्फ़ की गयी जमीनों को हड़पने का प्रयास तथा दूसरे धर्मों व धर्मस्थलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश बता रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब मंदिरों व अन्य धर्मों के धार्मिक प्रबंधन में किसी दूसरे धर्म के लोग शामिल नहीं किये जाते तो वक़्फ़ बोर्ड में किसी गैर मुस्लिम को शामिल करने का आखिर क्या मकसद है? यदि मुस्लिम वक़्फ़ संपत्ति के प्रबंधन में गैर-मुसलमानों को रखा जा सकता है तो गैर-मुसलमानों के धर्मस्थलों की संपत्ति प्रबंधन में मुसलमानों को क्यों नहीं शामिल किया जाना चाहिए? विपक्ष का मानना है कि सरकार इस बिल के द्वारा वक़्फ़ बोर्ड के अधिकारों को इसलिए कम कर रही ताकि वह वक्फ़ बोर्ड की संपत्ति पर कब्जा कर सके। विपक्ष इसे मुस्लिम समाज को तोड़ने व कमजोर करने का काम बता रहा है। कुछ सांसदों ने तो संसद में बहस के दौरान यह तक कह डाला कि यह विधेयक मुसलमानों के धर्म पर डाका डालने तथा मुसलमानों की वक़्फ़ संपत्ति को हड़पने वाला है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इस विधेयक को 'संविधान पर एक निर्लज्ज हमला' तथा समाज के स्थायी ध्रुवीकरण की रणनीति' का हिस्सा बताया जिससे भाजपा तिलमिला उठी है।

कुछ इसी से मिलता जुलता विवाद पिछले कई दिनों से बिहार के विश्व प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ स्थल बोधगया को लेकर भी छिड़ा हुआ है। यहां गत 12 फरवरी से बौद्ध भिक्षु बीटी एक्ट यानी बौद्ध गया टेंपल एक्ट, 1949 को समाप्त करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस नियम के अंतर्गत बौद्ध गया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी (बीटीएमसी) में बौद्धों के साथ-साथ हिंदू धर्मावलंबियों को भी सदस्य बनाने का प्रावधान है। बौद्ध भिक्षु इसे उनके धार्मिक मामलों में दखल मानते हुये लंबे समय से इस कानून का विरोध कर रहे हैं। पहले बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर के सामने ही आमरण अनशन पर बैठे थे परन्तु गत 27 फरवरी को प्रशासन द्वारा इन्हें महाबोधि मंदिर परिसर से हटा दिया गया। इसके बाद अब बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर से एक किलोमीटर की दूरी पर दोमुहान नामक स्थान पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। गोया बौद्ध धर्म के लोग भी अपने धार्मिक मामलों में दूसरे धर्म के लोगों की दखलअंदाजी सहन नहीं कर पा रहे फिर आखिर मुसलमानों के धार्मिक मामलों में दखल देने का मकसद क्या?

रहा सवाल भाजपा द्वारा इस विधेयक के माध्यम से मुस्लिम हितों की बातें करने का या इस विधेयक को मुस्लिम हितैषी बताने का तो पूरी दुनिया देख रही है कि सत्ता में आने के बाद भाजपा ने जिस 'गुजरात मॉडल ' को देश में लागू करने की बात कही थी वह गुजरात मॉडल दरअसल क्या है? आज भाजपा के पूरे देश में कोई सांसद या विधायक नहीं है। जगह जगह मदरसे बंद कराये जा रहे हैं। मस्जिदों व कब्रों को खोदने का सिलसिला चल रहा है। जिन पसमांदा मुसलमानों के हितों की भाजपा बात करती है उसी समाज के कितने लोगों के घरों को बुलडोजर से तहस नहस कर दिया गया है। उन्हीं पसमांदा मुसलमानों के व्यवसायिक व सामाजिक बहिष्कार की अपील भाजपाई समर्थक करते रहते हैं। संवैधानिक मूल्यों की धज्जियाँ उड़ाते हुये हिन्दू राष्ट्र निर्माण की बात अनेक नेताओं व कथित धर्मगुरुओं द्वारा सरे आम की जा रही है। ऐसे वातावरण में वक़्फ़ विधेयक 2025 को मुसलमानों का हितैषी बताने का दावा, निगाहें कहीं हैं और निशाना कहीं जैसा ही है।

लंका जीतने की ओर आगे बढ़ती भाजपा

-राकेश अचल-

हमने कांग्रेस को बनते नहीं देखा। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को बनते नहीं देखा। जनसंघ भी हमारे धराधाम पर आने से पहले बन गया था, लेकिन हमने भाजपा को बनते और युवा होते देखा है। हम भाजपा की चाल, चरित्र और चेहरे से भी भलीभांति वाकिफ हैं और अब हम भाजपा को राजनीति की लंका जीतने के लिए लगातार आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। मजे की बात ये है कि भाजपा ही राम है और भाजपा ही रावण। उसका युद्ध अपने आप से है।

आइये आपको भाजपा की राम-खानी सुनाता हूँ। देश में 1975 में लगे आपातकाल के हटने के बाद एकजुट हुए विपक्ष में यदि जनसंघ की दोहरी सदस्यता का मुद्दा जन्म न लेता तो शायद भाजपा का जन्म होता ही नहीं। लेकिन जो होना होता है, वो होकर रहता है। मेरे जन्म से आठ साल पहले बने जनसंघ का नया अवतार थी भाजपा। भाजपा हालाँकि जनता पार्टी का प्रतिउत्पाद है लेकिन है जनसंघ ही। जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी थे। वे कैसे थे मुझे नहीं पता, किन्तु मुझे पता है कि वर्ष 1977 में आपातकाल की समाप्ति के बाद जनसंघ का उस समय गठित जनता पार्टी में विलय हो गया था। आपातकाल हटने कि बाद सन 1977 के आम चुनावों में इसी जनता पार्टी ने कांग्रेस को सत्ताच्युत किया था। जनसंघ के तेजाब ने 1980 में जनतापार्टी को जलाकर भस्म कर दिया। तीन वर्षों तक सरकार चलाने के बाद 1980 में जनता पार्टी विघटित हो गई।

देश की राजसत्ता में अकेले काबिज होने का सपना देखने वाले पुराने जनसंघियों ने मिलकर 6 अप्रैल 1980 को जनसंघ के स्थान पर भारतीय जनता पार्टी का गठन कर लिया। इसकी नीव में अटलबिहारी बाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के अलावा उनकी पीढ़ी के तमाम पुराने जनसंघी थे। भाजपा ने 1984 के आम चुनावों में पहली बार हिस्सा लिय। भाजपा को कुल दो सीटें मिलीं। मुमकिन था की भाजपा को कुछ ज्यादा सीटें मिल जातीं किन्तु 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के कारण कांग्रेस के पक्ष में जो सहानुभूति की लहर चली उसने सभी राजनीतिक दलों की हवा खराब कर दी थी।

भाजपा ने सत्ता में आने के लिए पहली बार राम नाम का सहारा लिया और राम जन्मभूमि आंदोलन को चुनावी मुद्दा बनाया। ये मुद्दा भाजपा को फल गया। राम नाम ने भाजपा को संजीवनी दे दी। भाजपा कुछ राज्यों में चुनाव जीतते हुये और राष्ट्रीय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करते हुये 1996 में संसद में सबसे बड़े दल के रूप में नमूदार हुई। भाजपा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया गया जो 13, लेकिन ये सरकार कुल दिन चली। आप कह सकते हैं कि भाजपा की पहली सरकार की भ्रूण हत्या हो गयी। आज की भाषा में भाजपा की प्रथम सत्ता का मिसकैरेज हो गया। भाजपा को बहुत जल्द समझ में आ गया कि देश की राजसत्ता पर कब्जा करना उसके अकेले के बूते की बात नहीं है। इसके लिए गठबंधन आवश्यक है।

देश में 1998 में आम चुनावों के बाद भाजपा ने भानुमति का कुनवा जोड़क्सर जो गठबंधन बनाया उसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नाम दिया गया। गठबंधन का प्रयोग कामयाब हुआ और एक बार फिर श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी जो सिर्फ एक वर्ष चली। अगले आम-चुनावों में राजग को पुनः पूर्ण बहुमत मिला और श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सरकार ने अपना कार्यकाल पूर्ण किया। इस प्रकार पूर्ण कार्यकाल करने वाली पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी। लेकिन पंडित अटल बिहारी बाजपेयी का तिलिस्म बहुत जल्द टूट भी गया और 2004 के आम चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा को पूरे एक दशक तक सत्ता का वनवास भोगना पड़ा।

भाजपा ने इस एक दशक तक संसद में मुख्य विपक्षी दल की भूमिका निभाई और 2014 के आम चुनावों में भाजपा ने बाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी को हटाकर गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पोस्टर वाय बनाया। देश की जनता को रामराज का नहीं अच्छे दिनों का नारा दिया। ये नारा असर कर गया और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतकर सत्ता में वापस आगयी। आगे की रामकहानी आप सब जानते हैं। भाजपा अपने हिंदुत्व के कार्ड को खेलते हुए आज भारतीय जनता पार्टी देश के 29 राज्यों में से 19 राज्यों में अकेले या अपने सहयोगियों के साथ सरकार चला रही है। हालाँकि 2025 तक भाजपा की अपनी ताकत संसद में क्षीण हुयी है लेकिन उसके इरादे अभी भी मजबूत हैं। भाजपा अब 2047 तक सत्ता नहीं छोड़ना चाहती। इसके लिए भाजपा कुछभी दांव पर लगाने कि लिए कमर कसे है।

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री सत्ता की लंका जीतने के लिए भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल-नए पंबन रेल पुल का उद्घाटन कर चुके है। राम ने लंका जीतने के लिए नल-नील द्वारा बनाये पुल का उद्घाटन किया था।

टैरिफ और वैश्विक व्यापार में परिवर्तन

-प्रियंका सौरभ-

कल्पना कीजिए कि दुनिया में हर चीज पर टैक्स लग जाए–आपका स्मार्टफोन, आपकी जींस, आपकी सुबह की कॉफी, और यहां तक कि आपके जूते भी। और नहीं, यह कोई डायस्टोपियन साइंस फिक्शन फिल्म नहीं है, बल्कि हमारी मौजूदा व्यापार नीति की वास्तविकता है! टैरिफ, यानी व्यापार शुल्क, कभी सरकारों के लिए आर्थिक संतुलन का साधन हुआ करता था, लेकिन अब यह बड़े देशों के बीच शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बन चुका है। टैरिफ, यानी व्यापार शुल्क, वैश्विक व्यापार को सीधे प्रभावित करते हैं। जब किसी देश द्वारा आयातित वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाया जाता है, तो इससे उस देश के व्यापारिक संबंधों, उद्योगों और उपभोक्ताओं पर प्रभाव पड़ता है। हाल के वर्षों में अमेरिका और अन्य देशों के बीच टैरिफ विवादों ने वैश्विक व्यापार को अस्थिर कर दिया है। टैरिफ व्यापार नीति का एक महत्वपूर्ण साधन है जिसका उपयोग देश अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने और राजस्व बढ़ाने के लिए करते हैं। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से ट्रम्प प्रशासन के दौरान, टैरिफ युद्धों ने वैश्विक व्यापार को अस्थिर कर दिया।

टैरिफ किसी देश द्वारा आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला शुल्क होता है। इसका मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हो सकते हैं; उच्च टैरिफ लगाकर सरकारें घरेलू उत्पादकों को सस्ते आयात से बचाती हैं। टैरिफ से सरकार को कर के रूप में आय प्राप्त होती है। आयात को नियंत्रित करने के लिए टैरिफ का उपयोग किया जाता है, ताकि व्यापार घाटा कम किया जा सके।

ट्रम्प प्रशासन के दौरान अमेरिका ने चीन, यूरोप, भारत और अन्य देशों पर व्यापार शुल्क बढ़ाए। इस नीति का उद्देश्य अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा देना और व्यापार घाटे को कम करना था। हालांकि, इस नीति से कई देशों में अस्थिरता उत्पन्न हुई और अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगड़ गया। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव 2018 से शुरू हुआ, जब अमेरिका ने चीन से आयातित विभिन्न उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाए। इसके जवाब में, चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा दिए। इस व्यापार युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ। अमेरिकी कृषि उत्पादकों को भारी नुकसान हुआ क्योंकि चीन ने अमेरिकी सोयाबीन और अन्य कृषि उत्पादों का आयात कम कर दिया। इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी उद्योग प्रभावित हुए, क्योंकि चीन से आयातित कंपोनेंट्स पर शुल्क बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ गई। निवेशकों का विश्वास डगमगाया, जिससे वैश्विक शेयर बाजारों में अस्थिरता बढ़ी। अमेरिका द्वारा यूरोपियन यूनियन (ईयू) और अन्य सहयोगी देशों पर टैरिफ बढ़ाने से भी वैश्विक व्यापार असंतुलित हुआ। यूरोप ने अमेरिकी स्टील और एल्युमिनियम पर जवाबी शुल्क लगाए, जिससे यूरोप-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ा।

भारत पर प्रभाव

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने से भारतीय निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रमुख रूप से स्टील, एल्युमिनियम, कृषि उत्पाद और टेक्सटाइल उद्योग प्रभावित हुए। इसके जवाब में, भारत ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों जैसे बादाम, अखरोट और दालों पर टैरिफ बढ़ा दिए। टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योगः अमेरिका भारतीय वस्त्रों और परिधान का बड़ा आयातक है। टैरिफ बढ़ने से भारतीय उत्पाद महंगे हो गए, जिससे प्रतिस्पर्धा में कमी आई। आईटी और सेवा क्षेत्रः अमेरिका में वीजा नीतियों में बदलाव और टैरिफ बढ़ने से भारतीय आईटी कंपनियों को नुकसान हुआ। कृषि उत्पाद, जैसे कि मसाले, चाय और दालें, अमेरिकी टैरिफ नीतियों से प्रभावित हुए।

विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की भूमिका

इस टैरिफ युद्ध ने विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) में नीतिगत बहस को जन्म दिया। कई देशों ने अमेरिका की टैरिफ नीतियों को डब्लूटीओ के नियमों का उल्लंघन बताया और शिकायत दर्ज करवाई। अमेरिका और चीन के बीच विवाद निपटाने की चुनौती। व्यापार नीतियों में पारदर्शिता की कमी। सदस्य देशों के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता। डब्लूटीओ की भूमिका इस विवाद के समाधान में महत्वपूर्ण रही, लेकिन बड़े अर्थतंत्रों के बीच तनाव के कारण इस संगठन की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठे।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभाव

टैरिफ बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई। कई कंपनियों को अपने उत्पादन केंद्रों को स्थानांतरित करने पर विचार करना पड़ा, जिससे नए व्यापारिक गठजोड़ बने। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध के कारण कई कंपनियों ने अपने मैन्युफैक्चरिंग हब को वियतनाम, भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में स्थानांतरित करना शुरू किया। कंपनियों ने अपने आपूर्ति स्रोतों को विविध किया ताकि एक ही देश पर निर्भरता कम हो। भारत और अन्य देशों ने विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीतियाँ लागू कीं।

दीर्घकालिक प्रभाव और भविष्य की संभावनाएँ

टैरिफ विवादों से सीख लेते हुए, कई देश अब अपनी व्यापार नीतियों को अधिक संतुलित और बहुपक्षीय सहयोग की ओर बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। एशिया, यूरोप और अमेरिका के बीच नए व्यापार समझौतों पर जोर दिया जा रहा है। ई-कॉमर्स और डिजिटल सेवाओं पर टैरिफ कम करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए टैरिफ नीतियों में सुधार किया जा रहा है। टैरिफ नीति वैश्विक व्यापार को सीधे प्रभावित करती है। अमेरिका और अन्य देशों के बीच बढ़ते टैरिफ विवादों ने न केवल व्यापारिक संबंधों को प्रभावित किया, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, उद्योगों और उपभोक्ताओं पर भी प्रभाव डाला। भविष्य में, व्यापारिक विवादों के समाधान और स्थिर वैश्विक व्यापारिक संबंधों के लिए बहुपक्षीय सहयोग और नीति समन्वय आवश्यक होंगे।

अमेरिकी टैरिफ: भारत को नुकसान या फायदा?

-सुनील कुमार महला-

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टैरिफ की घोषणा की है। गौरतलब है कि ट्रंप के 60 देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाया है। इनमें भारत भी शामिल है। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यहां यदि हम टैरिफ की बात करें तो यह वस्तुओं के आयात पर लगाए जाने वाला सीमा शुल्क या आयात शुल्क है, जिसे आयातक की तरफ से सरकार को देना होता है। आम तौर पर कंपनियां इनका बोझ उपयोगकताओं पर डालती हैं। दूसरे शब्दों में, इसका असर आम लोगों की जेब पर ही पड़ता है। वहीं यदि हम जबाबी टैरिफ की बात करें तो यह शुल्क व्यापारिक साझेदारों की तरफ से लगाए जा रहे शुल्क में वृद्धि या उच्च शुल्क के जवाब में लगाया जाता है। ट्रंप की टैरिफ घोषणा से वैश्विक व्यापार पर एक नया असर पड़ना स्वाभाविक ही है। टैरिफ मैन द्वारा टैरिफ की घोषणा के बाद शेयर बाजार में भी गिरावट देखी गई। पाठकों को बताता चलूं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ का सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिला है और मार्केट ओपन होने के साथ ही बीएसई सेंसेक्स व एनएसई निफ्टी बुरी तरह टूट गए। शेयर बाजार में गिरावट के साथ ही इंडियन करेंसी भी गुरुवार(3 अप्रैल 2025) को टूटी है और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे गिरकर 85.78 पर आ गया। न केवल भारतीय बाजार बल्कि यूएस स्टोक मार्केट भी क्रैश हुआ। पाठकों को बताता चलूं कि गुरुवार को एस एंड पी 500 में वर्ष 2020 के बाद से सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट दर्ज की गई। डाऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 4.0% गिरावट के साथ 40, 545.93 पर बंद हुआ। इसने 1, 600 अंकों से अधिक का गोता लगाया। ट्रंप के टैरिफ ने निवेशकों में दहशत फैला दी है, और बाजार को लग रहा है कि इससे मंदी, महंगाई और कमजोर मुनाफे का दौर शुरू हो सकता है। कुल मिलाकर अमेरिकी बाजार छह प्रतिशत तक गिरा। मार्केट कैप करीब 2 ट्रिलियन डॉलर घट गया। यहां तक कि एप्पल और नाइकी के शेयर 15 प्रतिशत तक टूट गये। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि एप्पल के आईफोन मुख्य रूप से चीन में बनाए जाते हैं और ट्रंप के टैरिफ का सबसे बड़ा असर भी चीन पर ही पड़ा है। बहरहाल, गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर 26 प्रतिशत 'रियायती पारस्परिक शुल्क' लगाने की घोषणा की है, जो भारत द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए गए 52 प्रतिशत शुल्क का आधा है। पाठकों को बताता चलूं कि ट्रंप ने भारत को 'बहुत कठोर' बताया है। उन्होंने यह बात कही है कि, 'यह मुक्ति दिवस है, एक ऐसा दिन जिसका हम लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। 2 अप्रैल 2025 को हमेशा उस दिन के रूप में याद किया जाएगा, जिस दिन अमेरिकी इंडस्ट्री का पुनर्जन्म हुआ, जिस दिन अमेरिका ने नियति को पुनः प्राप्त किया और जिस दिन हमने अमेरिका को फिर से समृद्ध बनाना शुरू किया।' साथ ही, उन्हों्ने यह भी कहा है कि 'हम अमेरिका को अच्छार और समृद्ध बनाएंगे।' बहरहाल, जो भी हो डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ घोषणा से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ता लाज़िमी ही है। पाठक जानते होंगे कि ट्रंप ने भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के तकरीबन सभी प्रमुख देशों पर पारस्परिक टैरिफ की घोषणा की है। उनकी घोषणा के तुरंत बाद ही बाजारों में हलचल देखने को मिली। अमेरिका का दावा है कि भारत पर 26 फीसदी का शुल्क, भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों पर लगाए गए 52 फीसदी टैरिफ के जवाब में है, जो उनके अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का ही हिस्सा है। दरअसल, ट्रंप यह बात बहुत पहले से ही कहते आए हैं कि यदि कोई देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा आयात शुल्क लगाता है, तो अमेरिका भी उस देश से आयात होने वाली चीजों पर ज्यादा टैरिफ लगाएगा। कहना गलत नहीं होगा कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में शामिल है और इसे देखते हुए हाल ही में ट्रंप द्वारा लगाया गया जवाबी शुल्क अप्रत्याशित नहीं है। वास्तव में भारत अमेरिका को काफी वस्तुओं का निर्यात करता है। पाठकों को बताता चलूं कि अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी के तहत भारतीय उत्पादों पर 27 फीसदी तक टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें एक यूनिवर्सल 10 फीसदी टैरिफ भी शामिल है, जो 5 अप्रैल से प्रभावी हो जाएगा। वहीं, 27 फीसदी टैरिफ 9 अप्रैल से लागू होगा। अमेरिका द्वारा घोषित इस नए टैरिफ से भारत के कई एक्सपोर्ट सेक्टर्स पर असर पड़ने की आशंका है। इनमें झींगा मछली, कालीन, गोल्ड जूलरी, चिकित्सा उपकरण जैसे उत्पाद शामिल हैं। गौरतलब है कि अमेरिका भारतीय झींगा मछली का सबसे बड़ा बाजार है और हाई टैरिफ के कारण भारतीय झींगा अमेरिकी बाजार में कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगी।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

राजस्थान में गर्मी तेज, बाड़मेर में पारा 43.6 डिग्री के पार, हीटवेव अलर्ट जारी

जयपुर। राजस्थान में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। राज्य के बाड़मेर जिले में तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक दर्ज तापमान है। मौसम विभाग ने आगामी तीन से चार दिनों में गर्मी के और तीव्र होने और तापमान के 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की है। इसी के साथ मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के दो जिलों में अत्यधिक गर्मी की स्थिति को देखते हुए तेज लू के लिए ऑरेंज चेतावनी जारी की है, जबकि नौ जिलों के लिए सामान्य लू का येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह स्थिति नौ अप्रैल तक बनी रह सकती है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों को दोपहर के समय बिना आवश्यक कारणों के घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राजस्थान के छह शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। इनमें बाड़मेर के अलावा कोटा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर, जोधपुर और जालोर शामिल हैं, जहां तेज गर्मी के साथ लू भी चली। दिन में बढ़ते तापमान का असर रात के मौसम पर भी दिखाई दिया। डूंगरपुर, धौलपुर, गंगानगर, बीकानेर, फलोदी, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, कोटा, जयपुर और अजमेर में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। बाड़मेर में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री और जैसलमेर में 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर के अनुसार सात और आठ अप्रैल को पश्चिमी हवाओं का प्रभाव और अधिक बढ़ेगा, जिससे बाड़मेर, जालौर और जैसलमेर जिलों में कुछ स्थानों पर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक पहुंच सकता है। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में तेज लू की स्थिति बनने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि नौ अप्रैल तक गर्मी का यह दौर जारी रहेगा। इसके बाद 10 अप्रैल से एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में सक्रिय होने की संभावना है, जिसका आंशिक असर राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में भी देखने को मिल सकता है। 11 से 13 अप्रैल के दौरान उत्तरी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्के बादल छाने की संभावना है।वर्तमान मौसम स्थिति की बात करें तो राज्य का मौसम सामान्यतः शुष्क बना रहा। शनिवार शाम साढ़े पांच बजे किए गए पर्यवेक्षण के अनुसार, राज्य के अधिकांश भागों में हवा में नमी की मात्रा 10 से 25 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई।

खान, पुलिस, परिवहन और वन विभाग का अवैध खनन पर चौतरफा प्रहार

डीग। अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में डीग जिले में निरंतर कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर उत्सव कौशल द्वारा अवैध खनन प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के पश्चात अवैध खनन/ निर्गमन के मद्देनजर हरियाणा राज्य के ग्राम बसईमेव से राजस्थान के ग्राम नांगल की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते को राजस्थान सीमा में जेसीबी से कटवाया गया। हरियाणा राज्य के ग्राम बसईमेव के बायीं ओर राजस्थान राज्य के ग्राम बहराली की ओर जाने वाले रास्ते से छपरा, चिनावडा, बिजासना, लिवासना एवं पापड़ा खनन क्षेत्रों से अवैध खनन/निर्गमन के मद्देनजर बहराली क्षेत्र में प्रवेश करने वाले रास्ते को राजस्थान सीमा में जेसीबी से कटवाया गया तथा राजस्थान राज्य के ग्राम चिनावडा की सीमा से घाटा शमशाबाद तक जोड़ने वाला कच्चा रास्ता, जो हरियाणा राज्य में दो जगह कटा हुआ पाया गया, को राजस्थान सीमा पर कटवाए जाने के लिए खान विभाग और उपखंड अधिकारी पहाड़ी को निर्देशित किया गया।

वन विभाग द्वारा सीकरी में अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए 45 टन चेजा पत्थर को जब्त किया गया। इस दौरान आरोपित के खिलाफ एफआईआर करने के साथ ही डम्फर को भी जब्त किया गया। परिवहन विभाग ने जिला कलेक्टर के निरीक्षण के पश्चात तीन दिवस में 62 ओवरलोडेड वाहनों के चालान काटे। पुलिस विभाग ने एमएमआरडी एक्ट व 303 (2) बीएनएस के अंतर्गत 1 ट्रैक्टर ट्रॉली मय 05 ज़ब्त माल सीज किए।

अवैध खनन/निर्गमन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए खनिज से भरे 06 वाहनों के पास वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने पर पेनल्टी राशि 5 लाख रुपए आरोपित से वसूली गई। वहीं आज के दिनांक तक ग्राम नांगल के खसरा संख्या 162 का मौका देखकर 6 अवैध खनन पट्टों की ओर जाने वाले रास्ते को जेसीबी से कटवाया गया। तहसील पहाड़ी के निकट ग्राम धौलेट क्षेत्र में अवैध खनन संभावित स्थलों का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में अवैध खनन बंद पाया गया। इस दौरान पहाड़ी, सीकरी और नगर में अधिक अधिशुल्क, डीएमएफटी एवं आरएसएमईटी संग्रहण ठेका की अवधि 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी है। खान विभाग द्वारा क्षेत्र में रॉयल्टी अपवंचन रोकने के लिए विभागीय चेक पोस्ट स्थापित किया जाकर चेक पोस्ट पर तकनीकी कार्मिकों, नाकेदारों व बॉर्डर होमगार्ड को तैनात किया जाकर निरंतर रूप से चेकिंग की जा रही है।

सांसद राजकुमार रोत पर भड़के मदन राठौड़, कहा– 'वो समाज को तोड़ने का षड्यंत्र कर रहे हैं'

जयपुर। राजकुमार रोत द्वारा नरेश मीणा मामले में दिए गए बयान पर राठौड़ ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि उन्हें (रोत) कैसे पता चल गया कि नरेश मीणा के मन में क्या है? यह सिर्फ भ्रामक बातें हैं। आगे उन्होंने क्या कुछ कहा आइये जानते हैं।

भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत के हालिया बयानों पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राजकुमार रोत समाज को तोड़ने का षड्यंत्र रच रहे हैं और लोगों में दूरियां पैदा कर रहे हैं, जबकि उन्हें समाज को जोड़ने की दिशा में काम करना चाहिए।बीजेपी प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात के दौरान राठौड़ ने वक्फ कानून और नरेश मीणा प्रकरण पर रोत की टिप्पणियों को गैर जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में सबको अपनी बात कहने का हक है, लेकिन गलत तरीके से लोगों को भ्रमित करना उचित नहीं है। राजकुमार रोत को यह समझना चाहिए कि समाज को भटकाने के बजाय सही रास्ता अपनाएं। राजकुमार रोत द्वारा नरेश मीणा मामले में दिए गए बयान पर राठौड़ ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि उन्हें (रोत) कैसे पता चल गया कि नरेश मीणा के मन में क्या है? यह सिर्फ भ्रामक बातें हैं। इसके साथ ही राठौड़ ने आदिवासी क्षेत्रों में हो रहे धर्मांतरण पर भी रोत की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा, क्या राजकुमार रोत को नहीं पता कि आदिवासी बेल्ट में बड़े स्तर पर धर्मांतरण हो रहा है? इस पर चुप रहकर वो समाज को बांटने का काम कर रहे हैं।

जुड़वां बेटों की गवाही से मिली हत्यारे पिता को उम्रकैद, कोर्ट बोली- पति-पत्नी के रिश्ते को किया शर्मसार

सीकर। पत्नी की हत्या कर उसके शव को फांसी पर लटकाकर पुलिस को गुमराह करने वाले आरोपी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामले में आरोपी के आठ साल के जुड़वां बेटों की गवाही निर्णायक साबित हुई। जिले में एडीजे कोर्ट क्रम संख्या-1 ने एक दिल दहला देने वाले मामले में आरोपी पति को पत्नी की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह फैसला इसलिए भी खास रहा क्योंकि आरोपी को दोषी ठहराने में उसके 8 साल के जुड़वां बेटों की गवाही निर्णायक साबित हुई। दोनों बच्चों ने कोर्ट में अपने पिता की करतूत का आंखों देखा हाल सुनाया, जिसे सुनकर अदालत भी सख्त हुई और आरोपी को किसी भी तरह की राहत देने से मना कर दिया।

सरकारी वकील गोपाल सिंह बिजारणियां ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 7 अगस्त 2022 की है। प्राइवेट स्कूल में शिक्षक आरोपी कर्मवीर (28) ने अपनी पत्नी संजू देवी (28) की गला दबाकर हत्या कर दी थी और बाद में घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फांसी पर लटका दिया था। मृतका के भाई मुकेश कुमार ने 21 अगस्त 2022 को धोद थाने में मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया गया कि संजू देवी की शादी 2008 में सीकर के भुवाला निवासी कर्मवीर से हुई थी। शादी के महज 3-4 महीने बाद से ही पति ने मारपीट शुरू कर दी थी। वह पीहर से पैसे लाने के लिए दबाव बनाता था। एक साल तक संजू पीहर में रही और समझाइश के बाद दोबारा ससुराल आई।

7 अगस्त की शाम करीब 7 बजे कर्मवीर शराब के नशे में घर आया और संजू देवी से झगड़ा करने लगा। झगड़े के दौरान उसने पहले दोनों बच्चों को एक कमरे में बंद कर दिया और फिर संजू के साथ मारपीट की और प्लास्टिक के पाइप से उसका गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में उसे पंखे से लटका दिया।

सरकारी वकील के मुताबिक इस मामले में सबसे अहम गवाही संजू देवी के जुड़वां बच्चों की रही। दोनों बच्चों ने कोर्ट में बताया कि पापा शराब पीकर आए थे और मम्मी को पीटने लगे। हमें एक कमरे में बंद कर दिया गया था। हमने खिड़की से देखा कि पापा मम्मी को रस्सी और लातों से मार रहे थे। मम्मी चिल्ला रही थी और जमीन पर गिर गई थी। कोर्ट ने बच्चों को चश्मदीद गवाह माना और उनके बयान को महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया। हत्या के बाद कर्मवीर ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने पुलिस को बताया कि पत्नी ने मोबाइल छुपा लिया था और इसी बात पर विवाद हुआ। उसने अपने साले को भी कॉल कर फोन दिलवाने को कहा लेकिन उसकी पत्नी संजू ने फोन देने से मना कर दिया। फिर वह घर से बाहर चला गया और जब लौटा तो संजू का शव फंदे पर लटका मिला।

सरकारी पक्ष ने कोर्ट में 19 गवाह और 26 साक्ष्य प्रस्तुत किए। सबूतों और गवाहों की गहराई से जांच के बाद कोर्ट ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत उम्रकैद और 1 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 498 (दहेज प्रताड़ना) में 3 साल के साधारण कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा भी सुनाई गई। फैसला सुनाते हुए एडीजे कोर्ट क्रम संख्या-1 के न्यायाधीश महेंद्र प्रताप बेनीवाल ने कहा कि शादी के बाद पति अपनी पत्नी का संरक्षक होता है लेकिन इस मामले में आरोपी ने उस पवित्र रिश्ते को शर्मसार किया है। उसके इस कृत्य से दोनों मासूम बच्चे अनाथ हो गए इसलिए आरोपी किसी भी तरह से सजा में नरमी का पात्र नहीं है।

राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया राहटकर का अभिनंदन, सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की जमकर की तारीफ

जयपुर। अपने जयपुर प्रवास के दौरान भाजपा द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने कहा कि देश में सबसे अधिक अपनापन और पारिवारिक भावना राजस्थानियों में ही देखने को मिलती है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर का जयपुर प्रवास के दौरान शनिवार को भाजपा की ओर से भव्य स्वागत किया गया। विधानसभा के पास स्थित कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब के सभागार में आयोजित इस अभिनंदन समारोह में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित कई प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विजया राहटकर ने राजस्थान के प्रति अपने गहरे भाव प्रकट करते हुए कहा कि राजस्थान ने मुझे बहुत स्नेह और सम्मान दिया है। यहां का अपनापन, सादगी, और पारिवारिक भावना पूरे देश में सबसे अलग और विशेष है। यहां मेरा सबके साथ एक आत्मीय रिश्ता है- कोई बड़ा भाई, कोई छोटी बहन, यह राज्य मेरे लिए मायके जैसा है। यहां से जाना केवल भूमिका का बदलाव है, जिम्मेदारियां समय के साथ बदलती रहती हैं। उन्होंने कहा कि महिला आयोग की अध्यक्ष बनने के बाद जिम्मेदारियां जरूर बदली हैं लेकिन महिलाओं के उत्थान के लिए मेरा कार्य और समर्पण निरंतर जारी है। महिलाओं के लिए मेरे हृदय में विशेष स्थान है और मेरी भूमिका चाहे जो भी हो, मैं उनके अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए सदैव कार्य करती रहूंगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा करते हुए विजया ने कहा कि सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जमीन पर उतारने का सराहनीय प्रयास किया है। उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ को संत स्वभाव वाला, मधुरभाषी और मिलनसार नेता बताते हुए कहा कि भाजपा को ऐसा अध्यक्ष मिलना सौभाग्य की बात है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार के गठन में विजया ताई का अहम योगदान रहा है। उन्होंने सह प्रभारी रहते हुए आम कार्यकर्ता के साथ मिलकर दिन-रात मेहनत की। देश में बढ़ते अपराधों को देखकर चिंता होती है, खासकर जब युवा और बुजुर्ग भी इसमें लिप्त हो रहे हैं। ऐसे समय में महिला आयोग को विजया ताई जैसा नेतृत्व मिलना देश के लिए शुभ संकेत है। समारोह में राजस्थानी परंपरा अनुसार साफा पहनाकर विजया का स्वागत किया गया। मंच पर विधायक श्रीचंद कृपलानी, सांसद मंजू शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सरदार अजयपाल सिंह, मोतीलाल मीणा, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, अजीत मांडण, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, मेयर सौम्या गुर्जर और कुसुम यादव सहित कई अन्य नेताओं ने शॉल ओढ़ाकर और पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामनवमी पर राजस्थान में भक्ति और उल्लास का माहौल, मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चैत्र नवरात्र की नवमी पर की मां दुर्गा की आराधना, कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन ग्रहण करवाया

जयपुर। रामनवमी के पावन अवसर पर रविवार को पूरे राजस्थान में भक्ति, उल्लास और संस्कृति की अद्भुत झलक देखने को मिल रही है। जयपुर से लेकर डूंगरपुर तक और जोधपुर से उदयपुर तक, हर जिले में भगवान राम के जन्मोत्सव को भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। मंदिरों में विशेष सजावट की गई और शोभायात्राओं के साथ पूरा प्रदेश राममय हो गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चैत्र नवरात्रि के नवें दिन मुख्यमंत्री निवास स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में मां सिद्धिदात्री की पूजा कर कन्या पूजन किया और कन्याओं को भोजन कराया। राजधानी जयपुर में रामनवमी पर पारंपरिक शोभायात्रा सूरजपोल अनाज मंडी से शुरू होकर चांदपोल बाजार स्थित प्राचीन श्रीरामचंद्रजी मंदिर तक निकाली गई। शोभायात्रा में रंग-बिरंगी झांकियां, भजन-कीर्तन और बैंड-बाजों की धुन पर झूमते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सुबह ठाकुरजी महाराज का पंचामृत अभिषेक हुआ, दोपहर में राजभोग आरती के बाद शाम को 101 तोपों की सलामी के साथ महाआरती आयोजित हुई, जिसमें राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाग लिया। रामनवमी के मौके पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जयपुर कमिश्नरेट में 13 एडिशनल डीसीपी और 1,000 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। नॉर्थ जिले में मुख्य शोभायात्रा के लिए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए, जिसमें 11 एडिशनल डीसीपी, 5 एसीपी, 16 इंस्पेक्टर सहित सैकड़ों जवानों की तैनाती रही। टोंक में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। वहीं सीकर के रघुनाथ मंदिर में दोपहर 12:30 बजे जन्मोत्सव आरती की गई और शाम को विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें 7 बड़े डीजे शामिल रहे। डूंगरपुर की शोभायात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जहां बादल महल से निकलकर 3.5 किमी की यात्रा के पूरे रास्ते में रंगोली सजाई गई। यह वही रंगोली है जो पहले गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुकी है। इसे फिर से रिकॉर्ड दर्ज कराने के लिए तैयार किया गया। शोभायात्रा में 51 घोड़े, बग्गियां, 50 से अधिक डीजे और बैंड शामिल हुए। उदयपुर में बजरंग सेना और बजरंग दल की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की झांकियां बग्गियों में सजाई गई थीं। युवा अखाड़ा भी इसमें प्रदर्शन करता नजर आया। वहीं जोधपुर में समस्त लखारा समाज युवा संगठन की शोभायात्रा में भगवान केदारनाथ की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। दौसा के मेहंदीपुर बालाजी धाम में रामनवमी की धूम देखने लायक रही। सीताराम मंदिर को 56 प्रकार के केक से सजाया गया और भगवान रामलला का 121 किलो पंचामृत से अभिषेक कर छप्पन भोग अर्पित किया गया।

दादा–दादी और पोता, दर्शन कर लौट रहे थे, रास्ते में ज़िंदगी फिसल गई

कोटा। जिले के मंडाना थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को ग़मगीन कर दिया। शनिवार को गोपालपुरा माताजी के दर्शन कर लौट रहे दादा, दादी और पोते की बाइक हाईवे पर स्लिप हो गई, हादसा इतना गंभीर था कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। रविवार को मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में तीनों के शवों का पोस्टमॉर्टम किया गया। आंखें नम थीं, दिल सन्न... एक साथ तीन जनों की अर्थियां उठीं तो मातम की लहर फैल गई। **एक बाइक, तीन ज़िंदगियां और रास्ते में मौत**–मृतक ओमप्रकाश के भांजे विनोद ने बताया कि ओमप्रकाश (63), उनकी पत्नी बेबी बाई और 10 साल का पोता युगराज एक ही बाइक पर सवार होकर दर्शन से लौट रहे थे। मंडाना के पास हाईवे पर जहां 5 से 6 स्पीड ब्रेकर एक साथ बनाए गए हैं, वहां उनकी बाइक अनबैलेंस होकर फिसल गई। तीनों सिर के बल गिरे और गंभीर चोटों के चलते उनकी मौके पर ही मौत हो गई। **सड़क बनी काल, किसकी जवाबदेही?**–स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हादसा सिर्फ बाइक स्लिप का नहीं, बल्कि प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। जिस जगह यह हादसा हुआ, वहां सड़क की हालत बेहद खराब है और स्पीड ब्रेकर इतने खतरनाक हैं कि गाड़ी संभालना मुश्किल हो जाता है। परिजनों और ग्रामीणों ने सरकार से मुआवज़े की मांग की है और ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अजमेर में धूमधाम से मनाई गई रामनवमी, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की पूजा अर्चना

अजमेर। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में इस पर्व को बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है और लोग प्रभु राम के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त कर रहे हैं। अजमेर में भी इस अवसर पर व्यापक धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया गया है, जो इस पर्व को और भी खास बना रहे हैं। अजमेर सहित राजस्थान में आज रामनवमी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। पूरे देश में इस पर्व को लेकर श्रद्धा और आस्था का माहौल बना हुआ है, और अजमेर भी इससे अछूता नहीं है। विशेष रूप से अजमेर शहर के बजरंगगढ़ चौराहा स्थित सीताराम मंदिर में रामनवमी के अवसर पर भगवान राम का विशेष श्रृंगार किया गया। इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा देखा गया।

सीताराम मंदिर में 12 बजे राम जी की जन्म आरती का आयोजन हुआ, जिसमें अजमेर के विधायक और राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष, वासुदेव देवनानी भी शामिल हुए। वे इस पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं के साथ आरती में सम्मिलित हुए और भगवान राम की पूजा अर्चना की। इस मौके पर वासुदेव देवनानी ने भगवान राम के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया और सभी को रामनवमी की बधाई दी। उनका कहना था कि हम सबको भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का प्रण करना चाहिए, ताकि हमारे देश में राम राज्य की स्थापना हो सके और समाज में एकता और भाईचारे का वातावरण बना रहे। वासुदेव देवनानी ने इस अवसर पर अपने संदेश में आगे कहा, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस तरह से देश को आगे बढ़ाया है, उसी तरह हमें भी अपने प्रयासों से देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। हमें समाजिक समरसता को बढ़ावा देना होगा और सनातन धर्म की रक्षा के लिए भगवान राम से प्रेरणा लेनी चाहिए। इसके बाद मंदिर में प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद प्राप्त किया और भगवान राम का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर शहरभर के लोग मंदिर पहुंचे और रामनवमी की पूजा में भाग लिया।

रामनवमी का पर्व धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व रखता है। यह न केवल भगवान राम के जन्म की खुशी का प्रतीक है, बल्कि उनके आदर्शों और सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संदेश भी देता है। राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में इस पर्व को बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है और लोग प्रभु राम के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त कर रहे हैं।

एआईसीसी सत्र से पहले बोले पायलट- युवाओं को ज्यादा जिम्मेदारी देने पर जोर दे रही है कांग्रेस

जयपुर। अहमदाबाद में आयोजित होने वाले एआईसीसी सत्र से पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि भले ही लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस को कुछ राज्यों में हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन पार्टी का विश्वास और संघर्ष का जज्बा अब भी कायम है।

अहमदाबाद में आगामी एआईसीसी सत्र से पहले कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव की प्रक्रिया चल रही है और युवा नेता अपने ऊपर सौंपी गई जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगे इस दिशा में जवाबदेही और विचारधारा की मजबूती पार्टी की प्रमुख प्राथमिकताएं होंगी। बातचीत में पायलट ने कहा कि गुजरात में हो रहा एआईसीसी सत्र इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी इस समय राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने और अपने पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करने के प्रयासों में जुटी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भले ही लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस को कुछ राज्यों में हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन पार्टी का विश्वास और संघर्ष का जज्बा अब भी कायम है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव का समय आ गया है तो उन्होंने कहा- कोई भी बदलाव रातोंरात नहीं होता, यह एक निरंतर प्रक्रिया है। पार्टी पिछड़े वर्गों, युवाओं, महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। ये वर्ग हमारी आबादी का बड़ा हिस्सा है और उनका समुचित प्रतिनिधित्व अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि पार्टी फोरम में हमने उदयपुर घोषणा पत्र को अपनाया है और उसका पालन कर रहे हैं। पार्टी की सभी नियुक्तियों में हम उसे ही ध्यान में रख रहे हैं। पीढ़ीगत बदलाव अपने आप हो रहा है, अब कई लोग नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं, चाहे वह संसद के भीतर हो या संसद के बाहर, चाहे राज्यों में हो या एआईसीसी में नए लोगों की नियुक्ति हो, युवा अब नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं और अपने काम को बखूबी अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि दिसंबर में बेलगावी अधिवेशन में 2025 को संगठनात्मक सशक्तिकरण का वर्ष घोषित किया गया था। संगठनात्मक सुधार, खाली पदों की नियुक्ति और युवाओं को अधिक राजनीतिक जिम्मेदारियां देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पायलट ने कहा, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी के कामकाज, विभागों और फ्रंटल संगठनों जैसे आईवाईसी, एनएसयूआई, सेवा दल और महिला कांग्रेस में सक्रिय रूप से रुचि ले रहे हैं। हमने 2025 को पार्टी कैडर को उत्साहित करने और संगठन को वैचारिक रूप से मजबूत बनाने का संकल्प लिया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सुनी जनता की समस्याएं, रामनवमी की दी शुभकामनाएं

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को जोधपुर पहुंचे। अपने निवास पर उन्होंने आमजन से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थापना दिवस और पार्टी की उपलब्धियों के साथ-साथ हाल ही में पारित वक्फ बिल पर अपनी बात रखी। साथ ही रामनवमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी। शेखावत ने कहा कि भाजपा अपनी स्थापना के समय से ही एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य भारत को विश्व के शक्तिशाली और समृद्ध देशों की श्रेणी में खड़ा करना है। 1980 से लेकर अब तक के सफर में पार्टी कार्यकर्ताओं के परिश्रम और समर्पण से यह संभव हुआ है। आज भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार चला रही है। वक्फ पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, लाखों एकड़ जमीन, जो वक्फ संपत्ति के रूप में गरीब मुसलमानों के कल्याण के लिए दान की गई थी, उसका दुरुपयोग कुछ चुनिंदा लोग कर रहे थे। इस संपत्ति में व्याप्त भ्रष्टाचार ने जरूरतमंदों को उनके हक से वंचित रखा था। इस बिल के पारित होने से न केवल इस अन्याय को खत्म करने का रास्ता खुला है, बल्कि एक नए युग की शुरुआत भी हुई है। जिन लोगों के निजी स्वार्थ इस बिल से प्रभावित हो रहे हैं, वही इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि समाज का बड़ा वर्ग इसे समर्थन दे रहा है।इसके साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने भगवान श्री राम के जन्मदिवस रामनवमी पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आज मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जन्मदिन है। उनके जीवन की हर घटना हमारे लिए प्रेरणादायक है। मैं सभी को इस पावन अवसर पर बधाई देता हूं।

संक्षिप्त समाचार

वाशिंगटन : चाकू से हमले में छह लोग जख्मी, हिरासत में लिया गया संदिग्ध

वाशिंगटन, एजेंसी। वाशिंगटन में एक व्यक्ति ने लोगों पर चाकू से हमला किया। इस हमले में छह लोग घायल हो गए। कथित तौर पर हमलावर नशे की हालत में था और उसकी मनोदशा ठीक नहीं थी। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, संदिग्ध अब हिरासत में है। यह घटना गुरुवार को दोपहर करीब 3:22 बजे मोंटेलो एवेन्यू और मेग्स प्लेस एनई के पास हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। वाशिंगटन पुलिस प्रमुख पामेला स्मिथ के अनुसार, संदिग्ध ने पहले सड़क पर चलते समय खुद को चाकू मारा और फिर अपने साथ मौजूद एक महिला परिचित पर हमला किया। इसके बाद उसने दूसरों पर भी चाकू से हमला किया, इनमें दो वो लोग भी शामिल थे जो इस हमले को रोकने की कोशिश में थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने एक्स पर घोषणा की: अलर्ट: हम मोंटेलो एवेन्यू और सिम्स प्लेस एनई के इलाके में चाकू से हमला करने की घटना की जांच कर रहे हैं। अगर आपके पास कोई जानकारी है, तो 202-727-9099 पर कॉल करें या 50411 पर टेक्स्ट करें। स्मिथ ने कहा कि बेवजह हमले के परिणामस्वरूप चार महिलाओं और दो पुरुषों को क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि इनमें एक दादी और उनकी दो पोतियां शामिल हैं। स्मिथ के अनुसार, पीड़ितों की हालत स्थिर है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। उनकी उम्र का खुलासा नहीं किया गया है। स्मिथ के अनुसार, पुलिस ने संदिग्ध को आस-पास के क्षेत्र में जमीन पर पड़ा पाया। हमले में इस्तेमाल किया गया चाकू उससे कुछ फीट की दूरी पर बरामद किया गया। संदिग्ध, जिसका नाम जारी नहीं किया गया है, को अस्पताल ले जाया गया और वर्तमान में उसकी सर्जरी की जा रही है। स्मिथ ने कहा, यह घटना समाज में मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों को लेकर फिक्रमंद होने की ओर इशारा करती है और इस पर तत्काल एक्शन लेने की आवश्यकता पर जोर देती है। घटना के बाद आस-पास की कई सड़कें बंद हैं। जांच जारी रहने के कारण आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

थाईवान के नागरिकों की सुरक्षा के लिए उपाय आवश्यक हैं : चीनी प्रवक्ता

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राज्य परिषद के थाईवान कार्यालय की प्रवक्ता ज्यू फेंगलियान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि चीनी जन मुक्ति सेना यानी पीएलए ने थाईवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास किया और थाईवान जलडमरूमध्य के मध्य और दक्षिणी भागों में प्रासंगिक जल में स्ट्रेट थंडर-2025ए अभ्यास का आयोजन किया। यह राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की रक्षा के लिए एक आवश्यक उपाय है और देश को विभाजित करने का प्रयास करने वालों को दंडित करना न्यायोचित कार्य है। यह थाईवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता तथा थाईवान के नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए एक दृढ़ सुरक्षा उपाय है। प्रवक्ता ज्यू फेंगलियान ने कहा कि दुनिया में केवल एक चीन है और थाईवान चीन का एक हिस्सा है। यह थाईवान जलडमरूमध्य की वास्तविक यथास्थिति है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के अधिकारी थाईवान स्वतंत्रता के भ्रम को बढ़ावा दे रहे हैं, लगातार स्वतंत्रता के लिए उकसावे की कोशिश कर रहे हैं और इस यथास्थिति को बदलने की कोशिश कर रहे हैं कि थाईवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारे एक चीन के हैं। इससे थाईवान जलडमरूमध्य की शांति और स्थिरता को गंभीर नुकसान पहुंचा है तथा थाईवान के नागरिकों के हितों और कल्याण को गंभीर क्षति पहुंची है। यदि इसे विकसित होने दिया गया तो यह हमारे थाईवान के देशवासियों को युद्ध की खतरनाक स्थिति में धकेल देगा। हमें दृढ़तापूर्वक इसका दमन करना होगा और इसे दंडित करना होगा। प्रवक्ता ज्यू फेंगलियान ने यह भी कहा कि थाईवान का मुद्दा पूरी तरह से चीन का आंतरिक मामला है और वह किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करता है। अमेरिका को एक-चीन सिद्धांत और तीन चीन-अमेरिका संयुक्त विज्ञप्तियों के प्रावधानों का पालन करना चाहिए, थाईवान स्वतंत्रता का विरोध करना चाहिए और चीन के पुन: एकीकरण का समर्थन करना चाहिए।

इजराइल के हवाई हमले में गाजा में 100 लोग मारे गए : फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारी

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में बृहस्पतिवार को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 100 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें 27 लोगों ने उत्तरी क्षेत्र के एक स्कूल में शरण ले रखी थी। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने आक्रामक कार्रवाई तेज कर दी है जिसका इरादा हमास पर नया दबाव डालना और उसे आखिरकार खदेड़ देना है। फलस्तीन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता जहेर अल-वाहिदी ने बताया कि गाजा शहर के तुफ्फाह में स्थित एक स्कूल से 14 बच्चों और पांच महिलाओं के शव बरामद किए गए लेकिन मृतकों की संख्या अभी बढ़ सकती है, क्योंकि 70 घायलों में कुछ की स्थिति नाजुक है। उन्होंने अहली अस्पताल के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए बताया कि निकटवर्ती हिजाय्याह इलाके में घरों पर हुए हमलों में 30 से अधिक अन्य गाजा निवासी मारे गए। इज़राइली सेना ने बृहस्पतिवार को उत्तरी गाजा के कुछ हिस्सों में रहने वाले निवासियों को गाजा शहर के पश्चिमी हिस्से में शरण लेने का आदेश दिया। उसने चेतावनी भी दी कि वह इलाके में अत्यधिक बल के साथ काम करने की योजना बना रही है। लक्षित क्षेत्र से निकलने वाले कई फ़लस्तीनी पैदल ही निकले, कुछ ने अपना सामान अपनी पीठ पर लाद रखा था।

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू, सैंकड़ों को पकड़ कर शिविरों में भेजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों सहित सैकड़ों अवैध विदेशियों को गिरफ्तार किया गया, और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया गया। पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निर्देशों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है। अफगान सरकार ने कहा, उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि फिलिप

कैंडलर ने कहा, पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी। समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का निर्णय पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया। सरकारी प्राधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की थी कि 31 मार्च तक देश नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अफगान शरणार्थियों को रखने के लिए कम से कम 43 शिविर स्थापित किए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को हिरासत में लेंगे, जिन्हें फिर शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। फिर उन्हें प्रत्यावर्तन के लिए तोरखम पाक-अफगान सीमा पर लांडी कोटल क्षेत्र में ले जाने से पहले सूचीबद्ध किया जाएगा। आंकड़े बताते हैं कि देश में कम से कम 13,44,584 अफगान नागरिक हैं, जिनमें से कम से कम 7,09,278 अफगान नागरिक केपी में रहते हैं, जिनके पास पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) है। प्रांतीय आंकड़ों से पता चलता है कि बलूचिस्तान में कम से कम 3,17,000 पंजीकृत अफगानी हैं, सिंध में 74,117, पंजाब में 1,96,000, राजधानी इस्लामाबाद में 42,718 और देश के अन्य हिस्सों में 4,448 अफगान शरणार्थी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के बाढ़ प्रभावित इलाके में थमी बारिश, राहत कार्यों में तेजी की उम्मीद

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के बाढ़ प्रभावित इलाके में भारी बारिश थम गई है। हालांकि बाढ़ की कई हफ्तों तक जारी रहने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने गुरुवार को बताया कि क्वींसलैंड राज्य के दक्षिण-पश्चिम और मध्य इलाकों में जो भारी बारिश हुई थी, अब वह बारिश खत्म हो गई है। बीओएम के डीन नैरामोर ने कहा, यह अच्छा है कि दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड में अब बारिश का सिलसिला खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, हालांकि बारिश रुक गई है, लेकिन दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड में बाढ़ कई दिनों, या शायद हफ्तों तक जारी रह सकती है। न्यू साउथ वेल्स राज्य के आकार का एक क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुआ है, कुछ स्थानों पर बाढ़ का पानी 1974 में स्थापित रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया है, तथा दक्षिण-पश्चिम क्वींसलैंड की प्रत्येक नदी बाढ़ के उच्च स्तर पर है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों (जो मुख्यत: पशुपालन से जुड़े हैं) को पहले ही घर छोड़ देने के लिए कह दिया गया था। सैकड़ों घर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। बुधवार को प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए क्वींसलैंड के प्रीमियर डेविड क्रिसफुली ने ब्रिसबेन से लगभग 1,000 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में लॉन्गरीच शहर में मीडिया से कहा कि बाढ़ में 150,000 से अधिक मवेशी या तो मर गए हैं या लापता हैं।

महिला के दरवाजे पर पड़ा था 7 करोड़ साल पुराना पत्थर, बेचा तो करोड़ों में निकली कीमत

बुखारेस्ट, एजेंसी। एक महिला पूरी जिंदगी जिस पत्थर को केवल दरवाजा रोकने के लिए इस्तेमाल करती रही, उसकी असलियत पता चली तो लोग सन्न रह गए। कहते हैं कि किस्मत पलटते देर नहीं लगती। एक पत्थर ने उसके मालिक की किस्मत पल भर में ऐसी पलटी कि देखते ही देखते उसके दिन ही बदल गए। रोमानिया की रहने वाली एक महिला ने कई दशकों से एक 3.5 किलो के पत्थर को अपने दरवाजे के पास रखा हुआ था। वह अकसर दरवाजे को अड़ाने के लिए इसका इस्तेमाल कर लेती थी। जानकारी के मुताबिक उसे वह पत्थर एक नदी के किनारे मिल गया था। अब जाकर पता चला है कि यह एम्बर पत्थर है। इसे दुनिया का बेहद बेशकीमती पत्थर माना जाता है। इसकी कीमत लगभग 9 करोड़ रुपये के आसपास है। यह भी पता चला कि लाल रंग का यह पत्थर लगभग 7 करोड़ साल पुराना है। दरअसल एम्बर पत्थर पेड़ों से निकलने वाली गोंद के जमाव से बनता है। अकसर यह सुनहरा या फिर लाल होता है। रोमानिया के कोल्टी में इस तरह के पत्थर पाए जाते हैं। यहां एम्बर पत्थर की तलाश के लिए 100 सालों से खुदाई की जाती है। महिला के घर पर मौजूद पत्थर को रूमेनाइट कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक महिला के घर पर एक बार चोरी भी हुई थी। चोर कई कीमती सामान उड़ा ले गए थे लेकिन तब भी यह पत्थर दरवाजे पर ही पड़ा रह गया। चोर भी अंदाजा नहीं लगा पाए कि यह पत्थर कितना कीमती हो सकता है। 1991 में महिला की मौत के बाद उसके रिश्तेदार इस पत्थर को ले गए। उन्हें लगा कि पत्थर में कुछ तो खास है और इसे बेचकर कुछ कमाई हो सकती है। उन्होंने इसे रोमानिया की सरकार को बेच दिया।

कनाडा में हिंदू मंदिर फिर बना निशाना, ओंटारियो पुलिस को दो आरोपियों की तलाश

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में पिछले कुछ समय से हिंदू मंदिरों पर हमले आम हो गए हैं। ओंटारियो में पुलिस ऐसे दो आरोपियों की तलाश कर रही है, जिन्होंने ग्रेटर टोरंटो एरिया में हिंदू श्री कृष्ण वृंदावन मंदिर में तोड़ फोड़ की थी। आस पास के हिंदू समुदाय के लोगों ने इस हमले की आलोचना करते हुए इसके विरोध में केस दर्ज करवाया था। गुरुवार को जारी एक बयान में पुलिस की तरफ से कहा गया कि हम इस मामले की जांच कर रहे हैं। रविवार को लगभग 1 बजे हुड वाली स्वेटशर्ट पहने दो संदिग्ध लोगों को डाउनटाउन एरिया के एक पब से मंदिर की ओर जाते देखा गया। इसके बाद इन लोगों ने वहां पर पहुंचकर मंदिर की दीवारों पर लगे साइन बोर्ड को फाड़ दिया और मंदिर परिसर को भी नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक उन्होंने मामले की जांच तेजी के साथ शुरू कर दी है। फिलहाल वह दोनों आरोपियों को हिरासत में लेने की कोशिश कर रही है। पुलिस के बयान में कहा गया कि उन्हें पकड़ने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उनकी तस्वीरें जारी कर दी गई है। हिल्स टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला क्षेत्र में बढ़ते हिंदू विरोधी मानसिकता का प्रदर्शन है। अपराधियों ने मंदिर के सामने लगे साइनबोर्ड को बेहद क्रूरता के साथ फाड़ डाला।

लंदन से मुंबई आ रहे यात्री अब भी तुर्किये में फंसे, आपात लैंडिंग के बाद छलका दर्द

लंदन, एजेंसी। लंदन से मुंबई जा रहे वर्जिन अटलांटिक विमान की बीते दिन तुर्किये में आपातकालीन लैंडिंग कराई गई थी। इसके बाद कई भारतीयों समेत 250 से अधिक यात्री तुर्किये के दियारबाकिर हवाई अड्डे पर 30 घंटे से अधिक समय से फंसे हुए हैं। दरअसल, विमान वीएस358 ने 2 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:40 बजे लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और इसे 3 अप्रैल को सुबह 1:40 बजे मुंबई में उतरना था। हालांकि, विमान ने मेडिकल इमरजेंसी की वजह से स्थानीय समयानुसार शाम 7 बजे दियारबाकिर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग की। बताया गया कि सफर के दौरान एक यात्री की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई, जिससे उसे तत्काल चिकित्सकीय मदद मुहैया कराने के लिए विमान को तुर्किये की ओर मोड़ना पड़ा।

यात्रा की आपबीती एक्स पर साझा की : हालांकि, वहां फंसे हुए यात्रियों ने अपनी भयावह यात्रा की आपबीती सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की है। यात्रियों ने भोजन, शौचालय सुविधाओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए चार्जिंग पॉइंट की कमी सहित बुनियादी सुविधाओं की कमी उजागर की है। मामले में आप नेता प्रीति शर्मा-मेनन ने एक्स पर मामले को उठाया और सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने लिखा, 24 घंटे हो गए हैं और एक भी एयरलाइन प्रतिनिधि यात्रियों से नहीं मिला है। उनके पास बमुश्किल ही भोजन है, 275 यात्रियों के बीच एक शौचालय है, फोन की

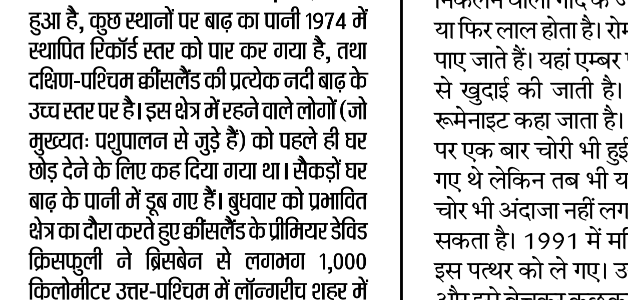

बैटरी खत्म हो रही है, क्योंकि उनके पास तुर्किये के लिए जरूरी एडाप्टर नहीं है। इस परेशानी में बच्चे, गर्भवती महिलाएं, मधुमेह रोगी और बुजुर्ग लोग शामिल हैं।

वर्जिन अटलांटिक एयरलाइंस की सफाई : वर्जिन अटलांटिक एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, जरूरी कार्रवाई पूरी होने के बाद हम आज 12 बजे विमान को मुंबई के लिए रवाना करने की तैयारी कर रहे हैं। अगर आज मंजूरी नहीं मिलती है तो हम कल अपने ग्राहकों को मुंबई की यात्रा पूरी करने के लिए किसी दूसरे तुर्किये एयरपोर्ट पर ले जाएंगे और वैकल्पिक विमान से आगे रवाना करेंगे। दूसरे एयरपोर्ट के लिए यात्रियों को बस मुहैया कराई जाएगी। इस बीच यात्रियों को तुर्किये में रात भर होटल में ठहरने और जलपान की सुविधा दी जा रही है।

भारतीय दूतावास की मामले पर नजर : तुर्किये में भारतीय दूतावास ने भी मामले पर प्रतिक्रिया दी थी। उनकी ओर से कहा गया कि वह हवाई अड्डे और अन्य अधिकारियों के संपर्क में है। बयान में कहा गया, अंकारा स्थित भारतीय दूतावास वर्जिन अटलांटिक एयरलाइंस, दियारबाकिर हवाई अड्डा निदेशालय और तुर्की के विदेश मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में है। मिशन यात्रियों को उचित देखभाल की व्यवस्था कर रहा है। हम इस मामले को शीघ्र सुलझाने और फंसे हुए यात्रियों के लिए मुंबई के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं।

थाईलैंड में म्यांमार के जनरल से पीएम मोदी की मुलाकात, भूकंप से उबरने में हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

बैंकॉक, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थाईलैंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी थाईलैंड में आयोजित हो रहे बिम्सटेक सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। बिम्सटेक सम्मेलन से इतर शुक्रवार को पीएम मोदी ने म्यांमार के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लेइंग से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताई और साथ ही हरसंभव मदद का भी भरोसा दिया।

जनरल मिन के साथ पीएम मोदी की यह पहली मुलाकात : प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार के सैन्य जनरल से मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि बैंकॉक में हो रहे बिम्सटेक सम्मेलन से इतर म्यांमार के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लेइंग से मुलाकात की। एक बार फिर मैंने हालिया भूकंप में जान-माल की हानि के लिए संवेदना प्रकट की। भारत अपने भाई और बहनों की मदद के लिए इस मुश्किल समय में जो कर सकता है, वो हरसंभव मदद कर रहा है। जनरल मिन

फरवरी 2021 में तख्तापलट कर म्यांमार की सत्ता पर काबिज हुए थे, उसके बाद यह पीएम मोदी के साथ उनकी पहली मुलाकात है। पीएम मोदी ने कहा कि हमने भारत और म्यांमार के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की और खासकर कनेक्टिविटी, क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा की।

म्यांमार के शासक ने भारत की मदद की तारीफ की : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जनरल मिन आंग ह्लेइंग ने राहत सहायता के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने गुजरात के भुज भूकंप के दौरान प्रधानमंत्री के पुनर्निर्माण कार्य और नेतृत्व की भी सराहना की और म्यांमार और अन्य देशों के लिए इससे मिली सीख की भी सराहना की। गौरतलब है कि भारत ने भूकंप प्रभावित म्यांमार की मदद के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया है। दोनों नेताओं के बीच करीब 35 मिनट बातचीत चली। इस दौरान म्यांमार के शासक ने 28 मार्च को आए भूकंप के तुरंत बाद भारत के तेजी से मदद भेजने की भी तारीफ की।

भारत ने म्यांमार में मेंडले के पास सैन्य फील्ड अस्पताल बनाए हैं, जहां जरूरतमंदों का इलाज किया जा रहा है। म्यांमार सरकार ने भी इसकी तारीफ की है। साथ ही एनडीआरएफ के जवान भी म्यांमार में राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं। म्यांमार में आए भूकंप में तीन हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं और पांच हजार के करीब लोग घायल हुए हैं। देशभर में 370 से ज्यादा लोग लापता हैं।

मार्शल लॉ लागू करने के लिए राष्ट्रपति यून सुक योल को पद से हटाया गया, संवैधानिक अदालत का फैसला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की संवैधानिक अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल को पद से हटाने का आदेश दिया है। यून सुक योल पर देश में मार्शल लॉ लागू करने और संसद में सेना भेजने का आरोप है। इसके चलते दक्षिण कोरिया में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई थी। मार्शल लॉ लागू करने के चार महीने बाद शुक्रवार को संवैधानिक अदालत ने राष्ट्रपति को पद से हटाने का आदेश दिया।

दो महीने में दक्षिण कोरिया में होंगे चुनाव : विपक्ष द्वारा नियंत्रित नेशनल असेंबली ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई की थी। अब उसके तीन महीने बाद संवैधानिक अदालत ने सर्वसम्मति से राष्ट्रपति को पद से हटाने का फैसला दिया है। अब दक्षिण कोरिया को दो महीने के भीतर नए राष्ट्रपति को चुनना होगा और राष्ट्रीय चुनाव कराने होंगे। विभिन्न सर्वेक्षणों से पता चला है कि विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग, देश का अगला राष्ट्रपति बनने की रेस में सबसे आगे हैं। जब संवैधानिक अदालत ने यून सुक योल को राष्ट्रपति पद से हटाने का फैसला सुनाया तो उस वक्त राजधानी सियोल में यून सुक योल के खिलाफ एक रैली आयोजित हो रही थी। जैसे ही अदालत ने यून सुक योल को पद से हटाने का फैसला सुनाया तो रैली में लोग खुशी से झूम उठे और नाचने लगे। हालांकि बड़ी

संख्या में लोग यून सुक योल का समर्थन भी कर रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में योल के समर्थन में रैलियां भी बढ़ सकती हैं। इससे देश में विभाजन बढ़ सकता है। राष्ट्रपति यून सुक योल ने बीते साल 3 दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था और सैंकड़ों सैनिकों और पुलिस अधिकारियों को नेशनल असेंबली भेज दिया था। यून सुक योल ने तर्क दिया कि उन्होंने सिर्फ सदन में व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसा किया था, लेकिन जांच के दौरान सैन्य अधिकारियों ने बताया कि यून ने उन्हें विपक्षी सांसदों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया था ताकि वे यून के आदेश के खिलाफ मतदान न कर सकें। हालांकि विपक्षी सांसद किसी तरह सफल रहे और उन्होंने योल के आदेश के खिलाफ मतदान कर उसे रद्द करा दिया।

भूकंप का दंश झेल रहे म्यांमार की मदद को आगे आए क्वाड देश, दो करोड़ अमेरिकी डॉलर की देंगे सहायता

वॉशिंगटन/न्यूयॉर्क, एजेंसी। भूकंप का दंश झेल रहे म्यांमार की मदद के लिए अब क्वाड देश भी आगे आए हैं। क्वाड में शामिल भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका ने म्यांमार को दो करोड़ अमेरिकी डॉलर (20 मिलियन) से अधिक की मानवीय सहायता देने का एलान किया है। क्वाड देश लगातार भूकंप से प्रभावित लोगों के लिए म्यांमार को राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं। साथ ही आपातकालीन चिकित्सा दल की तैनाती कर रहे हैं। क्वाड देशों ने एक संयुक्त बयान में भूकंप के बाद म्यांमार और थाईलैंड के लोगों के प्रति सहानुभूति और संवेदना व्यक्त की। बयान में कहा गया कि म्यांमार में पहले से ही गंभीर मानवीय स्थिति में जानमाल की हानि और बुनियादी ढांचे के व्यापक विनाश ने इसे और खराब कर दिया है। क्वाड का प्रयास है कि हमारी प्रतिक्रिया से कुशलता से सहायता पहुंचाई जाए और प्रभावित समुदायों की जरूरतों को पूरा करे। क्वाड की मानवीय सहायता और आपदा राहत भागीदारी ने एक समन्वय समूह स्थापित किया है जो आपदा प्रबंधन पर मानवीय सहायता के लिए आसियान समन्वय केंद्र सहित अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। क्वाड राष्ट्रों ने अस्थायी, आंशिक युद्धविराम का स्वागत किया। उन्होंने सभी पक्षों से उपाय लागू करने, विस्तारित करने और व्यापक बनाने का आह्वान किया। ताकि पूरे म्यांमार में जीवन रक्षक मानवीय सहायता के समय पर वितरण की सुविधा के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण प्रदान किया जा सके। बयान में कहा गया है कि क्वाड सहयोग की उत्पत्ति 2004 के हिंद महासागर भूकंप और सुनामी के बाद हुई है। तब हमने इंडो-पैसिफिक में जरूरत के समय में व्यावहारिक और प्रभावी मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रदान की है। राष्ट्रों ने एक साथ काम

करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

अब तक तीन हजार लोगों की मौत : बीते शुक्रवार यानी 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के भूकंप का केंद्र म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास था। जिससे हजारों इमारतें जमींदोज हो गईं। भूकंप में मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ है। मृतकों की संख्या 3145 हो गई है। वहीं इस विनाशकारी भूकंप के बाद अभी चार हजार से ज्यादा लोग घायल है और कुल 341 लोग लापता हैं। प्रभावित इलाकों में बिजली और पानी की आपूर्ति ठप है। दूरसंचार और इंटरनेट सुविधा भी बाधित है। इसी बीच सेना ने बुधवार को 22 अप्रैल तक अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा की। यह घोषणा सैन्य शासन का विरोध करने वाले सशस्त्र प्रतिरोध समूहों की तरफ से घोषित एकतरफा अस्थायी युद्ध विराम के बाद की गई है।

ईरान की मुद्रा डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान की मुद्रा रियाल शनिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर कारोबार कर करती दिखी। इस बीच, देश लंबी छुट्टी के बाद काम पर लौटा।

फारसी नववर्ष, नौरोज के दौरान मुद्रा बाजार बंद होने और सड़कों पर केवल अनौपचारिक व्यापार होने के कारण रियाल डॉलर के मुकाबले 1 मिलियन रियाल से अधिक गिर गया था। इससे बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना। शनिवार को जब व्यापारियों ने काम फिर से शुरू किया, तो रियाल की दर में और गिरावट आई और यह 1,043,000 प्रति डॉलर के भाव पर पहुंच गया। इससे संकेत मिलता है कि नया निचला स्तर यहीं बना रहेगा।

ईरान की राजधानी तेहरान के फिरदौसी स्ट्रीट पर, जो देश के मुद्रा विनिमय का केंद्र है, कुछ व्यापारियों ने तो वर्तमान दर दर्शाने वाले अपने इलेक्ट्रॉनिक संकेत भी बंद कर दिए। मुद्रा कारोबारियों के बीच इस बात पर अनिश्चितता बनी हुई थी कि रियाल में और कितनी गिरावट आ सकती है।

74 तक टूटेगा एनएचपीसी का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एनएचपीसी के शेयर लगातार कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 1 प्रतिशत से अधिक गिरकर 83.49 रुपये पर बंद हुए थे। हाइड्रो पावर कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 10 प्रतिशत तक गिर गए

हैं। पीएसयू के शेयर की कीमत में भारी गिरावट देखी गई है, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई है। एनएचपीसी के शेयरों में तेज गिरावट ने खुदरा निवेशकों को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है और उनके आत्मविश्वास को भी प्रभावित किया है। एनएचपीसी की कंपनी के मजबूत फंडामेंटल और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बाजार हिस्सेदारी के बावजूद इसके शेयर दबाव में हैं।

क्या है टारगेट प्राइस

ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने सेल रेटिंग और 74 के रिवाइज टारगेट प्राइस के साथ मंदी की ओर रुख किया है। वहीं, सीएलएसए ने शेयर पर अपनी हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म रेटिंग को बरकरार रखा है और प्रति शेयर 117 का प्राइस टारगेट दिया है। विदेशी ब्रोकरेज को यह भी उम्मीद है कि अगले चार सालों में शेयर की कीमत दोगुनी हो जाएगी।

कंपनी के शेयरों के हाल

एनएचपीसी के शेयर की कीमत एक बार 100 रुपये के पार चली गई थी। हालांकि, अब शेयर की कीमत में गिरावट आई है और यह 90 रुपये से भी नीचे कारोबार कर रहा है। एनएचपीसी के शेयर की कीमत पिछले एक साल में 10 फीसदी गिर गई है। हालांकि, एनएचपीसी के शेयर की कीमत ने दो साल में 106 फीसदी, तीन साल में 191 फीसदी और पांच साल में 318 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 52 वीक हाई प्राइस 118.40 रुपये और 52 वीक का लो 71 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 83,866 करोड़ रुपये है।

रॉबर्ट कियोसाकी ने कहा, हम मंदी में हैं

● मंदी को अवसर में बदलने के तरीके बताए ● खुद को शिक्षित करने को बताया सबसे अच्छा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या दुनिया में मंदी आ चुकी है क्या हम मंदी में जी रहे हैं रिच डैड पुअर डैड किताब के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी की मानें तो यह बात पूरी तरह सच है। कियोसाकी ने चेतावनी देते हुए कहा है, हम मंदी में हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह साल 2012 से लोगों को इसके बारे में बता रहे हैं। उन्होंने अपनी किताब रिच डैड्स प्रोफेसी का हवाला दिया। अब उनका कहना है कि काम करने का समय पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।

कियोसाकी समय को एक संपत्ति बताते हैं। उन्होंने कहा, क्या सीखने और बदलाव करने में बहुत देर हो चुकी है नहीं। समय हमेशा आपके लिए एक संपत्ति है। उन्होंने पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था की आलोचना की। उन्होंने इसे [illegible] गलती करने का डर बताया। उनके अनुसार यह डर लोगों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने से रोकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट में बताया है कि इस मंदी को निवेशक के जरिए बड़े अवसर में कैसे बदला जा सकता है।

पिछली पोस्ट का किया जिक्र- अपनी पोस्ट में उन्होंने पिछली पोस्ट का भी जिक्र किया है। कियोसाकी ने लिखा है, मैं एक्स पर अपनी पिछली पोट में

[illegible] यानी फियर ऑफ मिसिंग आउट (पीछे छूट जाने का डर) की तुलना [illegible] यानी फियर ऑफ मेकिंग मिस्टेक्स (गलती करने का डर) से की थी। यह डर स्कूलों में सिखाया जाता है।

किसे बताया सबसे अच्छा निवेश- कियोसाकी का तर्क है कि आज सबसे अच्छा निवेश स्टॉक में नहीं है। बल्कि खुद को शिक्षित करने में है। वह लोगों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लेकिन सावधानी बरतने की सलाह भी देते हैं। उन्होंने कहा, यूट्यूब कुछ सबसे बुद्धिमान लोगों तक पहुंच प्रदान करता है... लेकिन इसमें धोखेबाज पुरुष और महिलाएं भी हैं। कियोसाकी लंबे समय से केवल वॉल स्ट्रीट निवेश पर निर्भर न रहने की सलाह देते रहे हैं। अपने पहले के ट्वीट्स में, उन्होंने रियल एस्टेट, सोना, चांदी और बिटकॉइन जैसी वैकल्पिक संपत्तियों की सलाह दी है। उनका मानना है कि आर्थिक मंदी के दौरान ये सभी बेहतर विकल्प हैं।

...तो इस मंदी में क्या करें

कियोसाकी ने अपनी पोस्ट में बताया है कि मंदी में क्या करें। वह लिखते हैं, तथ्य यह है कि दुनिया में मंदी है। तथ्य यह है कि महंगाई बढ़ रही है और बेरोजगारी भी बढ़ रही है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आप इस मंदी के बारे में क्या करने जा रहे हैं क्या यह मंदी आपको अमीर बनाएगी या गरीब चुनाव आपका है और आपकी शिक्षा का चुनाव मुफ्त हो सकता है। उन्होंने आगे लिखा है, अपना ख्याल रखें और इस मंदी को अपने जीवन की सबसे अच्छी चीज बनाएं।

क्या है पोस्ट का मतलब

रॉबर्ट कियोसाकी लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका मानना है कि मंदी एक अवसर है, डरने की बात नहीं। वे लोगों को पारंपरिक निवेश से हटकर सोना, चांदी और रियल एस्टेट जैसी चीजों में निवेश करने की सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि वित्तीय ज्ञान होना बहुत जरूरी है।

सही जानकारी के साथ, कोई भी मंदी में भी तरक्की कर सकता है। इसलिए, कियोसाकी लोगों को सीखने और बदलाव करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उनका मानना है कि समय हमेशा आपके साथ है और कभी भी शुरुआत करने में देर नहीं होती। यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म से ज्ञान प्राप्त करें, लेकिन सावधान रहें और सही जानकारी चुनें।

सब शेयर-शेयर चिल्लाते रहे, असली रिटर्न तो सोने ने दिया...

25 साल का परफॉर्मेंस हिला देगा दिमाग

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेशकों के लिए सोना एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। यह उन्हें भरोसा दिलाता है कि उनका पैसा भरोसेमंद चीज में लगा है। पिछले दो सालों में और पिछले 25 सालों में भी सोने ने इक्विटी (शेयर बाजार) से बेहतर प्रदर्शन किया है। जेरोधा के सीईओ नितिन कामथ ने सोने और निफ्टी 50 के प्रदर्शन की तुलना की है। उन्होंने पाया कि 2000 से सोने ने 2,027 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, नेशनल स्टॉक

एक्सचेंज के बेंचमार्क इंडेक्स ने 1,470 प्रतिशत का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना मुश्किल समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। कामथ का कहना है कि भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। कामथ ने एक चार्ट भी दिखाया जिसमें सोने और निफ्टी के प्रदर्शन की तुलना की गई। चार्ट में दिखाया गया है कि निफ्टी आर्थिक मंदी के दौरान नीचे गिर गया था, लेकिन सोना स्थिर रहा। उन्होंने कहा, कोई नहीं बता सकता कि सोने की कीमतें क्यों बढ़ती हैं, लेकिन यह काम करता है।

2025 में सोने की कीमत 18 प्रतिशत बढ़ी

हाल के सालों में भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया है। 2025 में सोने की कीमत 18 प्रतिशत बढ़ी, जबकि निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 में 6 प्रतिशत की गिरावट आई। 2024 में सोने ने 25 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी लार्जकैप 250 ने 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना बाजार में अस्थिरता के समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है।

2005 से सोने ने हर साल औसतन 20 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। सिर्फ तीन बार ऐसा हुआ है जब सोने का रिटर्न नेगेटिव रहा है। 2023 में यह 18 प्रतिशत गिरा, 2015 में 8 प्रतिशत और 2021 में 2 प्रतिशत। कामथ ने कहा कि सोने ने इक्विटी से बेहतर रिटर्न दिया है। उन्होंने कहा, मैं तारीखों को थोड़ा बदल रहा हूं, लेकिन यह सच है कि 2000 से सोने ने निफ्टी से ज्यादा रिटर्न दिया है।

सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका

कामथ का सुझाव है कि गोल्ड ईटीएफ भारतीय निवेशकों के लिए सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है। खासकर अब जब [illegible] उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने जेरोधा एएमसी के गोल्ड ईटीएफ GOLDCASE के लॉन्च के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि यह सही समय पर लॉन्च हुआ है, क्योंकि सोने की कीमतें बढ़ रही हैं और SGB का जारी होना बंद हो गया है।

एचएसएल ने 40 साल बाद पहली बार मुनाफा कमाया

कंपनी कर आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार आई थी आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड के लिए अच्छी खबर है। 40 साल के बाद यह कंपनी फायदे में आ गई है। कभी यह शिपयार्ड बंद होने की कगार पर था, लेकिन अब इसकी आर्थिक स्थिति सुधर गई है। यह कंपनी भारतीय नौसेना के लिए जहाज बनाती है। साथ ही पनडुब्बियों की मरम्मत का काम भी करती है। साल 2010 में रक्षा मंत्रालय ने इसे अपने हाथ में ले लिया था। उस समय इस कंपनी की हालत बहुत खराब थी।

अधिकारियों का कहना है कि 2024-25 में एचएसएल ने 1,586 करोड़ रुपये की कमाई की है। उसे 295 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। यह पिछले साल से 36 प्रतिशत ज्यादा है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि 40 सालों में पहली बार कंपनी फायदे में आई है। अब इस कंपनी को मिनीरत्न का दर्जा मिल सकता है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है।

सरकार ने की थी मदद

फरवरी 2010 में रक्षा मंत्रालय ने इस कंपनी को अपने नियंत्रण में ले लिया। साल 2010-11 में इसे 452.68 करोड़ रुपये की मदद दी गई थी। इससे इसे आधुनिक बनाने में मदद मिली। लेकिन फिर भी इसकी हालत खराब रही। 2014-15 तक इस कंपनी का नुकसान 1,023 करोड़ तक पहुंच गया था क्योंकि इसे ज्यादा काम नहीं मिल रहा था और कई दिक्कतें आ रही थीं।

कैसे आई कंपनी फायदे में

कोविड-19 महामारी के कारण कंपनी को बहुत नुकसान हुआ था। लेकिन पिछले चार सालों में चीजें बदलने लगीं। नौसेना से मिले बड़े ऑर्डर और अन्य प्रोजेक्ट्स के कारण मुनाफा बढ़ा। 2023-24 में एचएसएल ने 1,413 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 2020-21 में यह 478 करोड़ रुपये था। इस तरह कारोबार लगभग तीन गुना बढ़ गया। अधिकारियों के अनुसार कंपनी ने लागत कम करने, प्रोडक्शन बढ़ाने और नए आइडिया को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया। पुराने मसलों को भी सुलझाया गया। साथ ही 1,253 करोड़ रुपये की देनदारियों को कम किया गया।

स्टार्ट-अप विवाद में कूदे ईज माइ ट्रिप के सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी, सोशल मीडिया पर लिखा पोस्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा स्टार्ट-अप को लेकर दिए गए बयान पर जारी विवाद में अब ईज माइ ट्रिप कंपनी के सह-संस्थापक रिकांत पिट्टी भी कूद गए हैं। रिकांत ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में रिकांत ने अपनी कंपनी के बदलाव और इसके द्वारा यात्रा को तकनीक की मदद से नया आकार देने का जिक्र किया गया है। साथ ही केंद्रीय मंत्री की तारीफ करते हुए उनके विजन को सही बताया।

रिकांत ने अपनी कंपनी के हालिया नए अभियान ग्रीन मोबिलिटी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने बताया कि साल 2028 में वे चार हजार इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च करने वाले हैं। यह उनके पर्यावरण हितैषी और आत्मनिर्भर यात्रा उपायों के प्रति समर्पण का हिस्सा है। रिकांत ने लिखा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के दूरदर्शी नेतृत्व ने हमें बड़ा सोचने और लगातार नवाचार करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने गहन तकनीक, सतत विकास और भारत के स्टार्ट अप इकोसिस्टम में नवाचार की अहमियत बताई। ईज माइ ट्रिप डॉट कॉम में हम इसे पूरी तरह से आत्मसात कर रहे हैं।

रिकांत ने बताया कि उनकी कंपनी ने योलो बस का अधिग्रहण किया है, जो उनकी कंपनी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। इस कंपनी ने शहरों के भीतर यात्रा की नई कल्पना की है। अब योलो बस की मदद से ईज माइ ट्रिप ने ईजी ग्रीन मोबिलिटी की शुरुआत की है। इस महत्वकांक्षी पहल के जरिए हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सॉल्यूशन विकसित करेंगे, जो भारत में सार्वजनिक परिवहन में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आएंगे। ईज माइ ट्रिप भारत का दूसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन ट्रैनल प्लेटफॉर्म है।

रूस में बायोमेट्रिक तरीके से भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा, केवल मुस्कुराने भर से ही लेनदेन संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया में जारी व्यापार युद्ध की आशंकाओं और अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक रिश्ते में खटास के बीच रूस में आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ा सुधार हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की पहल पर रूस में बायोमेट्रिक भुगतान का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल शुरू हो गया है। यह एक ऐसी भुगतान प्रणाली है, जिसमें यूजर्स फिंगरप्रिंट, चेहरे की पहचान या आइरिस स्कैन के जरिए सुरक्षित लेनदेन कर सकते हैं। रूस के स्पेर बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से भुगतान की कुल राशि 31.1 करोड़ डॉलर तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा 2024 के लेनदेन की संख्या से काफी अधिक है।

रूस में पिछले साल बायोमेट्रिक तकनीक के जरिए लगभग 2.6 करोड़ डॉलर का भुगतान किया गया था। बैंक के अनुसार देश में भुगतान के लिए बने बायोमेट्रिक टर्मिनल्स की संख्या 10 लाख से अधिक हो गई। भुगतान के लिए अब यह तकनीक देश के दूर-दराज क्षेत्रों में भी उपलब्ध है।

बैंक के अनुसार, बायोमेट्रिक भुगतान में स्माइल पेमेंट सर्विस की लोकप्रियता पूरे देश में बढ़ती जा रही है। इसका सबसे ज्यादा इस्तेमाल मॉस्को और पीटर्सबर्ग में होता है। रिपोर्ट में बताया गया कि नागरिकों ने 2025 के पहले तीन महीने में ही 35

मिलियन भुगतान कर लिए हैं।

स्पेर बैंक के उपाध्यक्ष दिमित्री माल्यख के अनुसार रूस दुनिया का ऐसा पहला देश बना गया है, जहां भुगतान के लिए बायोमेट्रिक तकनीक का इस्तेमाल इतने बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। इस तकनीक ने केवल मुस्कुराने भर से भुगतान करना संभव बना दिया है। यह सुविधा 18 वर्ष से अधिक आयु के किसी भी नागरिक के लिए उपलब्ध है । 2025 के पहले तीन महीने के भुगतान की संख्या पहले ही पिछले पूरे साल के आंकड़ों को पार कर चुकी है। इस नई तकनीक को आम लोग बढ़-चढ़ कर अपना रहे हैं। माल्यख ने कहा कि आमतौर पर ऐसी सुविधाओं का विस्तार तीन से चार वर्षों में पूरा होता होता है, लेकिन रूस में यह तकनीक 2023 की गर्मियों में लॉन्चिंग के बाद बहुत कम समय में लोकप्रिय हो गई हैं।

बैंक के विश्लेषण के अनुसार नई तकनीक के मुख्य यूजर 25 से 44 साल के बीच के लोग हैं। कुल उपयोगकर्ताओं में इनकी संख्या 56 प्रतिशत है। वहीं, 31 प्रतिशत यूजर्स की उम्र 45 से 64 वर्ष के बीच है। तकनीक का उपयोग करने वालों 22 से 24 साल और 65 वर्ष के ऊपर के लोग 5 प्रतिशत हैं। वहीं 18 से 21 साल के यूर्जस की संख्या महज 3 प्रतिशत है।

मुद्रा योजना करोड़ों सूक्ष्म उद्यमियों की उम्मीदों को लगा रही पंख

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल में आई फ्रैंकलिन टेंपलटन रिपोर्ट के वा अनुसार, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर उभर रहा है। इसलिए विकसित भारत-2047 की यात्रा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भूमिका अत्यावश्यक है। एमएसएमई में करीब 12 करोड़ नौकरियां हैं, जो रोजगार बाजार में अहम योगदान देते हैं और देश में उद्यमिता संस्कृति को प्रोत्साहन देते हैं।

एमएसएमई के विनिर्माण क्षेत्र की रीढ़ होने के बावजूद, क्रेडिट तक पहुंच की कमी, विशेष रूप से औपचारिक चैनलों की ओर से लेंडिंग बड़ी चुनौती रही है। एमएसएमई क्षेत्र को संस्थागत वित्तपोषण की आवश्यकता है, जिससे इन अनौपचारिक उद्यमों को मुख्यधारा में लाया जा सके और अर्थव्यवस्था में आय निर्माण और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले। 8 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और माइक्रो यूनिट्स डवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लि. (मुद्रा लिमिटेड) का शुभारंभ इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ऐतिहासिक पहल थी। मुद्रा योजना ने एक

दशक में करोड़ों सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीय प्रणाली से क्रेडिट प्राप्त करने में सहायता की है।मुद्रा योजना ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों, सूक्ष्म वित्त संस्थानों सहित कई कर्ज देने वाली संस्थाओं के माध्यम से अब तक वंचित गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि लघु व्यवसायों को सफलतापूर्वक वित्त पोषण प्रदान किया है। इसके अंतर्गत स्वीकृत और वितरित की गई संचयी राशि 33.54 लाख करोड़ रुपये और 32.76 लाख करोड़ रही, जो लगभग 53 करोड़ लोन खातों को कवर करती है। बिना गारंटी लोन की पेशकश करके मुद्रा योजना स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है। इसने नई नौकरियों को सुगम बनाया है और बेरोजगारी को, खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, कम किया है।

बीते दशक में मुद्रा ने वित्तपोषकों को पुनर्वित्तपोषित करके छोटे व्यवसायों के विकास को प्रोत्साहन देने के अपने उद्देश्य को पूरा किया है। एसआईडीबीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तौर पर, मुद्रा लि. ने वित्तीय सेवाओं को, खासकर जमीनी स्तर पर काम करने वाले सूक्ष्म उद्यमों के लिए, अधिक सुलभ और समावेशी बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। इसने इन छोटे व्यवसायों को बिचौलियों के चंगुल से निकालने में मदद की है और उन्हें अपनी विकास क्षमता को उजागर करने के लिए जरूरी वित्तीय संसाधन प्रदान किए हैं।

देश के सभी जिलों में वितरित लोन के साथ, मुद्रा लोन ने क्षेत्रीय और संतुलित विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। छोटे व्यवसायों की बढ़ती जरूरतों को समझते हुए सरकार ने हाल में लोन की नई श्रेणी तरुण प्लस की शुरुआत की, जो लोन की राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर देती है। इस सुधार ने उन उद्यमियों के प्रयासों को मान्यता दी, जिन्होंने असाधारण क्रेडिट योग्यता और पुनर्भुगतान क्षमता का प्रदर्शन किया है। तरुण प्लस से पहले मुद्रा लोन तीन लोन श्रेणियों के माध्यम से दिए जाते थे- शिशुः 50,000 रुपये। किशोरः 50,000 से अधिक और 5 लाख तक के लोन और तरुण...5 लाख से अधिक और 10 लाख तक के लोन। इस योजना में कार्यशील पूंजी सुविधा के रूप में सावधि लोन भी दिए जाते हैं। विभिन्न ऋण संस्थानों की ओर से उधारकर्ताओं को रुपे प्लेटफॉर्म पर मुद्रा डेबिट कार्ड जारी किया जाता है।

महिला उद्यमियों को मिली वित्तीय स्वतंत्रता

मुद्रा योजना के तहत 68 फीसदी महत्वपूर्ण मुद्रा लोन महिला उद्यमियों को दिए गए हैं, जिससे उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने और अपने परिवारों और समुदायों में सार्थक योगदान करने का अधिकार मिला है। इसके अतिरिक्त, समाज के कमजोर वर्ग जैसे एससी, एसटी और ओबीसी प्रमुख लाभार्थी रहे हैं, जिन्होंने मुद्रा लोन का 50 फीसदी प्राप्त किया है। मुद्रा नए उद्यमियों/लोन के साथ उद्यमशीलता की संस्कृति को भी प्रोत्साहन दे रही है। खातों को दिए गए 21 फीसदी मुद्रा लोन के साथ उद्यमशीलता की संस्कृति को भी प्रोत्साहन दे रही हैं।

टैरिफ को लाभ में बदलने के लिए 3 साल तक पीएलआई की अवधि बढ़ाना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के टैरिफ से पैदा हुए अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारत को उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन यानी पीएलआई को कई और क्षेत्रों में बढ़ाने के साथ इसकी अवधि को भी तीन साल तक बढ़ाने की जरूरत है। एसबीआई की रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि इससे वैश्विक

स्तर पर भारत को निर्यात में प्रतिस्पर्धा करने में मजबूती मिलेगी। एसबीआई ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, चीनी और भारतीय वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाया गया है। ऐसे में भारत अमेरिकी बाजार का एक बड़ा हिस्सा हथियाने के एक दुर्लभ अवसर की ओर अपने आप को देखता हुआ पाता है। इस अवसर को विनिर्माण क्षेत्र में उछाल में बदलने जरूरत होगी। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के नए ठिकानों की तलाश के बीच भारत सरकार अपनी 23 अरब डॉलर की विनिर्माण योजना को समाप्त करने की योजना बना रही है। इसे मूल 14 क्षेत्रों से आगे भी नहीं बढ़ाया जाएगा। एसबीआई ने रिपोर्ट में कहा, सरकार को भारतीय निर्यातकों को इस उथल-पुथल से लाभ उठाने में मदद करने के लिए पीएलआई योजनाओं को मजबूत करना चाहिए।

जिसने करियर बर्बाद करने का लगाया आरोप, उसी ने अब ष्ट्स्य से खिलवाड़ करने को लेकर धोनी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी सवालों के कठघरे में हैं. इसके पीछे की वजह है उनका मौजूदा परफॉर्मेन्स. ना तो धोनी बड़ा स्कोर बना रहे हैं और ना ही मैच को फीनिश करते दिख रहे हैं. टीम के सफल रन चेज में अब उनका योगदान ना के बराबर दिखता है. और, ये बात सिर्फ आईपीएल 2025 की नहीं है. बल्कि पिछले सीजन में भी उनका कुछ ऐसा ही हाल था. बहरहाल, नाकाम होते धोनी पर अब पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने निशाना साधा है. उन्होंने बातों ही बातों में धोनी पर आईपीएल से खिलावाड़ करने का आरोप लगाया. घरेलू क्रिकेट में बंगाल से खेलने वाले ये वही मनोज तिवारी हैं, जिन्होंने कुछ समय पहले धोनी पर खुद का करियर तबाह करने जैसा बड़ा इल्जाम भी लगाया था.

आईपीएल 2023 के बाद धोनी को रिटायर होना चाहिए था'

मनोज तिवारी ने क्रिकबज पर कहा कि उनकी समझ से धोनी को उसी वक्त रिटायर हो जाना चाहिए था, जब आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स ने खिताब जीता था. वैसा ना करके धोनी ने जो इज्जत कमाई थी या जो फैंस का भरोसा जीता था, पिछले सीजन से उसकी नींव हिली है, क्योंकि फैंस उनसे जैसे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं, वैसा वो अब नहीं कर पा रहे.

ये तो खिलवाड़ है!

मनोज तिवारी ने स्टीफन फ्लेमिंग के दिए उस बयान पर भी हमला बोला, जिसके मुताबिक धोनी 10 ओवर से ज्यादा बैटिंग नहीं कर सकते. भाग नहीं सकते. पूर्व भारतीय क्रिकेटर के मुताबिक ये बात उनकी समझ से परे है कि जब बारी 20 ओवर तक फील्डिंग करने, स्टंपिंग करने और डाइव लगाकर गेंद को रोकने की आती है, तो आपके घुटने में चोट नहीं होती. लेकिन बात जब टीम को जिताने की आती है तो घुटने की चोट आड़े आ जाती है.

टीम हित में नहीं धोनी के फैसले- मनोज तिवारी

मनोज तिवारी के मुताबिक धोनी को किसी को बताना चाहिए कि अब उनसे नहीं हो पा रहा. और, अब उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए. उन्होंने ये भी कि उनकी समझ से ष्ट्स्य का सारा डिसीजन एमएस धोनी कर रहे हैं. पर वो जो डिसीजन ले रहे हैं वो टीम हित में नहीं हैं.

करियर बर्बाज करने का भी लगा चुके हैं आरोप

संन्यास ना लेकर ष्ट्स्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाने वाले मनोज तिवारी ने ही धोनी पर खुद का करियर तबाह करने का भी इल्जाम लगाया था. उन्होंने कहा कि धोनी कप्तान थे. वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाने और प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद उन्हें और मौके मिलने चाहिए थे, जो कि नहीं मिले. उन्हें शतक लगाने के बावजूद टीम से ड्रॉप कर दिया गया. जबकि उस समय रन नहीं बना पहे विराट, रैना, रोहित को टीम में बनाए रखा गया. मनोज तिवारी के मुताबिक 6 महीनों के अंतराल में वो 14 मैचों से बाहर रहे.

आईपीएल 2025 में जिसे किसी टीम ने नहीं खरीदा, उस खिलाड़ी ने 150 साल में सबसे बड़ा स्कोर बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल2025 के ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस के साथ उतरे थे, मगर इंग्लैंड के टॉम बैंटन किसी टीम के पॉकेट में फिट नहीं बैठ सके. उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला. लिहाजा, उन्हें आईपीएल खेलने का लाइसेंस नहीं मिला. लेकिन, वो कहते हैं ना कि जो होता है अच्छे के लिए होता है. आईपीएल 2025 में नहीं बिकने वाले बैंटन ने अब समरसेट से काउंटी के डिवीजन 1 मुकाबले में खेलते हुए 150 साल में सबसे बड़ा स्कोर बनाया है. उन्होंने ये बेमिसाल कारनामा वूर्सेस्टरशर के खिलाफ किया. टॉम बैंटन ने 381 गेंदों पर बनाए 344 रन

टॉम बैंटन ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 381 गेंदों का सामना करते हुए 344 रन बनाए, जिसमें 53 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. वो अब तक कुल 496 मिनट बैटिंग कर चुके हैं. 344 रन पर नाबाद बैंटन के सामने अब तीसरे दिन अपने स्कोर को और बड़ा करने की चुनौती होगी.

RCB के खिलाफ मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस में हुए शामिल

आईपीएल 2025 में बुमराह की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 अप्रैल को मुंबई इंडियंस को अपने होम ग्राउंड पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है. लेकिन, उससे पहले अच्छी बात ये हुई है कि बुमराह ने टीम को जॉइन कर लिया है. हालांकि, बुमराह आईपीएल के खिलाफ मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन पाएंगे, इसे लेकर अभी सस्पेंस है.

बुमराह कब खेलेंगे आईपीएल 2025 में पहला मैच?

बैक सर्जरी के बाद बुमराह आईपीएल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे, जहां से पिछले दिनों एक रिपोर्ट में उन्हें लेकर कहा गया था कि अभी उनकी वापसी पर सस्पेंस है. लेकिन, अब बुमराह के मुंबई इंडियंस को जॉइन कर लेने की खबर सामने आ चुकी है.

जहां तक बुमराह के मैच खेलने की बात है, तो फिलहाल उसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है. लेकिन, ऐसा माना जा रहा कि वो 13 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेल सकते हैं. 2013 से मुंबई इंडियंस के साथ बुमराह

जसप्रीत बुमराह साल 2013 से ही मुंबई के पेस अटैक की ताकत बने हैं. तब से अब तक वो मुंबई इंडियंस के लिए 133 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 165 विकेट अपने नाम किए हैं. बुमराह बैक इंजरी के चलते आईपीएल 2023 में नहीं खेल सके थे.

आर्चर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहली गेंद पर विकेट का राज खोला, मुझे उम्मीद नहीं थी...

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स पर राजस्थान रॉयल्स की 50 रनों की जीत की नींव रखने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कहा कि दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर विकेट मिलना टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाने और मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ियों में ऊर्जा भरने में अहम भूमिका निभा सकता है। सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैचों में आर्चर ने बिना विकेट लिए क्रमशः 76 और 33 रन दिए।

लेकिन आर्चर ने गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स पर राजस्थान की जीत में 1-13 के स्पेल से खुद को साबित किया। शनिवार को मुलनपुर में आर्चर ने अपने बेहतरीन खेल का परिचय देते हुए प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर को पहले ओवर में 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलता किया और फिर अर्शदीप सिंह को आउट करके राजस्थान को पंजाब के खिलाफ 3-25 के प्रभावशाली स्पेल से जीत दिलाई। आर्चर ने कहा, मैंने सोचा कि अगर मैं खिलाड़ियों को अच्छी शुरुआत दे सकता हूं, तो दूसरे छोर से गेंदबाज भी यही करेगा और उम्मीद है कि दबाव उन पर बना रहेगा। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि गेंद को थोड़ा और स्विंग करना चाहिए था। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह इतना स्विंग नहीं करेगी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहली गेंद पर विकेट लेने में सफल रहा और लय सेट कर पाया। इससे सभी को ऊर्जा मिली और मुझे खुशी है कि अंत में हमें जीत मिली।

राजस्थान रॉयल्स की सलामी जोड़ी अद्भुतः माइकल क्लार्क

मुबंई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और टीवी कमेंटेटर माइकल क्लार्क ने टाटा आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी अदभुद है और यह किसी भी मैच में पासा पलटने की कुव्वत रखती है। कुहल फैन्स मैच सेंटर लाइव ऑन जियोहॉटस्टार पर क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल ने आज शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि वह पहले के मैचों की तुलना में शुरुआत में थोड़ा ज़्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स ने उसे आत्मविश्वास दिया और वहीं से गति पकड़ी। अगर आप उसके वैगन व्हील को देखें, तो वह पार्क के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह खुद को बस कुछ गेंदें दे, यहां तक कि पहले ओवर में ज़मीन पर हिट करने की कोशिश करे, तो वह बहुत विनाशकारी हो सकता है। उन्होने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स एक अलग टीम है जब उनका ओपनिंग कॉम्बिनेशन आग उगलता है। वे बहुत शक्तिशाली हैं। रियान पराग के बारे में संजय मांजरेकर ने कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए रियान पराग की पारी और भी महत्वपूर्ण थी। हां, जायसवाल ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी, लेकिन वह 14वें ओवर में आउट हो गए। उसके बाद, पराग ने अपना समय लिया और मुझे थोड़ी चिंता हुई कि शायद वह बहुत धीमी गति से खेल रहे हैं, लेकिन फिर उन्होंने धमाका कर दिया। अब वह जानते हैं और भरोसा करते हैं कि वह धीमी शुरुआत की भरपाई कर सकते हैं।

75 मैच में 1 बार चलते हैं, 156 के स्ट्राइक रेट वाले पंजाब किंग्स के खिलाड़ी पर संजय मांजरेकर ने साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खराब प्रदर्शन कर रहे पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में 156 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट वाला ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैली धूमकेतु की तरह है। वह 75 में से एक मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। मांजरेकर ने मैक्सवेल के फॉर्म को लेकर यह बात तब कही जब 36 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार (6 अप्रैल) को मुल्लांपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब को संकट से उबारने में असफल रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सातवें ओवर में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे मैक्सवेल बाउंड्री लगाने के लिए संघर्ष करते रहे और 21 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, हैली धूमकेतु सूर्य की परिक्रमा करता है और पृथ्वी से हर 75 साल में एक बार दिखाई देता है। ठीक उसी तरह ग्लेन मैक्सवेल 75 में से एक मैच में अच्छा खेलते हैं। इसे आखिरी बार 1986 में देखा गया था और अब इसे 2061 में देखा जाएगा। बल्लेबाजी में मैक्सवेल के साथ भी यही स्थिति है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं चले

मैक्सवेल इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ शून्य पर आउट हो गए थे। अगर उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू के फैसले को रिव्यू करने का विकल्प चुना होता तो बच जाते। मैक्सवेल के फॉर्म में गिरावट चैंपियंस ट्रॉफी में देखने को मिली थी। ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में भारत से हारकर बाहर हो गया था। उन्होंने तीन मैचों में केवल 39 रन बनाए थे।

पीएसजी ने 13वीं बार लीग-1 का खिताब जीता; ला लिगा में रियल मैड्रिड हारा

लंदन, एजेंसी। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया।

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार एंजर्स को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही उसने छह मैच शेष रहते हुए ही फ्रांसीसी फुटबॉल लीग, जिसे लीग-1 भी कहा जाता है, उसका खिताब अपने नाम किया। पीएसजी का यह लीग-1 में 13वां खिताब है और इस तरह से उसने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। वहीं, विनीसियस जूनियर पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए और इस वजह से रियाल मैड्रिड को स्पैनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने घरेलू मैदान पर वालेंसिया के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, रियल मैड्रिड की चिर प्रतिद्वंद्वी टीम बार्सिलोना को रियल बेटिस ने 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

बार्सिलोना और रियल मैड्रिड को मिली हार

बार्सिलोना के पास ला लिगा की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत करने का सुनहरा मौका था, लेकिन लामिने यमाल और कुछ खिलाड़ियों द्वारा गोल का मौका चूकने की वजह से टीम जीत नहीं हासिल कर सकी। बार्सिलोना के लिए एकमात्र गोल गावी ने सातवें मिनट में दागा, जबकि बेटिस के लिए गोल नतान ने 17वें मिनट में किया। इसके बाद कोई गोल नहीं हो सका। वहीं, इससे पहले वालेंसिया ने शानदार खेल दिखाते हुए रियल मैड्रिड को हरा दिया। वालेंसिया के गोलकीपर जियोर्गी ममार्दशविली ने विनीसियस को शुरू में मिली पेनल्टी पर गोल नहीं करने दिया। इसके बाद 17वें मिनट में मोक्टार डायखाबी ने वालेंसिया को आगे कर दिया। विनीसियस ने 50वें मिनट में बराबरी का गोल किया। हालांकि, इंजरी टाइम यानी 90+5वें मिनट में ह्यूगो डूरो ने गोल दाग रियल मैड्रिड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच के ड्रॉ छूटने से बार्सिलोना के 30 मैच में 67 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर चार अंक की बढ़त हासिल कर ली है। रियाल मैड्रिड के 30 मैच में 63 अंक हैं। प्रतियोगिता में अभी आठ दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

पीएसजी की जीत है खास

पीएसजी की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उसने चैंपियन बनने की राह तक एक भी मैच नहीं गंवाया। ट्रॉफी अपने नाम पर सुरक्षित करने के लिए उसको एंजर्स के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन युवा स्ट्राइकर डेसिरे डौए के गोल की मदद से उसने जीत के साथ जश्न मनाया। मैच समाप्त होने के बाद पीएसजी के खिलाड़ियों ने कोच लुई एनरिक को कंधे पर उठा लिया। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2–1 से हराया। पीएसजी ने अपने अभियान में अभी तक 80 गोल किए हैं, जबकि उसने केवल 26 गोल खाए हैं।

सिनर बोले-डोपिंग मामले में मेरे फिजियो की गलती

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर 1 इटालियन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर पर डोपिंग के चलते वर्ल्ड एंटी डोपिंग एसोसिएशन (वाडा) ने हाल ही में बैन लगाया था। पिछले साल उनके 2 डोपिंग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उनपर इस साल 9 फरवरी से 4 मई तक का बैन लगाया गया था। दरअसल, मार्च 2024 में हुए इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के दौरान उनके शरीर में एक क्लोस्टेबोल नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया। यह पदार्थ उनके शरीर में एक स्प्रे के माध्यम से गया था। शनिवार को सिनर ने बैन के बाद स्काई स्पोर्ट्स को अपना पहला इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कहा,

यह मेरे फिजियोथेरेपिस्ट की गलती थी- सिनर : इंटरव्यू में सिनर ने कहा, यह पदार्थ मेरे फिजियोथेरेपिस्ट के स्प्रे के जरिए गलती से मेरे शरीर में आया था। इस स्प्रे को उनके फिजियो ने सिनर के एक कट को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान वे दस्ताने पहनना भूल गए। जिसकी वजह से यह पदार्थ सिनर के शरीर में चला गया। हालांकि इस घटना के बाद सिनर ने उस फिजियोथेरेपिस्ट को हटा दिया था।

लगातार दूसरी बार जीता था ऑस्ट्रेलियन ओपनः जैनिक सिनर ने इस साल जनवरी में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। इसी के साथ उन्होंने अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। वो 2006 में फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल के बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब बरकरार रखने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

संजू सैमसन ने शेन वॉर्न को पीछे छोड़ा, आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के सबसे सफल कप्तान बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स पर 50 रन की शानदार जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन फ्रेंचाइजी के सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। मुल्लानपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सैमसन ने कप्तान के तौर पर 32वीं जीत दर्ज की करते हुए दिग्गज शेन वॉर्न की 31 जीत को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल के पहले सीजन 2008 में राजस्थान को खिताब दिलाने वाले वॉर्न ने 55 मैचों में 31 जीत दर्ज की थीं। सैमसन ने अब 62 मैचों में 32 जीत दर्ज की हैं जिससे रॉयल्स के सबसे सफल कप्तान के तौर पर उनकी विरासत मजबूत हुई है।

मैच की बात करें तो घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला खेलने उतरी पंजाब किंग्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शर्मनाक हार (50 रन) झेलनी पड़ी है। मुल्लांपुर के स्टेडियम में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। राजस्थान ने जायसवाल के अर्धशतक और रियान पराग के महत्वपूर्ण रनों की बदौलत पहले खेलते हुए 4 विकट खोकर 205 रन बना लिए। जवाब में खेलने उतरी पंजाब टीम ने 43 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। नेहल वडेहरा और मैक्सवेल ने कुछ रन बनाए लेकिन यह जीत (155-9 रन) के लिए काफी नहीं थे। पंजाब की यह सीजन में पहली हार भी है। इससे पहले खेले गए दो मुकाबलों में उन्होंने गुजरात टाइटंस को 11 रन से तो लखनऊ सुपर जायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया था। वहीं, राजस्थान की चार मैचों में दूसरी जीत है। उन्होंने हैदराबाद और कोलकाता के खिलाफ पहले दो मुकाबले गंवा दिए थे।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के तौर पर आईपीएल में सबसे ज़्यादा जीत

32 - संजू सैमसन (62 मैच)
31 - शेन वॉर्न (55 मैच)
18 - राहुल द्रविड़ (34 मैच)
15 - स्टीवन स्मिथ (27 मैच)
9 - अजिंक्य रहाणे (24 मैच)

आईपीएल कप्तान के तौर पर सबसे ज़्यादा लगातार जीत

10 - गौतम गंभीर (2014-15)
8 - शेन वॉर्न (2008)
8 - श्रेयस अय्यर (2024-25)
7 - एमएस धोनी (2013)

सेहत के लिए वरदान है एक कटोरी अनार

किस समय खाना ज्यादा फायदेमंद?

अनार में विटामिन सी, विटामिन के, पोटैशियम, आयरन, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं। इस तरह के पोषक तत्वों की वजह से अनार को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। जो लोग रेगुलरली अनार का सेवन करते हैं, वो सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बच सकते हैं। आइए अनार खाने के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

अनार को ब्रेकफास्ट में शामिल करने की सलाह दी जाती है। सुबह-सुबह एक कटोरी अनार खाना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो हर रोज नाश्ते में एक कटोरी अनार खाना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों में खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम

अनार में पाए जाने वाले तत्व आपकी कमजोर इम्यूनिटी को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको अनार को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अनार को दिल की सेहत के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है।

क्या आप जानते हैं कि आप रेगुलरली अनार का सेवन कर अपनी गट हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं? कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप अपने डेली डाइट प्लान में अनार को शामिल कर सकते हैं। अनार आपकी मेमोरी को इम्प्रूव करने में भी कारगर साबित हो सकता है। अनार आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा की रंगत को सुधारने का काम भी कर सकता है।

ऐसे करेंगे बादाम का सेवन तो सेहत को मिलेंगे कई बेहतरीन फायदे

जब बात हेल्दी स्नैकिंग की आती है तो बादाम का सेवन बेहद फायदेमंद माना जाता है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर इस ड्राईफ्रूट का सेवन सुबह के समय करने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। लेकिन क्या आप बादाम को खाने का सही तरीका जानते हैं? चलिए, आज हम आपको बताते हैं बादाम खाने से कौन से फायदे होते हैं और इसे खाने का सही तरीका क्या है?

बादाम खाने से मिलते हैं ये फायदेः

हड्डियों को बनाता है मजबूत- बादाम कैल्शियम का एक बेहतरीन स्रोत है जो मज़बूत हड्डियों और दांतों के लिए ज़रूरी है। बादाम को खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है और यह हड्डियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।

दिल के लिए फायदेमंद- बादाम में मोनोअनसैचुरेटेड फैट होता है जो दिल के लिए बहुत अच्छी है। बादाम, बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करता है। बादाम में मौजूद मैग्नीशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है, जिससे दिल को अतिरिक्त सुरक्षा मिलती है।

पाचन करे बेहतर- बादाम को रातभर भिगोने से एंजाइम

रिलीज़ होते हैं, जिससे उन्हें पचाना आसान होता है। उन्हें छीलने से सख्त त्वचा निकल जाती है, जो पेट के लिए कठोर हो सकती है। इससे पेट फूलना कम होता है और पाचन बेहतर होता है, जिससे आपके पेट को सुचारू पाचन के लिए ज़रूरी सहायता मिलती है। स्किन के लिए लाभकारी- भीगे हुए बादाम एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ई और स्वस्थ वसा से भरे ह

सुबह की ताजा हवा में वॉक करने से कोसों दूर रहती हैं ये बीमारियां

दादी नानी आज भी कहती हैं किस इंसान का शरीर काम के लिए बना है। काम यानि फिजिकल वर्क, लेकिन पिछले कुछ सालों में लोगों ने फिजिकल वर्क करना एकदम कम कर दिया है। जिसकी वजह से शरीर बीमारियों का घर बनता जा रहा है। खराब हो रही लाइफस्टाल को ठीक करने के लिए रोजाना वॉक से शुरुआत करें। जिन लोगों की सिटिंग जॉब है उन्हें रोजाना कुछ मिनट की वॉक जरूर करनी चाहिए। जिस तरह हेल्दी खाने से शरीर को एनर्जी और पोषण मिलता है ठीक उसी तरह सुबह की वॉक फिट रहने के लिए जरूरी है। घर के बड़े रोजाना सुबह ताजा हवा में टहलने की सलाह देते हैं।

एक्सपर्ट्स की मानें तो सुबह टहलने से कई गंभीर बीमारियां शरीर से कोसों दूर रहती हैं। सुबह सिर्फ 30 मिनट की वॉक आपके शरीर को फिट रख सकती है। रोजाना वॉक करने के अनगिनत फायदे हैं। इसलिए आसल छोड़कर आज से ही वॉक शुरू कर दें।

सुबह वॉक करने के फायदे

मजबूत होगा इम्यून सिस्टम- फिट रहने के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना सबसे जरूरी है। इसके लिए आपको अच्छी हेल्दी डाइट लेनी चाहिए साथ ही कुछ मिनट की वॉक जरूर करनी चाहिए। सुबह की ताजा हवा में वॉक करने से शरीर कई बीमारियों और इंफेक्शन से बचता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

जोड़ों के दर्द में आराम- अर्थराइटिस और गठिया के मरीज को सुबह जरूर कुछ देर वॉक करनी चाहिए। जिन्हें जोड़ों में दर्द की समस्या रहती है उनके लिए सुबह की वॉक किसी दवा की तरह काम करती है। सुबह वॉक करने से शरीर को फ्रेश एयर और जोड़ों को ज्यादा ऑक्सीजन मिलता है। जिससे दर्द में आराम मिलता है।

वजन घटाने में तेजी- जो लोग वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं उनके लिए वॉक सबसे जरूरी है। वेट लॉस के दौरान की गई फिजिकल एक्टिविटी कई गुना असर दिखाती है। मोटापा कम करने के लिए रोजाना पैदल चलना शुरू कर दें। वॉक से कैलोरी बर्न होंगी और वजन भी तेजी से कम होने लगेगा।

हार्ट रहेगा हेल्दी- दिल की सेहत के लिए वॉक को सबसे ज्यादा फायदेमंद बताया जाता है। हार्ट के मरीज को सुबह कुछ देर वॉक करनी चाहिए। इससे दिल स्वस्थ रहता है। वॉक करने से दिल की बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है।

डायबिटीज और हाई बीपी में असरदार- कुछ देर पैदल चलना डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद साबित होता है। शुगर के मरीज को रोजाना 30 मिनट पैदल जरूर चलना चाहिए। शुगर में सुबह की वॉक असरदार काम करती है। सुबह वॉक करने से हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करना भी आसान होता है।

आपको खुद ही रखनी होगी किडनी रोग के इन लक्षणों पर नजर

एक शोध में पता चला है कि क्रोनिक किडनी की बीमारी अक्सर अनियंत्रित हो जाती है, लेकिन शुरुआती संकेत पता लगाने से इसे काबू किया जा सकता है। क्रोनिक किडनी डिजीज को हिंदी में दीर्घकालिक गुर्दा रोग कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें किडनी का कार्य धीरे-धीरे खराब होने लगता है। यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है और समय के साथ गंभीर रूप ले सकती है। सिर्फ 50प्रतिशत लोगों में ही इस बीमारी का निदान हो पाता है।आज हम आपको बताते हैं कि आपकी किडनी क्या काम करती है, और जब वे असफल होते हैं तो क्या होता है?

किडनी का क्या काम होता है

किडनी का मुख्य कार्य शरीर से विषाक्त पदार्थ (टॉक्सिन) और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालना होता है। जब किडनी अपनी कार्यक्षमता खोने लगती है, तो शरीर में टॉक्सिन और फ्लूइड जमा होने लगते हैं, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। गुर्दे की विफलता वाले अधिकांश रोगियों को डायलिसिस कराना होता है, जो कृत्रिम रूप से किडनी के कचरे को फ़िल्टर करने और शरीर से तरल पदार्थ को हटाने के काम को दोहराता है। डायलिसिस उपचार बेहद बोझ है। मरीजों को आमतौर पर प्रति सप्ताह कई बार प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, प्रत्येक सत्र में कई घंटे लगते हैं और यह मृत्यु, विकलांगता और गंभीर जटिलताओं के एक बड़े जोखिम के साथ आता है।

क्रोनिक किडनी डिजीज के प्रमुख कारण

लंबे समय तक ब्लड शुगर का उच्च स्तर किडनी को नुकसान पहुंचाता है। लगातार उच्च रक्तचाप किडनी की रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता घटती है। लगातार यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन होने से किडनी को नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक किडनी स्टोन का रहना भी किडनी फेलियर का कारण बन सकता है। अधिक मात्रा में धूम्रपान और शराब का सेवन** किडनी को कमजोर करता है। इसके अलावा दर्द निवारक दवाओं का अधिक सेवन किडनी के लिए हानिकारक होता है। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में किडनी की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।

क्रोनिक किडनी डिजीज के शुरुआती लक्षण

शुरुआत में क्रोनिक किडनी डिजीज के लक्षण बहुत हल्के होते हैं, लेकिन समय के साथ ये गंभीर हो जाते हैं। इसके शुरुआती लक्षणों में शामिल हैं-

» बिना किसी वजह केलगातार थकान और सुस्ती महसूस होना।

» बार-बार

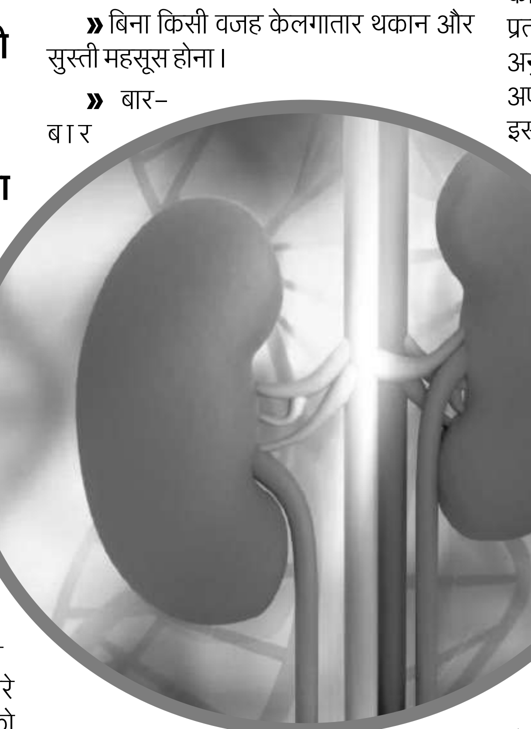

पेशाब आना या पेशाब का रंग गहरा होना।

» किडनी सही से काम नहीं करती, तो शरीर में पानी जमाहोने लगता है, जिससे सूजन आ जाती है।

» खाने में रुचि कम हो जाना और अक्सर जी मिचलाना या उल्टी महसूस होना।

» किडनी की खराबी के कारण ब्लड प्रेशर लगातार बढ़ा रहता है।

» किडनी सही से काम न करे, तो शरीर में टॉक्सिन जमा होने लगते हैं, जिससे त्वचा में खुजली और रूखापन हो सकता है।

» शरीर में पानी जमा होने से फेफड़ों में सूजन आ सकती है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है।

» किडनी प्रभावित होने पर कमर के निचले हिस्से या पीठ में दर्द हो सकता है।

क्रोनिक किडनी डिजीज का इलाज

किडनी फंक्शन टेस्ट, ब्लड टेस्ट और यूरिन टेस्ट के जरिए सीकेडी का पता लगाया जाता है। किडनी फेल होने की स्थिति में डायलिसिस के जरिए रक्त को साफ किया जाता है। यदि किडनी की स्थिति अत्यधिक खराब हो जाती है, तो किडनी प्रत्यारोपण किया जाता है। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाइयां लें और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। मोटापा किडनी पर दबाव डालता है, इसलिए वजन नियंत्रण में रखें। अपनी डाइट में हरी सब्जियां, ताजे फल और साबुत अनाज का सेवन करें।

मरीज को पूछने चाहिए ये सवाल

जो लोग पुरानी किडनी रोग के लिए जोखिम में हैं या जिन्होंने शुरुआती चरण की बीमारी विकसित की है, वे इस संभावना को कम करने के लिए कई कदम उठा सकते हैं कि यह गुर्दे की विफलता के लिए प्रगति करेगा। सबसे पहले, मरीज अपने डॉक्टरों से क्रोनिक किडनी रोग के बारे में पूछ सकते हैं, खासकर यदि उनके पास उच्च रक्तचाप या मधुमेह जैसे जोखिम कारक हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जो मरीज सवाल पूछते हैं, अनुरोध करते हैं और अपने स्वास्थ्य देखभाल यात्रा के दौरान अपने प्रदाता के साथ चिंताएं बढ़ाते हैं, उनके स्वास्थ्य परिणाम बेहतर होते हैं और उनकी देखभाल से अधिक संतुष्ट होते हैं। पूछने के लिए कुछ विशिष्ट प्रश्नों में शामिल हैं फ्रक्या मैं क्रोनिक किडनी रोग विकसित करने का खतरा हूं?फ्र और फ्रक्या मुझे क्रोनिक किडनी रोग के लिए परीक्षण किया गया है?फ्र अध्ययनों से पता चलता है कि क्रोनिक किडनी रोग वाले मरीज जिनके मेडिकल रिकॉर्ड में औपचारिक निदान होते हैं, वे वर्तमान उपचार दिशानिर्देशों के अनुरूप बेहतर देखभाल प्राप्त करते हैं और धीमी बीमारी की प्रगति का अनुभव करते हैं।

शरीर में पथरी कैसे बनती है और कौन सी पथरी सबसे खतरनाक होती है?

शरीर में पथरी बनना आजकल आम समस्या बन चुकी है। गलत खानपान, पानी की कमी और शरीर में मिनरल्स के असंतुलन के कारण पथरी बन सकती है। पथरी शरीर में खनिजों और अन्य पदार्थों के जमने से बनती है और यह किडनी, गॉलब्लैडर, यूरिनरी ट्रैक्ट और पेट में बन सकती है। इसके बनने के कारण और खतरनाक प्रकार के पथरी के बारे में जानना जरूरी है ताकि आप समय रहते बचाव कर सकें।

पथरी क्या होती है? पथरी शरीर में मौजूद खनिजों और अन्य पदार्थों के जमा होने से बनती है। जब ये तत्व एक साथ मिलकर सख्त हो जाते हैं, तो पथरी बन जाती है। यह आमतौर पर किडनी, गॉलब्लैडर, यूरिनरी ट्रैक्ट और पेट में बन सकती है।

कहां बनती है पथरी?

किडनी स्टोन - यह सबसे आम होती है और पेशाब में समस्या का कारण बनती है।

गॉलब्लैडर स्टोन - यह पेट के दाहिने हिस्से में तेज दर्द करती है।

यूरिनरी ब्लैडर स्टोन - यह यूरिन पास करने में दिक्कत देती है।

पैंक्रियास स्टोन - यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है।

पथरी कैसे बनती है?

पानी की कमी- अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते तो शरीर में मिनरल्स और सॉल्ट जमने लगते हैं, जिससे पथरी बन सकती है। किडनी स्टोन का सबसे बड़ा कारण यह है।

गलत खानपान- ज्यादा जंक फूड, तला-भुना खाना, नमक और मीट का अधिक सेवन शरीर में ऑक्सालेट और कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे पथरी बनने का खतरा बढ़ता है।

जनरल स्वास्थ्य- अगर परिवार में किसी को पहले पथरी हुई हो, तो आपको भी इसका खतरा ज्यादा हो सकता है।

यूटीआई और किडनी की बीमारियां- यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और किडनी के रोग ब्लैडर स्टोन का कारण बन सकते हैं।

कैल्शियम, ऑक्सालेट या यूरिक एसिड- इनका अधिक होना पथरी बनने का कारण बन सकता है।

कौन सी पथरी सबसे खतरनाक होती है?

स्टैगहॉर्न किडनी स्टोन - यह किडनी को पूरी तरह जाम कर सकती है और इसे सर्जरी के बिना हटाना मुश्किल है। अगर समय पर इलाज न किया गया, तो यह किडनी फेलियर का कारण बन सकता है।

गॉलब्लैडर स्टोन अगर गॉलब्लैडर स्टोन बड़ी हो जाए और बाइल डक्ट को ब्लॉक कर दे, तो यह इन्फेक्शन और पैंक्रियाज को डैमेज कर सकती है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

यूरिक एसिड स्टोन- यह किडनी में गंभीर दर्द का कारण बनती है। पेशाब में जलन, खून आना और गंभीर दर्द हो सकता है। समय पर इलाज न मिलने पर किडनी खराब हो सकती है।

पैंक्रियाटिक स्टोन यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है और खाने को ठीक से पचाने में समस्या उत्पन्न करती है। पेट में दर्द, उल्टी और वजन घटने की समस्या हो सकती है।

पथरी शरीर के लिए बहुत ही परेशानी का कारण बन सकती है, खासकर अगर इसे नजरअंदाज किया जाए। अगर आप समय रहते सही खानपान और उचित इलाज अपनाते हैं, तो इससे बच सकते हैं। नियमित पानी पीने, ताजे फल और हरी सब्जियों का सेवन और खानपान में बदलाव से पथरी बनने के जोखिम को कम किया जा सकता है।

त्रिविक्रम की फिल्म में काल्पनिक किरदार में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

पुष्पा राज फेम अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी कई आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में खबर आई थी कि अल्लू जवान के निर्देशक एटली के साथ फिल्म करने वाले हैं, वहीं अब यह चर्चा जोरो पर है कि अल्लू निर्देशक त्रिविक्रम के साथ भी एक पौराणिक फिल्म कर सकते हैं।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

123 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, पुष्पा 2 – द रूल की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन निर्देशक त्रिविक्रम के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर काम कर रहे हैं। नागा वामसी ने पुष्टि की है कि इस आगामी प्रोजेक्ट की शूटिंग अक्तूबर 2025 में शुरू होगी। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि यह फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं के एक काल्पनिक किरदार पर आधारित होगी, जिसे अल्लू निभाएंगे।

फिल्म में कैसा होगा अल्लू का किरदार

वहीं फिल्म में यह अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि इसमें अल्लू भगवान कुमारस्वामी का किरदार निभाते नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म के बारे में कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बहरहाल, फिल्म की पूरी कास्ट के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तय है कि इस फिल्म को नागा वामसी और फॉर्च्यून फोर सिनेमा साथ मिलकर बनाएंगे। उम्मीद है कि यह फिल्म 2026 या उसके बाद रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन का करियर

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द रूल 4 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। यह अल्लू के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई कर कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े। इस फिल्म में अल्लू के साथ रश्मिका मंदाना की जोड़ी को प्रशंसकों ने खूब पसंद किया।

अवंतिका दसानी ने झेले ढेरों रिजेक्शन

वेब सीरीज मिथ्या से अपनी एक्टिंग पारी शुरू करने वाली एक्ट्रेस अवंतिका दसानी ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू किया। इसी सिलसिले में हुई एक खास मुलाकात के दौरान जानी-मानी अदाकारा भाग्यश्री की बिटिया अवंतिका ने अपने फिल्मी सफर के बारे में कुछ रोचक खुलासे किए

फिल्मी परिवार के बच्चों के बारे में ऐसा माना जाता है कि उन्हें आसानी से थाल में सजाकर फिल्में मिल जाती हैं। हालांकि, यह बात हर स्टार किड पर लागू नहीं होती। कम से कम मैंने प्यार किया फेम एक्ट्रेस भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दसानी का अनुभव तो यही रहा है। साल 2022 में वेब सीरीज मिथ्या से एक्टिंग करियर शुरू करने वाली अवंतिका ने हाल ही में फिल्म इन गलियों में के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू किया है। अवंतिका के मुताबिक, इस फिल्मी सफर में उन्होंने इतने रिजेक्शन सहे हैं कि उसकी गिनती भी याद नहीं।

पैरंट्स की बदौलत नहीं मिलता काम

स्टार किड होने के बावजूद इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में अवंतिका बताती हैं, हमारी इंडस्ट्री में किस्मत बहुत अहम है। आप जितनी भी कोशिश करो, आप कभी लकी होंगे, कभी नहीं, तो यह बहुत बड़ी चुनौती होती है। साथ ही, कई मुश्किलें ऐसी होती हैं, जिसका लोगों को यकीन भी नहीं होता, जैसे लोगों को लगता है कि हमारे पैरंट्स इंडस्ट्री से हैं तो हमें बड़ी आसानी से काम मिल जाता है, मगर ऐसा नहीं है। मैंने इतने ऑडिशन दिए हैं, इतने रिजेक्शन झेले हैं कि उसकी गिनती भी मुझे याद नहीं है और यह हर रोज होता है। इसके बावजूद, मैं इस उम्मीद में डटी हुई हूं कि शायद आने वाले समय में अच्छा काम मिलेगा, जहां यह दिखा पाऊं कि हममें क्या क्षमता है।

तय किया था, एक्ट्रेस नहीं बनूंगी

मां भाग्यश्री और भाई अभिमन्यु दसानी के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को ही करियर चुनने के फैसले पर अवंतिका कहती हैं, असल में मैंने यह फैसला बहुत देर से लिया। मैंने लंदन से बिजनेस ऐंड मार्केटिंग की पढ़ाई की है। मैंने कारपोरेट में काम भी किया है। हालांकि, मुझमें क्रिएटिविटी और परफॉर्मेंस का कीड़ा स्कूल से था। मुझे उसमें मजा आता था, मगर कभी इस चीज को सीरियसली नहीं लिया। उल्टे स्कूल में जब लोग मुझे बोलते थे कि तुझे क्या फर्क पड़ता है, तू तो एक्ट्रेस ही बनेगी तो मुझे बहुत चिढ़ होती थी। मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था कि मुझे एक बॉक्स में डाला जाए, क्योंकि मुझे जिंदगी में जो करना है, मैं कर सकती हूं। इसलिए, इसका विरोध करने के लिए मैंने तय किया था कि मैं एक्टिंग नहीं करूंगी। मुझे उन्हें दिखाना था कि चूंकि आपको ऐसा लगता है कि मैं एक्टर ही बनूंगी तो मैं ऐसा नहीं करूंगी। इसलिए, मैंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और मार्केटिंग में अंडर ग्रेजुएशन किया। काम भी किया लेकिन मैं अपने काम को उतना एंजॉय नहीं कर रही थी। कहीं ना कहीं वह क्रिएटिविटी मुझे खींच रही थी, तब मैंने एक्टिंग वर्कशॉप करना शुरू किया और मुझे एक्टिंग के प्रॉसेस से प्यार हो गया।

मम्मा कहती हैं, आंखों में सचाई दिखनी चाहिए

अवंतिका को अपनी मां भाग्यश्री से सबसे पते की सलाह क्या मिली? यह पूछने पर उन्होंने बताया, मम्मा एक ही चीज बोलती हैं कि आप जो भी डायलॉग बोलो, कुछ भी ऐक्शन करो, वो इमोशन आपकी आंखों में दिखना चाहिए। अगर वह आपकी आंखों में नहीं है तो उसका कोई मतलब नहीं है। आंखों में सचाई दिखनी चाहिए। आज भी अगर मैं ऑडिशन दे रही हूं और मम्मा मेरा ऑडिशन टेप कर रही होती हैं, तो बोलती है कि आंखों में नहीं दिख रहा है, एक बार फिर से करो। यह मम्मा की सबसे बड़ी सीख रही है। वहीं, फिल्म इन गलियों में के लिए एक आम सब्जीवाली के किरदार में ढलने की तैयारी के बाबत वह बताती हैं, असल में हमें तैयारी करने के लिए ज्यादा वक्त नहीं मिला था। शूटिंग से पहले दो हफ्ते ही मिले थे, मगर मैंने अपने डायलेक्ट पर बहुत काम किया। हमारे डायलेक्ट कोच थे, उनकी मदद से काफी रिहर्सल की, ताकि शूटिंग में मेरा किरदार बनावटी ना लगे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने कई नए लोगों को मौके दिए

विवान शाह की फिल्म कोट हाल ही में वेव्स पर रिलीज हुई है। इसमें संजय मिश्रा भी लीड रोल में हैं।

किस चीज ने आपको फिल्म कोट करने के लिए प्रेरित किया?

यह एक ऐसी कहानी है और किरदार है, जो मेरे तजुर्बे और समझ से बहुत ही बाहर है। इसे जीवित करने के लिए कल्पना, इंसानियत और ऑब्जर्वेशन की जरूरत पड़ी। यह ऐसे लोगों की कहानी है जिन्हें कई बार हम देखते रहते हैं लेकिन हम उनके बारे में सोचते नहीं हैं। यह मेरे लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कहानी थी। ये हमारी एक छोटी सी कोशिश है, जो समस्याएं हैं उन्हें सुधारने की। इसमें जो मेरा किरदार है उसे एक एक्टर और इंसान के तौर पर निभाना बहुत बड़ा चैलेंज है। शायद इसी चीज ने मुझे इस कहानी का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया।

अब फिल्म ओटीटी पर है तो इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म ओटीटी पर आई है और एक ऐसे प्लेटफार्म पर है, जिसकी परंपरा बहुत पुरानी है। दूरदर्शन (वेव्स) के जरिए बहुत बड़ी कहानियां और फिल्में एक बड़ी ऑडियंस तक पहुंच पाईं। दूरदर्शन एक इंपॉर्टेंट इंस्टीट्यूशन है और मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मेरी फिल्म इस प्लेटफार्म पर रिलीज हुई है क्योंकि यह इंस्टीट्यूशन हम सभी के दिलों के बेहद करीब है। ये हमारे बड़े होने के दौरान का एक बहुत बड़ा हिस्सा था और आज

क्या ओटीटी आने के बाद इंडस्ट्री में कुछ बदलाव आए हैं?

जी हां। बहुत सारे बदलाव आए हैं। बहुत सारे बढ़िया मौके मिले हैं। बहुत सारे कलाकारों को चाहे वो अभिनेता हों, अभिनेत्रियां हों या फिर डायरेक्टर-राइटर-टेक्निशियन हों। ओटीटी ने कई लोगों को मौके दिए हैं और इसके आने से काम के मौके भी बढ़े हैं। साथ-साथ एक्सपेरिमेंट्स के भी मौके बढ़ गए हैं। हमारी इंडस्ट्री के लिए बहुत ही बड़ा रिवॉल्यूशन है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म से आउट हुईं श्रीलीला

श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है। एक खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं।

अखंडा 2-थंडवम में राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी विद्या बालन

साउथ सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण और निर्देशक बोयापति श्रीनु की फिल्म अखंडा के दूसरे पार्ट की घोषणा की जा चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि अब इस फिल्म में उस बॉलीवुड अभिनेत्री की एंट्री हुई है, जिन्हें आप इस किरदार में खूब पसंद करेंगे। नतासिम्हा नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म अखंड की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी अखंडा 2 – थंडवम की शूटिंग में व्यस्त हैं। बोयापति श्रीनु के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से तैयार हो रही है। एक खबर के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को फिल्म में एक अहम किरदार के लिए चुना गया है। कहा जा रहा है कि वह एक राजनीतिक नेता की भूमिका निभाएंगी। यह बालकृष्ण के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी, इससे पहले वह एनटीआर की बायोपिक में उनके साथ काम कर चुकी हैं। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अखंडा का दूसरा पार्ट अखंडा 2 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया था और महाकुंभ मेले में अखंडा 2- तांडवम के कुछ महत्वपूर्ण एपिसोड शूट किए गए थे। फिल्म अखंडा 2 पैन इंडिया स्तर पर रिलीज की जाएगी।

शारिब हाशमी ने बताया 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में क्या होगा नया

मनोज बाजपेयी की सुपरहिट वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे भाग का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब तक इस सीरीज के दो पार्ट आ चुके हैं और दोनों को ही लोगों ने काफी पसंद किया है। अब इसके आने वाले तीसरे भाग को लेकर शारिब हाशमी ने बात की है। साथ ही उन्होंने ये दावा किया है कि आने वाले तीसरे सीजन में मजा भी तीनगुना होने वाला है और सीरीज में कई नए तथ्य भी देखने को मिलेंगे।

काफी बड़े पैमाने पर होगा सीजन 3

बातचीत में शारिब हाशमी ने 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर बात की। उन्होंने कहा, तीसरे सीजन में मेरे किरदार में काफी कुछ नया है। हम नई चीजें सीखेंगे, ज्यादा मौज मस्ती करेंगे और यह सीजन बाकी दोनों सीजन से काफी बड़े स्तर पर होने वाला है। पहले सीजन को लोगों ने पसंद किया। इसके बाद दूसरे सीजन में लोगों का मजा दोगुना हो गया। अब तीसरे सीजन में गारंटी लेता हूं कि सभी का मजा तीन गुना होने वाला है।

मेरे लिए किरदार में ढलना आसान था

सीरीज में अपने किरदार जेके तलपड़े के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरे लिए किरदार में ढलना काफी आसान था। क्योंकि मैं मुंबई में ही पैदा हुआ और यहीं पर बड़ा हुआ हूं। मैं चारों तरफ मराठी भाषा बोलने वाले लोगों से ही घिरा रहता हूं। मैंने 10वीं कक्षा तक स्कूल में मराठी पढ़ी है। मेरे अधिकांश दोस्त महाराष्ट्र से ही हैं। इसलिए मिला जेके तलपड़े का किरदार शारिब ने आगे बताया कि उनकी भाषा में कई तरह के प्रभाव देखने को मिलते हैं, क्योंकि उनके पिता उत्तर प्रदेश से और मां दिल्ली से थीं। हालांकि, उन्हें मराठी काफी पसंद है। इसलिए जब उन्होंने 'द फैमिली मैन' के लिए ऑडिशन दिया, तो निर्माताओं ने उन्हें जेके तलपड़े का किरदार निभाने को दिया।

'संदूक' में नजर आए शारिब

वर्कफ्रंट की बात करें तो शारिब हाशमी की हालिया रिलीज 'संदूक' है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म वेव्स पर स्ट्रीम कर रही है। इसके अलावा वो इसी साल रिलीज हुई जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमेट' में भी नजर आए थे।

विश्वंभरा में अभिनय के साथ गायकी का हुनर दिखाएंगी चिरंजीवी?

विश्वंभरा को लेकर फैंस के बीच उत्साह बना हुआ है। फैंस फिल्म से जुड़ी जानकारी का इंतजार करते हैं। अब फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है चर्चा है कि चिरंजीवी ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी के निर्देशन में विश्वंभरा के एक गाने को अपनी आवाज दे सकते हैं हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह सच हुआ तो इससे फैंस काफी खुश होंगे।

फिल्म में तृषा कृष्णन, आशिका रंगनाथ, कुणाल कपूर, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला और आश्रिता वेमुगंती नंदूरी मुख्य भूमिकाओं में हैं यूवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित यह फिल्म अगस्त या सितंबर 2025 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009